@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 19 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 225 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ममता बनर्जी की सुरक्षा हटाने के आरोपों को कोलकाता पुलिस ने किया खारिज

● कहा- केवल दो अधिकारियों की हुई अदला-बदली

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ममता बनर्जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं की गई है।

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, कोलकाता पुलिस ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार ने जानबूझकर ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था वापस ले ली है। बुधवार रात टीएमसी के दो राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन और सागरिका घोष तथा लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास के सामने मौजूद पुलिस चौकी खाली दिखाई दे रही थी। टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया था कि प्रशासन के निर्देश पर उनकी सुरक्षा व्यवस्था हटा दी गई है। हालांकि, राज्य पुलिस के सूत्रों ने इन दावों को गलत बताया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ममता बनर्जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं की गई है। केवल उनकी सुरक्षा में तैनात दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत बदला गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी चाहती थीं कि जब वह मुख्यमंत्री थीं, उस दौरान उनकी सुरक्षा संभालने वाले दो कोलकाता पुलिस अधिकारियों को ही उसी ड्यूटी पर बनाए रखा जाए। लेकिन सरकारी नियमों के तहत किसी अधिकारी की नियुक्ति या तैनाती व्यक्तिगत पसंद के आधार पर नहीं की जा सकती। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'सुरक्षा अधिकारियों का तबादला ड्यूटी रोस्टर और तय सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार होता है। इस मामले में भी सामान्य प्रशासनिक फेरबदल किया गया है।'

सूत्रों के मुताबिक, जिन दो नए सुरक्षा अधिकारियों को बुधवार रात कालीघाट स्थित आवास पर भेजा गया था, उन्हें ममता बनर्जी और उनके सहयोगियों ने ड्यूटी संभालने की अनुमति नहीं दी। बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री उन अधिकारियों से परिचित नहीं थीं। इस बीच, पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी के आवास की सुरक्षा कम नहीं बल्कि और मजबूत की गई है। बुधवार से उनके घर के बाहर ऊंचे सुरक्षा बैरिकेड भी लगाए गए हैं।

कच्चे तेल की कीमत घटने का मतलब तुरंत पेट्रोल-डीजल सस्ता होना नहीं: मंत्री

मंत्री ने कहा, 'इसमें समय लगेगा क्योंकि कम कीमत वाला कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने का मतलब यह नहीं है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें तुरंत कम हो जाएंगी। गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घरेलू ईंधन कीमतों को तय करने में कई कारक भूमिका निभाते हैं। इनमें कम कीमत पर खरीदे गए कच्चे तेल को भारत तक पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हाल में ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को केवल इसलिए तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कुछ नरम हुई हैं।

मंत्री ने कहा, 'इसमें समय लगेगा क्योंकि कम कीमत वाला कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचेगा। वहां जहाजों की आवाजाही काफी अधिक रहेगी। हालात को सामान्य होने में समय लगेगा।' सुरेश गोपी ने कहा कि इस साल पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई अस्थिरता का असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर

काफी पड़ा। उनके अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए सरकार ने इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। उन्होंने कहा, 'इस असर को अपने ऊपर लेने के कारण सरकार को 12,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। किसी भी राज्य सरकार ने ऊंची ईंधन कीमतों के दौरान अपने करों में कमी करके राजस्व नहीं छोड़ा। केंद्र सरकार को भी देश चलाना है और तेल कंपनियों को भी टिके रहना है।'

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के भाव पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि बाजार और परिवहन से जुड़े कई अन्य कारकों को भी ध्यान में रखा जाता है।

गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

ब्रेंट क्रूड लगभग 1.64 प्रतिशत गिरकर करीब 78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत भी लगभग 2 प्रतिशत घटकर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। कच्चे तेल की कीमतों में यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में हुई कूटनीतिक प्रगति के बाद देखने को मिली है। निवेशकों को उम्मीद है कि क्षेत्र में हालात सामान्य होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

तकनीक का फायदा सभी को मिलना चाहिए: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में 'वीवाटेक-2026' में हिस्सा लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का मानना है कि बदलाव के इस दौर में टेक्नोलॉजी का फायदा सभी को मिलना चाहिए। उन्होंने एआई का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे लोगों की जिंदगी बेहतर होनी चाहिए, पहुँच बढ़नी चाहिए, विकास को बढ़ावा मिलना चाहिए और हमें एक स्वस्थ ग्रह बनाए रखने में भी मदद मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में 'वीवाटेक-2026' में हिस्सा लिया और कहा कि भारत के लिए एआई का मतलब 'सबका साथ' (ऑल इनक्लूसिव) है। एआई कंट्री पार्टनर के तौर पर हमारी भागीदारी इसी सोच को दिखाती है।

टेक सम्मेलन में पिछली और मौजूदा भागीदारी के हालात की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया कोविड-19 के संकट का सामना कर रही थी। आज दुनिया अलग तरह के बदलावों का अनुभव कर रही है। उन्होंने वीवा टेक-2021 के संदेश को दोहराया कि 'जहाँ पारंपरिक तरीके काम नहीं आते, वहाँ इनोवेशन मदद कर सकता है।'प्रधानमंत्री ने 2026 को भारत और यूरोप के लिए एक खास साल बताया। उन्होंने कहा कि साल की शुरुआत ऐतिहासिक भारत-ईयू (यूरोपीय संघ) मुक्त व्यापार समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज़्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि इस साल 'भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर' की शुरुआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत

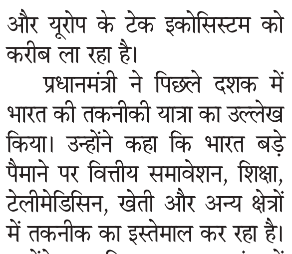

और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है।

प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पहचान सिस्टम को बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म तक। हमारे यूपीआई की वजह से डिजिटल पेमेंट को देखें; आज दुनिया के आधे रियल-टाइम डिजिटल ट्रांज़ैक्शन भारत में होते हैं।'

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि उन्होंने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ विशेष रूप से आतंकवाद-रोधी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को और मजबूत बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का लाभ भारत और अमेरिका के नागरिकों को मिलेगा।

विकास और संस्कृति का संतुलन ही एक सशक्त व समृद्ध समाज का आधार : द्रौपदी मुर्मु

● बैतूल में जनजातीय महासम्मेलन में शामिल हुई राष्ट्रपति, संबोधन के बाद ओंकारेश्वर के लिए रवाना

एजेंसी

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विकास और संस्कृति, दोनों का संतुलन ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज का आधार है। सार्थक विकास वह हैए जो हमारी जड़ों और जीवन मूल्यों से पोषण भी ग्रहण करे तथा उन जड़ों को मजबूत भी बनाए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को मध्य प्रदेश के बैतूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण' महासम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उपभोग की संस्कृति पर आधारित आज की तेज भागती दुनिया में समाज के हर वर्ग की आध्यात्मिक शुचिता बहुत महत्वपूर्ण हो गयी है। इसी के बल पर दीर्घकालिक रूप से समता

परक आचरण पद्धति और प्राकृतिक संपदाओं के प्रति संवेदनशील जीवन शैली विकसित की जा सकती है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि समाज का वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है जब व्यक्ति आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और जागरूकता के बल पर सामाजिक दायित्वबोध के साथ अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय होता है। जब अध्यात्म और सेवा का संगम होता है, तब समाज में स्थायी परिवर्तन आता है।

राष्ट्रपति मुर्मु का जीवन संघर्ष और कर्तव्य निष्ठा का अनुपम उदाहरण : दुर्गादास उइके

बैतूल। केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि ओडिशा के एक छोटे से जनजातीय गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, संविधान की महानता और सामाजिक समरसता की जीवंत मिसाल हैं। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण, सेवा और कर्तव्य निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। केन्द्रीय मंत्री उइके गुरुवार को मध्य प्रदेश के बैतूल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तीकरण' महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने अपनी कर्मठता, धैर्य और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के बल पर न केवल सर्वोच्च संवैधानिक पद को सुशोभित किया है, अपितु देश की प्रत्येक बेटी, जनजातीय समाज और आम नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत बनी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के बैतूल आगमन से जिले का प्रत्येक जनजातीय परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उनका नेतृत्व सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति सभी को प्रेरित करता है।

उपराष्ट्रपति ने नशामुक्त परिसर अभियान के तहत दिल्ली विवि के प्रयासों की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने नशामुक्त अभियान परिसर के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस वर्ष की शुरुआत में विश्वविद्यालय में नशामुक्त परिसर अभियान और ई-प्रतिज्ञा मंच के शुभारंभ को याद करते हुए छात्रों से नशामुक्त भारत के राजदूत बनने और मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के खतरे के खिलाफ खड़े होने की अपील की। उपराष्ट्रपति ने अभियान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से 53,000 से अधिक छात्रों ने अनिवार्य शपथ ली है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उपराष्ट्रपति ने देशभर के विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से इस प्रयास में शामिल होने और अपने छात्रों को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नशामुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयास और युवाओं में निरंतर जागरूकता आवश्यक है।

'छात्रों की गूंज' अभियान के जरिए राहुल गांधी ने छात्रों से मांगे सुझाव

'यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि छात्रों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने का एक माध्यम है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर एक नया अभियान शुरू किया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए युवाओं और छात्रों से 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पोस्ट में उन छात्रों को संबोधित किया, जिन्होंने पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली या बढ़ती फीस जैसी समस्याओं का सामना किया है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि यदि किसी छात्र के सपने इस व्यवस्था की वजह से टूटे हैं या उनके परिवार ने पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की कमाई लगा दी है, तो 'छात्रों की गूंज' उनकी आवाज बनने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि छात्रों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने का एक माध्यम है। राहुल गांधी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य छात्रों के लिए सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाएं और

सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने की मांग को मजबूती देना है।

अपने 'एक्स' पोस्ट में राहुल गांधी ने छात्रों से इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील करते हुए बताया कि इसमें जुड़ने में केवल 30 सेकंड का समय लगेगा।

उन्होंने कहा कि इच्छुक छात्र और युवा सबसे पहले दिए गए आधिकारिक लिंक पर जाएं, फिर अपना नाम दर्ज करें और अपने सुझाव शेयर करें। इसके बाद ऑनलाइन याचिका (पिटिशन) पर हस्ताक्षर कर अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हर एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मजबूत बनाएगा और जितने अधिक लोग इस अभियान से जुड़ेंगे, छात्रों की आवाज उतनी ही बुलंद होगी।

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे बड़ी संख्या में इस पहल से जुड़ें और शिक्षा और रोजगार से जुड़े अपने मुद्दों को मजबूती से सामने रखें। इस अभियान को सोशल मीडिया पर 'छात्रों की गूंज' हैशटैग के साथ प्रचारित किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एसयूवी खाई में गिरी

तीन महिलाओं समेत 7 की मौत

एजेंसी

चंबा । हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक सड़क हादसे में एक ही गांव के सात लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन सगे भाई व दम्पति शामिल है। मृतकों में चार पुरूष व तीन महिलाएं हैं। हादसा बुधवार देर रात चुराह विधानसभा क्षेत्र के पुखरी-मसरूंड मार्ग पर माणी जीरो के पास हुआ, जहां एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में चुन्नी लाल (65), देवी लाल (62), बबली देवी पत्नी मोती राम (45), मोती राम (50), अनीता कुमारी (20), कुंता देवी (53), मनोहर लाल (34) शामिल हैं। इसमें चुन्नी लाल, देवी लाल और मोती राम सगे भाई हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब पंचायत कुठेड़ के महल गांव के निवासी एक मुंडन संस्कार समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। परिवार और गांव के लोग काकड़ोथा गांव में आयोजित धाम में शामिल हुए थे और

देर रात समारोह से लौटते समय यह दुर्घटना हो गई। हादसे के बाद पूरे महल गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सात लोगों की एक साथ मौत से इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस के अनुसार, हादसा रात करीब दो बजे के आसपास हुआ। बोलेरो अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। अंधेरे और खड़ी ढलान के कारण बचाव अभियान काफी कठिन रहा। बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर सभी शवों को खाई से बाहर निकाला।चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में सात लोगों की मौत हुई है। इनमें अधिकतर एक ही परिवार के सदस्य थे।

मणिपुर में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 7 गिरफ्तार

39 बंकर नष्ट, एक उग्रवादी ढेर

एजेंसी

इंफाल । मणिपुर में सुरक्षाबलों ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में गोला और बारूद बरामद किया है।

इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने विभिन्न जिलों में बनाए गए 39 बंकरों को भी ध्वस्त किया। साथ ही, यूकेएनए उग्रवादी भी इस संयुक्त कार्रवाई में मारा गया है। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक, यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) का एक कैडर मारा गया।

इसके अलावा, भारतीय सेना और अमस राइफल्स ने चुराचांदपुर जिला में संयुक्त कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा गोला और बारूद बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) और कांगलेइपाक की समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी (सोरेपा) के संगठन से तीन उग्रवादियों को इंफाल के बिष्णुपुर जिले से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार हुए सभी उग्रवादी कई प्रकार की हिंसक और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, कांगपोकपी जिले में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है।

बरामद हथियारों में 11 सिंगल-बैरल ब्रीच-लोडिंग (एसबीबीएल) 12-बोर बंदूकें, 12-बोर गोला-बारूद के 294 जिंदा राउंड, बारूद के दो पैकेट, 12-बोर कारतूस के 34 खाली खोखे और छह बुलेटप्रूफ जैकेट शामिल हैं। सुरक्षाबलों के मुताबिक, चार अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए 39 बंकरों को भी ध्वस्त कर दिया।

पंजाब के विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दूंगा: मुख्यमंत्री मान

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब अब पिछली सरकारों की गलतियों और बुरे कार्यों का शिकार नहीं बनेगा, बल्कि विकास, मौकों और समृद्धि के एक नए युग की ओर निरंतर बढ़ रहा है। होशियारपुर के टांडा स्थित भट्टलां गांव में उन्होंने कहा कि उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और मेहनती लोगों के बावजूद, पिछली सरकारों ने राज्य के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी, जिसके कारण पंजाब अपनी पूरी क्षमता से विकास नहीं कर सका।

मुख्यमंत्री मान ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने तथा एक ऐसा रंगला पंजाब सृजित करने की बात कही, जहाँ किसी भी युवा को बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों की ओर जाने की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने अपनी सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर कहा कि बरगाड़ी बेअदबी और बहिबल कलां-कोटकपूरा गोलीकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा कर जेल भेजा जाएगा। सीएम मान ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 का भी जिक्र किया, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान करता है। उन्होंने अकाली नेतृत्व पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुरबानी के नाम पर वोट मांगे, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रहे।

सीएम मान ने पंजाब के सफर पर कहा कि राज्य ने 1947 के विभाजन, 1984 के दंगों और पिछली सरकारों द्वारा वर्षों की लूट-खसोट जैसे कई दुख झेले हैं, लेकिन अब इस प्रगति को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पंजाब में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से ऐसी नेतृत्व क्षमता की कमी थी जो निजी और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर राज्य के हितों को सर्वोपरि रखे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से भावुक अपील की कि उन्हें केवल कनाडा, अमेरिका या अन्य विदेशों के सपने देखने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि सरकार पंजाब में ही मौके पैदा कर रही है।

इस दिशा में, पंजाब सरकार ने ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की महिला कर्मचारियों को उनके घरों से 40 किलोमीटर के दायरे में तैनात करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे हजारों महिला कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हाई-टेंशन बिजली की तारों को भूमिगत करने की देश की पहली परियोजना, 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली, किसानों को दिन के समय बिजली और सिंचाई को मजबूत करने के लिए 14,000 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइनें बिछाने जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, मावां-धियां सम्मान योजना के तहत सभी वर्गों की 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति भाईचारे की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा पंजाब उनका परिवार है और लोगों द्वारा दिखाया गया प्यार व विश्वास उन्हें और अधिक समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है।

पीएम मोदी पर कथित टिप्पणी : खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार समिति से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ दायर शिकायत को राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति को जांच और विचार के लिए सौंपा गया है। यह कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के छह सांसदों द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर सदन और उसके सदस्यों की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाली अपमानजनक, टिप्पणियाँ करने का आरोप लगाने के बाद उठाया गया है।

राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सदन के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने नियम 203 के तहत मामले को समिति के पास भेज दिया है। इसकी शिकायत भाजपा सांसद बृजलाल, मिथिलेश कुमार, सुमित्रा बाल्मिक, शिवेश कुमार, सिकंदर कुमार और नागेंद्र राय ने संयुक्त रूप से दाखिल की थी। अधिसूचना में इस संबंध में 16 जून, 2026 की तारीख का उल्लेख है।

बीजेपी सांसदों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष खरगे लगातार और जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इसतरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे संसद की गरिमा कम हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संवैधानिक पद पर आसीन किसी व्यक्ति से मर्यादित भाषा और जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा होती है, और खरगे की टिप्पणियाँ संसदीय परंपराओं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं। यह विशेषाधिकार नोटिस राज्यसभा की कार्यवाही और कामकाज संचालन नियमावली के नियम 188 के तहत दाखिल हुआ था। नियम 188 सदस्यों को सदन की गरिमा, विशेषाधिकार या संसदीय परंपराओं के उल्लंघन के मामलों में नोटिस देने की अनुमति देता है। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष हैं। समिति के अन्य सदस्यों में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, दीपक प्रकाश, सुमेर सिंह सोलंकी, सुरेंद्र सिंह नागर, मनन कुमार मिश्रा और निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा शामिल हैं।

तेलंगाना में भीषण सड़क हादसों में सात की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में गुरुवार का दिन सड़क हादसों के नाम रहा, जब राज्यभर में तीन अलग-अलग घटनाओं में करीब सात लोगों की जान चली गई। इन हादसों में तेज रफ्तार, अनियंत्रित वाहन और सड़क किनारे खड़े वाहनों से टक्कर मुख्य वजह बनी। पहली दर्दनाक घटना हैदराबाद के पास मेडचल मलकाजगिरी जिले में हुई। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी और सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। यह हादसा तुर्कपल्ली और मुरहरपल्ली के बीच हुआ, जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि कार करीमनगर से हैदराबाद की ओर आ रही थी और चालक ने अपना नियंत्रण खो चुका था। एक अन्य घटना में, जंगांव जिले में हैदराबाद-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी ने टायर पंक्चर होने के कारण सड़क पर खड़े एक मिनी ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब मिनी ट्रक का चालक, एक सफाईकर्मी और एक अन्य व्यक्ति लिंगलघनपुर मंडल के नेल्लुतला के पास वाहन की मरम्मत कर रहे थे। मृतकों की पहचान रोहित, राजेंद्र और मधु के रूप में हुई है। रोहित जंगांव के देवुरुप्पला मंडल में एक किराने की दुकान चलाता था और अपनी दुकान के लिए हैदराबाद से किराने का सामान ला रहा था, जबकि मधु यादद्री भुवनगिरी जिले की रहने वाली थीं। हादसे में एक व्यक्ति ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरी घटना विकाराबाद जिले में दर्ज की गई, जहां एक लॉरी और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की जान चली गई। यह दुर्घटना परिगी मंडल के चिगुरलपल्ली के पास हुई। मृतक की पहचान मोमिंकलान निवासी 30 वर्षीय जावेद पाशा के रूप में हुई है।

पंजाब में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित होने वाले बड़े हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से राज्य में अवैध हथियारों की घुसपैठ पर महत्वपूर्ण लगाम लगी है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से 11 आधुनिक पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए हैं। यह सभी आरोपी विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे, जहां से वे हथियार प्राप्त कर भारत में उसकी आपूर्ति करते थे। इस कार्रवाई की जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है ताकि पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों का खुलासा किया जा सके। पुलिस का लक्ष्य इस तस्करी के पूरे मॉड्यूल का पता लगाना है। अमृतसर के एयरपोर्ट, सदर और छेरहटा पुलिस स्टेशनों में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और स्पष्ट किया है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने बताया कि अवैध हथियारों की तस्करी, सीमा पार अपराध और संगठित गिरोहों के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। आपराधिक गतिविधियों में किसी भी संलिप्तता मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हाल के दिनों में पंजाब पुलिस ने इसतरह के कई गिरोहों का पर्दाफाश किया है जो विदेशी हैंडलरों के इशारे पर भारत में हथियार पहुंचाते हैं। इसतरह के मामलों की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि ये अक्सर अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं, जिससे शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

सेना के अधिकारी की पत्नी के जबरन धर्म परिवर्तन मामले में मौलवी गिरफ्तार

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र की नागपुर पुलिस ने भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी की पत्नी के कथित जबरन धर्म परिवर्तन मामले में एक मौलवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे मध्य प्रदेश से हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए नागपुर ले आई है। महिला ने अपनी शिकायत में पूर्व सहपाठी और उसके कई साथियों पर दुष्कर्म, ब्लैकमेल, जबरन धर्म परिवर्तन और काला जादू से जुड़े कथित आरोप लगाए हैं। जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में कथित तौर पर एक व्यक्ति महिला का हाथ पकड़कर धार्मिक आयतें पढ़ता दिखाई दे रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ गया और पुलिस जांच तेज कर दी गई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मुख्य आरोपी अयाज मदारे (26) और उसका सहयोगी अमीन शेख पहले से ही पुलिस हिरासत में हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि गिरफ्तार मौलवी ने कथित धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाई थी। एफआईआर के मुताबिक महिला ने आरोप लगाया है कि 8 फरवरी 2025 को अयाज उसे एक होटल ले गया, जहां उसके पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाया। बेहोश होने के बाद उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए गए। बाद में इन्हीं के जरिए उसे ब्लैकमेल किया गया और पति को भेजने व सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर कई बार यौन उत्पीड़न किया गया। महिला का यह भी आरोप है कि उससे करीब चार लाख रुपए भी वसूले गए। महिला ने शिकायत में बताया कि वायरल वीडियो में वह रोते हुए खुद को छोड़ने की गुहार लगा रही थी। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि अयाज नियमित रूप से उसे प्लास्टिक की बोतल से एक तरल पदार्थ पीने के लिए मजबूर करता था। उसने दावा किया कि इसे पीने के बाद वह मंत्र पढ़ता था, उसके चेहरे पर फूंक मारता था और इस प्रक्रिया को सम्मोहन या काला जादू बताता था। एफआईआर के मुताबिक 31 मई को आरोपी उसे अपने सहयोगी के साथ कलमेश्वर ले गया, जहां मौलाना ने धार्मिक गतिविधि के दौरान उसकी इच्छा के विरुद्ध उससे कबूल है कहलवाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौलवी से पूछताछ के दौरान मामले में और भी अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

राज्य सरकार ने जानबूझकर पूर्व सीएम ममता बनर्जी की सुरक्षा वापस ली

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में पूर्व सीएम ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। कोलकाता पुलिस ने उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार ने जानबूझकर ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था वापस ले ली है। बुधवार रात टीएमसी के दो राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन और सागरिका घोष और लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास के सामने मौजूद पुलिस चौकी खाली दिखाई दे रही थी। टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया था कि प्रशासन के निर्देश पर उनकी सुरक्षा व्यवस्था हटा दी गई है।

दलाई लामा का शांति संदेश: तिब्बती कूटनीति और चीन की बढ़ती रणनीतिक चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बतियों के सर्वोच्च आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने मानवीय मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्नेह और गर्मजोशी से मिलने वाली खुशी से आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे डर कम होता है, आपसी भरोसा पैदा होता है और दोस्ती विकसित होती है। दलाई लामा ने सहयोग को सामाजिक प्राणी के रूप में मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक बताकर भरोसे पर आधारित बताया। उन्होंने रेखांकित किया कि एक दयालु मन और गर्मजोशी भरा व्यवहार आसपास के माहौल को अधिक सकारात्मक बनाता है। हालांकि, इस शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक ट्वीट ने वैश्विक स्तर पर तत्काल ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि भू-राजनीतिक विशेषज्ञ इसमें एक गहरा राजनीतिक निहितार्थ देख रहे हैं, जो सीधे तौर पर चीन के लिए एक नई चिंता और चुनौती बन सकता है।

यह संदेश चीन के लिए इसलिए संवेदनशील है क्योंकि तिब्बत पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 70 वर्षों के सख्त नियंत्रण के बावजूद, बीजिंग को हमेशा वहां चीन-विरोधी आंदोलन के फिर से भड़कने का डर बना रहता है। दलाई लामा आज भी दुनिया भर के तिब्बती समुदाय के लिए सबसे प्रभावशाली और सर्वमान्य नेता हैं। चीन के तमाम राजनीतिक और प्रशासनिक सुधारों के बाद भी उनकी आध्यात्मिक पकड़ कमजोर नहीं हुई है। इसी संवेदनशीलता के चलते बीते साल चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तिब्बत की राजधानी ल्हासा का एक दुर्लभ और अचानक दौरा किया था, जो क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने की बीजिंग की छटपटाहट को दिखाता है।

चीन की सबसे बड़ी रणनीतिक चिंता लामा के उत्तराधिकारी और उनके पुनर्जन्म के मुद्दे पर टिकी है। हाल ही में दलाई लामा ने स्पष्ट कर दिया था कि उनके भविष्य के पुनर्जन्म को मान्यता देने का एकमात्र विधिक और धार्मिक अधिकार केवल गादेन फोड्रंग ट्रस्ट के पास है। यह रुख बीजिंग के उस दावे के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी इस पूरी प्रक्रिया को अपना आंतरिक मामला और एकमात्र संप्रभु अधिकार मानती है। इसके अलावा, चीन पड़ोसी देश नेपाल को लेकर भी सतर्क है, जहां लगभग 12,000 निर्वासित तिब्बती शरणार्थी रहते हैं और जिसकी भौगोलिक सीमा तिब्बत से सटती है। वहीं दूसरी ओर, भारत ने साल 1959 से ही लामा और निर्वासित तिब्बती समुदाय को ससम्मान शरण दे रखी है। भारत सरकार हमेशा से धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करती है और आस्था से जुड़े आंतरिक मामलों पर कोई राजनीतिक पक्ष नहीं लेती, जिससे दलाई लामा की आध्यात्मिक प्रामाणिकता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परोक्ष रूप से मजबूत समर्थन मिलता है। चीन जहां इस धार्मिक परंपरा को राजनीति के चश्मे से देखता है, वहीं वैश्विक समुदाय और स्वयं तिब्बती लोग इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं।

परिसीमन पर नायडू को थरूर का जवाब: ड्राइवर की सैलरी से समझाया गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के उस बयान पर अपनी कड़ी असहमति जाहिर की है, जिसमें सीएम नायडू ने केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन ढांचे का बचाव किया था। कांग्रेस नेता थरूर ने एक विचार-प्रयोग के द्वारा समझाया कि सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में आनुपातिक वृद्धि के बावजूद राजनीतिक प्रभाव बड़े राज्यों की ओर ही झुकेगा। सीएम नायडू ने हाल ही में संसद में संविधान संशोधन विधेयक को रोकने के लिए विपक्ष की आलोचना कर कहा था कि परिसीमन को लेकर जाहिर की जा रही चिंताएं बेबुनियाद हैं।

अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान प्रस्तुत किए गए संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 में लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन को 2011 की जनगणना से जोड़ने का प्रस्ताव था। इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की आनुपातिक वृद्धि का प्रावधान भी शामिल था। हालांकि, यह विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और पारित होने के लिए आवश्यक 352 मतों के मुकाबले केवल 298 सदस्यों का समर्थन ही प्राप्त कर पाया, जबकि 230 सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

नायडू के इस बयान पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने एक अखबार की क्लिपिंग साझा की, जिसकी हेडलाइन थी नायडू ने कहा परिसीमन बिल 50 प्रतिशत सीट बढ़ोतरी के प्रावधान के साथ वापस आएगा। उन्होंने नायडू को संबोधित करते हुए लिखा, नायडू जी, आइए एक सोच-विचार वाला प्रयोग करते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 2 लाख है और आपके ड्राइवर की 20,000 है। आप सभी के लिए 50 प्रतिशत बढ़ोतरी का ऐलान करते हैं। अब आपकी सैलरी 3 लाख हो जाती है और आपके ड्राइवर की 30,000। थरूर ने समझाया, प्रतिशत या अनुपात के हिसाब से बढ़ोतरी तब एक जैसी है-लेकिन क्या आप अपने ड्राइवर की तुलना में और पहले की अपनी स्थिति की तुलना में, कहीं बेहतर स्थिति में नहीं हैं?

थरूर ने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ठीक यही चिंता जाहिर की है कि भले ही सीटों में बढ़ोतरी का अनुपात एक जैसा रहे, फिर भी राजनीतिक संतुलन काफी बदल जाएगा। उन्होंने उदाहरण देकर पूछा, क्या सच में कोई फर्क नहीं पड़ेगा अगर उत्तर प्रदेश के सांसदों की संख्या 80 से बढ़कर 120 हो और केरल के सांसदों की संख्या 20 से बढ़कर 30 हो जाए? उन्होंने कहा कि भले ही संख्या का अनुपात एक जैसा रहे, लेकिन राजनीतिक वज़न में भारी अंतर (केरल के 10 और सांसदों के मुकाबले यूपी के 40 और सांसद) एक गंभीर चिंता का विषय बना रहेगा। इस विचार-प्रयोग के माध्यम से थरूर ने यह स्थापित करने का प्रयास किया कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या में केवल आनुपातिक बढ़ोतरी से राजनीतिक संतुलन बना रहेगा, यह ज़रूरी नहीं है, खासकर दक्षिणी राज्यों के लिए, जो लंबे समय से आबादी पर आधारित परिसीमन प्रक्रिया में नुकसान होने की आशंका जता रहे हैं।

कच्चे तेल की गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा पेट्रोल-डीजल : राज्य मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि घरेलू ईंधन कीमतों का निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, इसमें कम कीमत पर खरीदे गए कच्चे तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय महत्वपूर्ण पहलू है। राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि हॉरमुज जलडमरूमध्य जैसे व्यस्त समुद्री मार्गों से कम कीमत वाले कच्चे तेल के भारत पहुंचने में समय लगता है, इससे तुरंत कीमतों में कमी संभव नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि इस साल पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा की, जिसका सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर पड़ा। राज्य मंत्री गोपी ने बताया कि उपभोक्ताओं को बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। इस प्रक्रिया में केंद्र सरकार को करीब 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने बताया कि ऊंची ईंधन कीमतों के दौरान किसी भी राज्य सरकार ने अपने करों में कटौती करके राजस्व नहीं छोड़ा, जबकि केंद्र और तेल कंपनियों दोनों को अपना परिचालन जारी रखना है। राज्य मंत्री गोपी ने पुन: साफ किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के भाव पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि बाजार और परिवहन से जुड़े कई अन्य आंतरिक और बाहरी कारकों को भी ध्यान में रखा जाता है। गौरतलब है कि गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जहां ब्रेंट क्रूड करीब 1.64 प्रतिशत गिरकर 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा था, और अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी करीब 2 प्रतिशत घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कच्चे तेल की इन कीमतों में गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में हुई कूटनीतिक प्रगति के बाद देखी गई है, जिससे निवेशकों को उम्मीद है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

राजभर को गंभीरता से नहीं लेता कोई: शिवपाल ने बताया सपा एकजुट

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के सपा में अंदरूनी फूट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है, इस बयान को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सुनियोजित साजिश बताया। गुरुवार को शिवपाल यादव ने बीजेपी और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैलाने और समय-समय पर साजिशें रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सपा का कोई भी सांसद पार्टी छोड़कर नहीं जाएगा, और ऐसी बातें केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने और चुनाव में सीटें हासिल करने के लिए होती हैं। शिवपाल ने राजभर पर निशाना साधकर कहा कि उनके बयान पैसे के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें ट्वीट करने के लिए पैसे मिलते हैं, इसीलिए वे ऐसी बातें कहते हैं और झूठ बोलते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

शिवपाल ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में राजभर को कोई गंभीरता से नहीं लेता। गौरतलब है कि एसबीएसपी नेता और उत्तर प्रदेश के मंत्री राजभर, जो पहले समाजवादी पार्टी के सहयोगी थे, अब बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के सदस्य हैं।

इसके पहले गुरुवार को राजभर ने समाजवादी पार्टी की आलोचना कर आरोप लगाया था कि पार्टी नेतृत्व केंद्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) की चल रही जांचों से खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा था कि राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जो चिट्ठी भेजी थी, उसमें पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से जुड़ी सीबीआई एफआईआर का जिक्र है। राजभर ने दावा किया था कि गायत्री प्रजापति जेल में हैं, जबकि अखिलेश यादव अभी बाहर हैं। उन्होंने गोमती रिवर फ्रंट मामले में राम गोपाल यादव के बेटे, शिवपाल यादव और उनके बेटे सहित परिवार के कई सदस्यों के शामिल होने का भी जिक्र किया, जिसके चलते समाजवादी पार्टी ने अपनी जान बचाने के लिए एक सूची जारी की थी।

तमिलनाडु विधानसभा में पारंपरिक प्रोटोकॉल बहाल : पहले राज्य गीत और फिर राष्ट्रगान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने गुरुवार को महत्वपूर्ण कदम उठाकर अपने लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक प्रोटोकॉल को बहाल किया। अब सदन की कार्यवाही की शुरुआत राज्य गीत तमिल थाई वाज़्थु के गायन से हुई, और समापन राष्ट्रगान के साथ होगा। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गानों के क्रम को लेकर उपजे बड़े राजनीतिक विवाद के ठीक एक महीने बाद हुआ है।

दरअसल यह बहाली दशक पुरानी परंपरा की वापसी है, जिसके तहत तमिलनाडु में सभी सरकारी और आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत राज्य गीत तमिल थाई वाज़्थु से होती है, और समापन हमेशा राष्ट्रगान से होता है। हालांकि, बीते महीने मुख्यमंत्री विजय के शपथ ग्रहण समारोह में परंपरा को बदल दिया गया था। इस बदलाव पर न केवल विपक्षी दलों, बल्कि टीवीके का समर्थन करने वाले कई सहयोगियों ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। विवाद तब और गहरा गया जब समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय के जनवरी 2026 के निर्देश के अनुसार वंदे मातरम का पूरा छह-पद वाला संस्करण बजाया गया।

विजय को 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत दिलाने में मदद करने वाले कई सहयोगियों ने फैसले पर सवाल उठाए थे। सीपीआई के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने तमिल थाई वाज़्थु को सर्वोच्च स्थान देने पर जोर दिया था, जबकि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन और पीएमके संस्थापक एस. रामदास ने भी इस क्रम की आलोचना कर विजय सरकार से तमिल स्तुति गीत को उचित महत्व देने का आग्रह किया था। डीएमके ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल ने सबसे पहले वंदे मातरम गाने पर जोर दिया और दावा किया कि यह घटनाक्रम विजय के भाजपा के करीब आने का संकेत है।

बढ़ती आलोचनाओं के बीच, टीवीके नेता आधव अर्जुन ने स्पष्टीकरण देकर जोर दिया कि उनकी सरकार बदले हुए क्रम का समर्थन नहीं करती। उन्होंने इस प्रारूप को तमिलनाडु के लिए अनुपयुक्त बताया और खुलासा किया कि जब तमिल थाई वाज़्थु को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया था, तब पार्टी ने राजभवन के समक्ष आपत्ति जाहिर की थी। अर्जुन के अनुसार, राजभवन ने उन्हें बताया था कि राज्यपाल को केंद्र सरकार द्वारा जारी नए सर्कुलर के अनुसार कार्य करना था।

शिवसेना में बगावत: पार्टी के इतिहास में चार बड़ी फूट की यादें हुईं ताजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति फिर इतिहास को दोहराया जा रहा है, जहाँ शिवसेना (यूबीटी) उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में एक और बड़े दलबदल के खतरे का सामना कर रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उद्धव गुट के नौ लोकसभा सांसदों में से सात सांसद दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्ताधारी शिवसेना में शामिल होने के इच्छुक हैं। सूत्रों के अनुसार, इस संभावित बगावत की मुख्य वजह पार्टी के भीतर उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे को बड़ी संगठनात्मक और नेतृत्व भूमिका देने की तैयारी है। शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि कई मौजूदा सांसद आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में काम करने में सहज नहीं हैं। अटकलें हैं कि आगामी 19 जून को, जो अविभाजित शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस है, शिवसेना (यूबीटी) आदित्य ठाकरे को लेकर कोई बड़ी घोषणा कर सकती है। इन अटकलों को बल तब मिला जब उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई सांसदों की बैठक में नौ में से केवल चार सांसद (अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ राजे और संजय पाटिल) ही व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे, हालांकि पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने अन्य सांसदों के फोन के ज़रिए संपर्क में होने की सफाई दी।

यह पहली बार नहीं है जब शिवसेना को अपने शीर्ष नेताओं की बगावत का सामना करना पड़ रहा है। बाल ठाकरे के दौर से लेकर आज तक, पार्टी ने कई बड़े कूटनीतिक और ऐतिहासिक विभाजन देख चुकी हैं। पार्टी के इतिहास में सबसे पहला बड़ा झटका 1991 में लगा, जब वरिष्ठ नेता छगन भुजबल 17 विधायकों के साथ शिवसेना से अलग होकर कांग्रेस में शामिल हुए थे, जिसने बाल ठाकरे के मज़बूत नियंत्रण पर पहली बार दरार डाली। इसके बाद, 2005 में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे को पार्टी से निकाले जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जिससे कोंकण क्षेत्र में शिवसेना का आधार कमज़ोर हुआ। उसी साल, बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे, जिन्हें कभी उनका राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता था, ने नेतृत्व संघर्ष के बाद पार्टी छोड़ दी और 2006 में अपनी खुद की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) बनाकर शिवसेना के मराठी वोट बैंक के लिए नई चुनौती खड़ी की।

हालांकि, शिवसेना के इतिहास की सबसे बड़ी फूट 2022 में देखी गई, जब वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने बगावत की अगुवाई की, इसके परिणामस्वरूप उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इस बगावत की जड़ में उद्धव ठाकरे का 2019 में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर सरकार बनाने का फैसला था, जिसे शिंदे गुट ने बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा से समझौता बताया। बागी विधायकों ने उद्धव तक पहुंच की कमी और सरकारी फंड के बंटवारे में असमानता जैसे आरोप लगाए। यह राजनीतिक संकट जून 2022 में महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में क्रॉस-वोटिंग के बाद तेज़ी से बढ़ा, जब शिंदे और 11 विधायक गुजरात के सूरत और फिर असम के गुवाहाटी चले गए। कुछ ही दिनों में, शिंदे ने शिवसेना के 55 में से 39 विधायकों का समर्थन पा लिया, जो दलबदल-विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जाने से बचने के लिए ज़रूरी दो-तिहाई बहुमत था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रस्ट वोट पर रोक लगाने से इंकार करने के बाद, उद्धव ठाकरे ने 29 जून 2022 की रात को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया। इस बगावत ने न सिर्फ़ शिवसेना को दो गुटों में बांट दिया, बल्कि महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य को भी पूरी तरह से बदल दिया। अब एक बार फिर, उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती आ खड़ी हुई है।

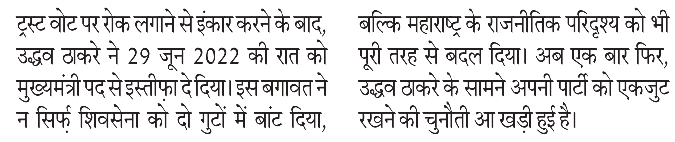

लोकनायक अस्पताल में कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचे तो होगी कार्रवाई, अब नहीं सुने जाएंगे बहाने

नई दिल्ली। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ लोकनायक अस्पताल प्रशासन कार्रवाई की तैयारी में है। प्रशासन ने कर्मचारियों की समयपालन संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपस्थिति व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन ने आदेश जारी किया है। समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा निर्धारित समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने की शिकायतें आ रही थीं। अस्पताल के चिकित्सा निदेशक ने इस स्थिति पर नाराजगी जताई है। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में स्थापित फेशियल रिकॉग्निशन अटेंडेंस सिस्टम (एफआरएएस) के माध्यम से नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इसके साथ ही उपस्थिति रजिस्टर में मैनुअल एंट्री भी करनी होगी। अस्पताल में स्थापित किसी भी एफआरएएस मशीन पर उपस्थिति दर्ज करवा सकेंगे। आदेश में सभी विभागाध्यक्षों, शाखा प्रभारियों और यूनिट प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके अधीन कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी का एफआरएएस पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। भविष्य में एफआरएएस में उपस्थिति दर्ज न करने या समय संबंधी किसी भी प्रकार के बहाने को स्वीकार नहीं किया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि प्रशासनिक, चिकित्सा, पैरामेडिकल, नर्सिंग और अन्य कर्मचारियों के कार्यालय समय दिल्ली सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार ही रहेंगे। अस्पताल प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेशों की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बहुओं के उत्पीड़न से परेशान वृद्ध दंपती पहुंचे थाने

हाथरस। आज विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर सिकन्दराराऊ के एक गांव का मामला सामने आया है। 80 वर्षीय सुखराम और उनकी 70 वर्षीय पत्नी सावित्री देवी अपनी बहुओं के उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वे बड़ी मुश्किल से अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। दंपती ने अपनी फरियाद लेकर कोतवाली में पुलिस से मदद मांगी है। आरोप है कि वृद्ध दंपती को उनकी बहुएं समय पर भोजन नहीं देती हैं। वे उन्हें तरह-तरह से परेशान करती है। सावित्री देवी की आंखों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ था। लेकिन लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाते समय धुएं से उनकी एक आंख खराब हो गई है। इस उत्पीड़न से तंग आकर दोनों ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया है। उन्हें आशा है कि पुलिस के हस्तक्षेप से उनकी समस्या का समाधान हो सकेगा। दंपती ने पुलिस को बताया कि उनकी बहुएं उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करती हैं।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर मो. उमर शैफी ने देशवासियों को दी बधाई

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर समाजसेवी एवं दिल्ली प्रदेश कमेटी के वरिष्ठ नेता मो. उमर शैफी ने देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राहुल गांधी का जन्म 19 जून 1970 को नई दिल्ली में हुआ था और वे भारतीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। मो. उमर शैफी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि राहुल गांधी ने देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों की समस्याओं को लगातार उठाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को मजबूती से उठाना एक जनप्रतिनिधि का सबसे ब?ा दायित्व होता है और राहुल गांधी इस जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का जन्मदिन केवल एक राजनीतिक नेता का जन्मदिन नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और जनसेवा के प्रति समर्पण का भी प्रतीक है। देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता अजय माकन एवं दिल्ली प्रदेश

कांग्रेस कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष देवेन्द्र यादव आदि समर्थक इस दिन को सेवा, जनकल्याण और सामाजिक कार्यों के माध्यम से मनाते हैं। विभिन्न स्थानों पर गरीबों को भोजन वितरण, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण तथा रोजगार और शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता रहा है। मो. उमर शैफी ने कहा कि आज देश को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चले और युवाओं को आगे ब?ने के अवसर प्रदान करे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राहुल गांधी आने वाले समय में भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने तथा सामाजिक न्याय के लिए अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि देशवासियों से आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव को ब?ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता और एकता में निहित है। सभी नागरिकों को मिलकर देश के विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सौहार्द के लिए कार्य करना चाहिए। मो. उमर शैफी ने आगे कहा कि राहुल गांधी हमेशा युवाओं को राजनीति और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते रहे हैं। उनके विचार और पहल युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जो?ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हाल के वर्षों में उन्होंने देशभर के छात्रों और युवाओं के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास किया है। उन्होंने राहुल गांधी के स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव और जनसेवा का संकल्प देश के लिए प्रेरणास्रोत बना रहे। साथ ही उन्होंने देशवासियों को भी इस अवसर पर सकारात्मक सोच, सामाजिक सेवा और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। मो. उमर शैफी ने कहा कि राहुल गांधी के जन्मदिवस पर सभी नागरिकों को लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक सद्भाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर मो. उमर शैफी द्वारा दी गई शुभकामनाओं को विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने भी सराहा है।

अपनों ने दिया दर्द- ऐसा ठुकराया कि याद करते हैं तो रूकते नहीं आंसू, सिसक रहीं बुजुर्गों की खुशियां

अलीगढ़। जिस घर को अपने खून-पसीने से सींचा, आज उसी घर की चौखट पर हमारे लिए जगह नहीं बची। ऐसा ठुकराया अपनों ने कि जब भी उनकी याद आती है, तो आंखें रो प?ती हैं। यह दर्द अलीगढ़ के छर्रा स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे उन बुजुर्गों का है, जिनकी ढलती उम्र में सहारा बनने के बजाय अपनों ने ही उन्हें बेगाना कर दिया। हर साल 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों के साथ होने वाले शारीरिक, मानसिक और आर्थिक दुर्व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाना है, लेकिन इस तेज गति से भागते समाज की कड़वी सच्चाई यह है कि आज कई बुजुर्ग दुनिया से नहीं, बल्कि अपने ही बच्चों के दुर्व्यवहार और उपेक्षा के शिकार हैं। वर्तमान में इस वृद्धाश्रम में ऐसे ही 80 बुजुर्ग पंजीकृत हैं, जो अपनों के दिए जख्मों को समेटे जिंदगी के आखिरी दिन काट रहे हैं। अलीगढ़ की 45 लाख से अधिक आबादी में पांच लाख से अधिक आबादी बुजुर्गों की है। इनमें से करीब 20 हजार बुजुर्ग परिवार परिचितों की किसी न किसी रूप में उपेक्षा या खराब व्यवहार को झेल रहे हैं। आश्रम की कहानियां झकझोर देने वाली हैं। गाजियाबाद के रहने वाले अर्जुन अग्रवाल पिछले एक महीने से यहां रह रहे हैं। उनके दो बेटे और दो बहुएं हैं। बेटे अच्छा व्यापार करते हैं, एक बहू सरकारी टीचर है और दूसरी कोचिंग चलाती है। सब कुछ संपन्न होने के बाद भी बहुओं से अनबन के कारण उन्हें इस उम्र में अपना घर छोड़ना पड़ा। वहीं, अलीगढ़ के राधेश्याम अग्रवाल का भी यही दर्द है। बेटे का अच्छा-खासा व्यापार है, लेकिन बहू से हुए विवाद के चलते वे एक साल से आश्रम में रहने को मजबूर हैं। रेलवे में नौकरी करने वाले बेटे के पिता भूप सिंह पिछले दो साल से वृद्धाश्रम रह रहे हैं। उनका बेटा-बहू दिल्ली में रहते हैं, लेकिन पिता के लिए उनके पास वक्त नहीं है। अलीगढ़ के ही विजय कुमार अपनी पत्नी मधु के साथ पिछले चार साल से आश्रम में रह रहे हैं। उनका एक बेटा और चार बेटियां हैं। बेटा बेरोजगार है और परिस्थितियों व अपनों की बेरुखी के चलते इस बुजुर्ग दंपति को अपना आशियाना छोड़ना पड़ा। कयामपुर मोड़ पर वृद्ध आश्रम में रहने वालीं नजमा, मालकुमारी, यशोदा, शांति, मीरा, शकुंतला देवी, पूर्णिमा सेठ, हरी प्रसाद, भूषण कुमार, बहोरी लाल, गिर्राज किशोर, राजकुमारी और अनीता देवी जैसे कई बुजुर्गों की सूनी आंखें आज भी आश्रम के मुख्य दरवाजे को निहारती रहती हैं। इन्हें आज भी उम्मीद है कि शायद कोई अपना आएगा और गले से लगाकर कहेगा चलो घर चलें। आश्रम की अध्यक्ष सुनीता शर्मा कहती हैं कि 2011 में शुरू किए इस आश्रम में अब 35 बुजुर्ग हैं। इनकी देखभाल संस्था की कमेटी कर रही है। वह कहती हैं कि यह दिन हमें सोचने पर मजबूर करता है कि जो माता-पिता बच्चों को चलना सिखाते हैं, बच्चे बड़े होकर उन्हें इस तरह बेसहारा कैसे छोड़ देते हैं।

झगड़े के बाद पत्नी गई मायके, पति का शव फंदे से लटका मिला

बरेली। बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के चनहेटा गांव निवासी 28 वर्षीय रंजीत बाल्मीकि का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला बताया है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात पत्नी से झगड़े के बाद रंजीत ने आत्महत्या कर ली थी। कैंट थाना प्रभारी संजय धीर ने बताया कि रंजीत बाल्मीकि बरेली क्लब में संविदा पर काम करता था। वह चनहेटा गांव का निवासी था। उसने वर्ष 2020 में दीपा से प्रेम विवाह किया था। उसके दो बच्चे हैं, जिनमें छह साल का लड्डू और चार साल का मटरू शामिल हैं। पुलिस जांच के अनुसार शनिवार रात नौ बजे रंजीत का अपनी पत्नी दीपा से झगड़ा हुआ था। दीपा ने आरोप लगाया था कि रंजीत किसी और महिला से बात करता है। झगड़े के बाद दीपा बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई थी। इसके बाद रंजीत भी गुस्से में घर से निकल गया था। रविवार रात रंजीत का शव गांव से कुछ दूर पचपेड़ा लाइन के पास जंगल में एक पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलने पर कैंट थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस को शव के पास से उसका मोबाइल फोन भी मिला है। पुलिस का कहना है कि जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है।

मृत बच्चे को कलेजे से लगाए घूमती रही बंदरिया, मार्मिक दृश्य देख लोगों की आंखें हुईं नम

औरैया। मां की ममता का एक ऐसा भावुक और मार्मिक दृश्य सामने आया है, जिसे देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। यहां एक बेबस बंदरिया अपने मृत बच्चे को सीने से चिपकाए पिछले दो दिनों से भटक रही है। वह अपने कलेजे के टुकड़े को छोड़ने को तैयार ही नहीं है। वह बार-बार मृत बच्चे के मुंह को चाटकर उसे जगाने और जिंदा करने का असफल प्रयास करती दिख रही है। इंसान हो या जानवर, मां की ममता का यह रूप सोशल मीडिया और पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो शहर के मोहल्ला ब्रह्म नगर का बताया जा रहा है, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

NAME CHANGE
I, PARAVATI mother of No. 2619798L Rank-HAV Name-MURASHIDDAPPA SINGADI Residing at VPO-MAMADARUR, TEHSIL-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591233 have changed my name from PARAVATI to PARVATI SINGADI for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BASAPPA Father of No. 2619798L Rank-HAV Name-MURASHIDDAPPA SINGADI Residing at VPO-MAMADARUR, TEHSIL-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591233 have changed my name BASAPPA to BASAPPA SINGADI for all future purposes vide Affidavit Dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SEETHA mother of JC-442983P, Rank-NB SUB, Name-BHANU PRAKASH POTI residing at H.NO-1-8/7/2, OXYGEN DEFENCE COLONY-03, PO-KRANTHI NAGAR, TEHSIL-PENDURTHI, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHARA PRADESH-530051, have changed my name from SEETHA to POTI SITARAM for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRATHIMA wife of JC-442983P, Rank-NB SUB, Name-BHANU PRAKASH POTI residing at H.NO-1-8/7/2, OXYGEN DEFENCE COLONY-03, PO-KRANTHI NAGAR, TEHSIL-PENDURTHI, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHARA PRADESH-530051, have changed my name from PRATHIMA to PRATHIMA POTI for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DHARAMVEER SINGH S/O ATALE R/O Bahadurpur, Meerut, Uttar Pradesh-250341, have changed my name and shall hereafter be known as DHARAM SINGH.

NAME CHANGE
I, DHANANJAY S/o KAMOL TIWARI R/o E-276, Gali No.18, Khadda Colony, Jaitpur Extn., Part-2, Badarpur, Delhi-110044, have changed my name from DHANANJAY to DHANNAJAY TIWARI permanently

NAME CHANGE
I, MOHAMMED HUZAIFA S/o NOOR AHMED R/o 739, SHEESH MAHAL, AZAD MARKET, DELHI-110006, have changed my name from MOHAMMED HUZAIFA to MOHAMMAD HUZAIFA permanently

NAME CHANGE
I ALEESHA THOMAS SAJU D/O Saju Thomas R/O 5C msd Flats Minto road complex New delhi-110002, changed my name to ALEESHA T SAJU

NAME CHANGE
I, I, DHOOM SINGH RANA father of No 14942828M, Rank-HAV, Name-MANOJ SINGH RANA R/o VPO-KIMANA, DIST-CHAMOLI, UTTARAKHAND-246472, have changed my name from DHOOM SINGH RANA to DHOOM SINGH for all future purposes, Vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, GAYATRI DEVI mother of No 14942828M, Rank-HAV, Name-MANOJ SINGH RANA R/o VPO-KIMANA, DIST-CHAMOLI, UTTARAKHAND-246472, have changed my name from GAYATRI DEVI to GAYTRI DEVI for all future purposes, vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JANI DEVAL wife of JC-779662N Rank-NB SUB Name-JANI KRUNAL KUMAR CHIMAN LAL Presently residing at H.NO. 44 PANCHVATI PARK, NEAR ANUPAM VIDYALAY, NARODA, SAIJPUR BOGHA, AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my name from JANI DEVAL to DEVALBEN KRUNALKUMAR JANI for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, HAJARA KHATOON wife of No-17002652W, Rank-HAV, Name-ZALIL HUSSAIN permanent residing at VILL-NATWAR GOPI, PO-NANDPUR, PS-MANJHI, TEHSIL-CHHAPRA, DIST-SARAN, BIHAR-841313, have changed my name from HAJARA KHATOON to HAZRA BEGAM for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 30/08/1993 instead of my correct date of birth as 01/01/1992 Vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJNI KUMARI W/O RAJ R/O S-21, SOUTH ANARKALI, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051. have changed my name and shall hereafter be known as PUSHPANJALI DEVI.

NAME CHANGE
I, MEERA DEVI W/o DINESH CHAND R/o House No: 3201, DLF Phase-4, Gurgaon - 122001, Haryana have my name from MEERA DEVI to MEERA for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, NO-2609444P, Rank-HAV, Name-PAKEERU NAIDU BONGU residing at VPO-MARIPIVALA, TEHSIL-SEETHANAGRAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, have changed my father's name from APPALA NAIDU to BONGU APPALANAIDU for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-2609444P, Rank-HAV, Name-PAKEERU NAIDU BONGU residing at VPO-MARIPIVALA, TEHSIL-SEETHANAGRAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, have changed my mother's name from B GANGAMMA to BONGU GANGAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Mohammad Abid Zaheer S/o Mohd Zaheeruddin Residing at House No-2799,1st Floor, Gali Garhariya, Kucha Chelan Darya Ganj, Central Delhi, 110002 Have Changed My Name from Mohammad Abid Zaheer to Mohd Abid Zaheer for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammed Yaqoob S/o Noor Mohd Residing at House No. 632, First Floor, Rang Mahal, Ganj Mir Khan, Darya Ganj, Delhi-110002. Have Changed My Name from Mohammed Yaqoob to Mohd Yaqoob for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Sikandar Jahan Begum w/o Abbas Ali R/o Mohalla, Saddo, Amroha, Uttar Pradesh-244221 have changed my name to Sikander Jahan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MANISH S/O NARENDER BHARDWAJ R/O FLAT NO 1542 TOWER F 6TH AVENUE GAUR CITY 1 GREATER NOIDA WEST UP 201009, CHANGED MY NAME TO MANISH BHARDWAJ.

NAME CHANGE
I, MONICA DUA W/O RAJIV SALUJA R/O EG-81, EG-BLOCK 1ST FLOOR INDER PURI CENTRAL DELHI IARI DELHI 110012, CHANGED MY NAME TO SHELLY SALUJA.

NAME CHANGE
I, AKHTAR ALI S/O RAFIK R/O A-97, GALI NO 7 A BLOCK OLD MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO AKHTAR.

NAME CHANGE
I, MD KARIM AHMAD S/O SAFIL ANSARI R/O HO.NO-51, STREET NO-03 SWATANTAR NAGAR NEW SUBHASH NAGAR LUDHIANA PUNJAB 141007, CHANGED MY NAME TO MOHOMMAD KARIM ANSARI.

NAME CHANGE
I, VIKASH SHARMA s/o BRIJ MOHAN SHARMA R/o H NO-A-26, GALI NO-2, EAST KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to VIKAS SHARMA.

NAME CHANGE
I, SATISH RATHORE R/O C-29, SUBHASH PARK BINDAPUR MATIYALA ROAD, UTTAM NAGAR, DELHI-110059 have changed my name to SATISH KUMAR.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Md Samfaraz Ansari S/O Samsudin Ansari, residing at-B-119, gali no 10, Kanti Nagar Extn, Krishna Nagar, Delhi -110051, Permanent Address-Gram-Parariya, Post- Belaganj, Thana -Belaganj, VTC: Parariya. PO: Belaganj, District: Gaya, state :Bihar, 804403, have changed my name and shall hereafter be known as MD SARFARAZ ANSARI.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vinod Kumar S/O Ratan Chand, R/O D-90A, PRATAP GARDEN, BINDAPUR, VTC: UTTAM NAGAR, District: West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110059, have changed the name of my minor daughter PRACHI aged 14 years and she shall hereafter be known as PRACHI KONDAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Raja alias Abdul Waheed S/O Abdul Haq, A-426,, Gali No-1, A-5 Block, Sonia Vihar, Khajoori Khas, North East Delhi, Delhi, 110094, have changed my name and shall hereafter be known as RAJA.

Public Notice
It is for general information that I Devanshi Goswami D/O Anand Kumar Goswami, R/O RZD-127/1, Gali No 2, Near Mamta Bakery, Palam Colony, Raj Nagar Part 2, PO: Raj Nagar - II, OIST: South West Delhi, Delhi- 110077, declare that name of my father has been wrongly written as Anand Goswami in my 10th and 12th class educational documents .The actual name of my father is ANAND KUMAR GOSWAMI, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAHUL KUMAR YADAV S/o RAJESH KUMAR R/o WZ – 42, Todapur Village, Central Delhi, Delhi - 110012 declare that the name of my mother and my Father has been wrongly written as MUNESH YADAV and RAJESH YADAV in my all Educational Documents and name of my Father has been wrongly written as RAJESH YADAV in my Driving License No. DL1 20230060687 and in my Pan Card No. APPPY0682J. in my Voter ID No. SMM2416245 .and name of my Mother and my Father has been wrongly written as MUNESH YADAV and RAJESH YADAV in my Birth Certificate No. 050877. The actual name of my mother and my Father are MUNESH and RAJESH KUMAR respectively, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as MAHENDAR SINGH RANA S/o BHAGOT SINGH RANA, Residing at D - 100/21- B Gali No. 7 D – Block Gamri Extension, Delhi – 110053 have changed my name and shall hereafter be known as ISHWAR SINGH RANA .

NAME CHANGE
I hitherto Known as GADUA PAL alias RAM PRASAD S/o HAR DAS residing at GI – 120/125, GI – Block, Khazan Basti, Maya Puri Phase – 2, South West Delhi ,Delhi 110064 have changed my name and shall hereafter be known as RAM PRASAD .

NAME CHANGE
I, SACHIN KUMAR S/o SURESH CHAND R/o H.No. E- 1/147 Gali No. 5, Chautha Pusta Near Gatta Factory Sonia Vihar Sabhapur North East Delhi – 110094 have changed the name of my minor daughter KANISHKA aged 15 years and she shall hereafter be known as KANISHKA MATHUR .

NAME CHANGE
It is general information that I SURBHI KUMARI D/o DHIRAJ KUMAR R/o D - 42, PO : Siras Pur Dist : North West Delhi, Delhi - 110042 declare that the name of my Father and my Mother has been wrongly written as DHEERAJ KUMAR and VIBHA in my 10th 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father and my Mother are DHIRAJ KUMAR and VIBHA DEVI Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Km. Khushaboo W/o Manav Rastogi R/o H. No. 1/11614, Shop No.3, N-60, Gali No.10, Subhash Park, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Khushboo Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Md Usman S/o Yar Ali R/o K-1-18/207-C, Block-K-1, Gali No-18, Hanuman Mandir, Devli, Delhi-110080 have changed my name to Mohd Usman for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mahishad Bano w/o Mohd Usman R/o K-1-18/207-C, Block-K-1, Gali No-18, Hanuman Mandir, Devli, Delhi-110080 have changed my name to Mahsaad Bano for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Pavan Kumar Vashisth S/o Bhagwat Sharma R/o H. No. 11, Likhi Ram Road, Shiv Mandir, Gonchi, Sector-53, Sarurpur, Faridabad-121004, Haryana have changed my name to Pavan Bashisth for all future purposes

NAME CHANGE
I, Neha Malik W/o Shahid Sagar R/o RZ A-21, Nandram Park, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Neha for all future purposes.

Public Notice
It is for general information that I, NASRIN AHMAD D/o MOHIBULLAH KHAN Wo GUFRAN AHMED, R/o B-21-S-1, Dilshad Colony, New Seemapuri, East Delhi-110095, declare that name of my father has been wrongly written as MOHD SHEHZAD in my Passport No. M3192970. The actual name of my father are MOHIBULLAH KHAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-2611905M Rank-HAV Name-BAJI BABU TUMMA residing at H NO-4-292, VILL-YETRAVARIPALEM, PO & TEHSIL-KARLAPALEM, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522111, have changed my wife's name from LAKSHMI BHARATHI YETRA to TUMMA LAKSHMI BHARATHI for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-2611905M Rank-HAV Name-BAJI BABU TUMMA legal father of KUNDANA VYSHNAVI, residing at H NO-4-292, VILL-YETRAVARIPALEM, PO & TEHSIL-KARLAPALEM, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522111 have changed my minor daughter's name from KUNDANA VYSHNAVI to KUNDANA VYSHNAVI TUMMA for all future purposes vide affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KRUNAL CHIMANLAL JANI Presently residing at H.NO.- 44 PANCHVATI PARK, NEAR ANKUR SOCIETY, SAIJPUR BOGHA, OPP. KRISHNA NAGAR, AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my name from KRUNAL CHIMANLAL JANI to KRUNALKUMAR CHIMANLAL JANI for all future purposes vide Affidavit Dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANTOSH SINGH mother of JC-812937Y, Rank-NB SUB, Name-VIPIN KUMAR residing at H.NO-A-6D/B, SIDHARTHI ENCLAVE, BHAGWATI GARDEN EXTN, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed my name from SANTOSH SINGH to SANTOSH DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Pramod Tiwari, S/o Shri Badri Prasad Tiwari, presently residing with my daughter at Flat No. 403, G Tower, Antriksh Kanball, Sector 77, Noida, Uttar Pradesh – 201301, hereby declare that "Pramod Tiwari" and "P.K. Tiwari" are one and the same person, i.e., myself. Due to an inadvertent error, my name has been recorded as "P.K. Tiwari" in certain educational documents of my children's. I confirm that both names refer to me and may be treated as the same person for all official purposes.

Date of Birth Change
I Satre Usha Pralhad legally mother of Army no - 2810624N, Rank - Sep, Name - Satre Prashant Pralhad, Presently Residing, At - Satrewadi, Post- Malawadi, Teh - Man(Dahiwadi), Dist - Satara, Pin - 415508, State- Maharashtra, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 19/09/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change
I SATRE PRALHAD DNYANDEV legally father of Army no - 2810624N, Rank - Sep, Name - Satre Prashant Pralhad, Presently Residing, At - Satrewadi, Post- Malawadi, Teh - Man(Dahiwadi), Dist - Satara, Pin - 415508, State- Maharashtra, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 02/05/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change
I Army no-2806143k Rank - Hav Name - Rakh Ashok Bhausaheb, Presently Residing At-savargaon sone Post -Bensur, Teh-patoda Dost-Beed, State-Maharashtra, Pin-414204, in my service records my minor's son (Aditya Ashok Rakh) date of birth is wrongly mentioned as 12/04/2009, instead of his correct date of birth as 12/04/2010 , Vide Affidavit dated 18/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-15331678A Rank-HAV Name-SHAHANAWAZ DESAI legal father of ALISHA, Presently residing at- H NO-EWS-209, ASHOK NAGAR, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-590016 have changed my minor daughter's name from ALISHA to ALISHA DESAI for all future purposes vide affidavit dated 18/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, LEKHIKA BEDI W/o ANUBHAV BEDI R/o House No: Q-7/18, 3rd Floor, Sector-25, DLF Phase-2, Gurgaon - 122002, Haryana have my name from LEKHIKA BEDI to LEKHIKA INDORIA for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, GULSHAN KUMAR, S/o KISHORI LAL, R/o H No: 947, Banyani (123), Rohtak 124411, Haryana declare that my name earlier written as GULSHAN KUMAR is now bifurcated as GULSHAN (First Name) & KUMAR (Surname). Both names belong to one person.

NAME CHANGE
I,Mahender Pal R/o Flat No.A-4, 2nd Floor, A-Block, Near Mother Dairy, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Mahender Tayal.

NAME CHANGE
I, MONIKA W/o NAVEEN KUMAR VASHISHT R/o House No: 22, Sector-23, Palam Vihar, Gurgaon - 122017, Haryana, have my name from MONIKA to MONIKA VASHISHT for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I, NAVEEN KUMAR and NAVEEN VASHISHT S/o JAI BHAGWAN VASHISHT R/o House No. 22, Sector-23, Palam Vihar, Gurgaon - 122017, Haryana, hereby declare that henceforth I shall be known as NAVEEN KUMAR VASHISHT for all purposes.

NAME CHANGE
I,SUSHMITA SRIVASTAV W/O Arvind Kumar R/O Flat No -9 Building No-C-1/140, Deep Vihar, Sector-24 Rohini, Pansali, North West Delhi, Delhi- 110042, have changed the name of my minor son ANEKANT SRIVASTAV aged 13 years and he shall hereafter be known as AKSH SRIVASTAV.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DIKKI D/O NARESH R/O Gov-Masauta, Masauta, PO: Jindal Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201302, have changed my name and shall hereafter be known as DIKSHIT.

NAME CHANGE
I hitherto known as POOJA RAI alias PRITI RAI D/o PRADEEP RAI W/o AMIT KUMAR RAI R/o House No. S-184/1, Block-S, New Sanjay Camp Okhla Phase-1, South Delhi-110020, have changed my name and shall hereafter be known as PRITI RAI.

NAME CHANGE
I,SONU S/O DHAMAI R/O House Number 221, Rukanpur, Morna, Meerut, Rukanpur Morna, Uttar Pradesh-250001 have changed the name of my minor son MONU aged 15 years and he Shall hereafter be known as KUNAL.

नाम परिवर्तन
मैं, संख्या 2705137पी हवलदार क्लर्क दीपेश कुमार भारतीय सेना (4 ग्रेनेडियर्स) मै कार्यरत हूं। मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरी पत्नी का नाम गुड़िया देवी है जो गलत अंकित है, मेरी पत्नी का सही नाम गुड़िया कुमारी है। पता - गयासपुर, मनेर, पटना ।

NAME CHANGE
I,hitherto known as SUNEETA DEVI W/o KOMAL KANT JHA R/o 330, Azad Vihar, Near Shivam Public School, Khora, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309, have changed my name and shall hereafter be known as RADHA DEVI.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अनिल शर्मा उर्फ अनिल कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी मकान संख्या 113, डूंडाहेडा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201009, एक आवासीय प्लाट संख्या आर - 4, क्षेत्रफल 90 वर्ग गज, खसरा संख्या 116, स्थित शिव आदर्श कॉलोनी, ग्राम , ग्राम डूंडाहेडा, परगना लोनी, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1426-1431 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती सलविंदर कौर पत्नी जसपाल सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Ashish Aggarwal** S/o Sh. Umesh Aggarwal is the owner of Built-Up Third Floor With Its Roof/Terrace Rights, Having Its Area Measuring 99.95 Sq.Mtrs., (Approx), Of Built-Up Property Built-On Plot No.44 And 45, Part Of Khasra No.1068/511, Situated At Bholanath Nagar, Main Road, In The Area Of Village Chandrawali Alias Shahdara, Illaqa Shahdara, Delhi-110032, vide Relinquishment Deed dated 04.06.2026, Vide Doc no. 2026/18/I/5295, Book no. 1, Volume no. 6603, Pages no. 1-14, dated 08.06.2026, SRO- IV-B (Vivek Vihar)and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Limited.** That the SMC of Late Mrs. Mohini Aggarwal is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
It is for general information that I, MAZHAR MOHAMMED S/o NOOR MOHAMMAD, R/o H NO-1719, FIRST FLOOR, GALI TEHSILDAR, KUCHA CHALAN, PATAUDI HOUSE, DARYA GANJ, DELHI-110002, declare that name of mine has been wrongly written as MAZHAR MOHAMMAD in my class 10th and 12th educational documents and MOHD MAZHAR in my Driving Licence No. DL0720130175975 and name of mine has been wrongly written as MOHAMMAD MAZHAR in my minor daughter ASHNA age 14 years in her School Record. The actual name of mine is MAZHAR MOHAMMED, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public at large that our client, Mrs. Omvati W/o Mr. Yogender Singh, is the absolute owner and in possession of Freehold Residential Plot No. 166, area measuring 675 Sq. Ft., out of Khasra No. 1162, Situated at Pink City, Kasba Dadri, Pargana and Tehsil Dadri, District Gautam Buddha Nagar U.P., by virtue of Sale Deed dated 08.06.2011, duly registered as Document No. 9225, in Book No. 1, Volume No. 3498, on pages 229 to 250, dated 08-06-2011, SR-Dadri.. That in the chain of title documents, the Original Sale Deed dated 22.07.2009 executed by Mr. Inderjeet Singh Banwait in favour of Mr. Rajendra Singh in respect of Residential Vacant Plot No. 166, area measuring 75 Sq. Yds., i.e. 62.7 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 1162, duly Regd. as Doc. No. 8611, in Book No. 1, Vol. No. 2211 on pages No. 47 to 60 on dated 22.07.2009, SR-Dadri., is not available/missing. Our client hereby declares that except our client, no other person has any right, title, interest, claim, lien, dispute, charge, mortgage, objection or encumbrance whatsoever over the aforesaid property. Further, the said property has been agreed to be sold/transferred in favour of Mrs. Sarala and the same is proposed to be financed by Home First Finance Company India Ltd., Branch: Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मिलेगी नई उड़ान : नायब सैनी

भिवानी में चौ. बंसी लाल सिविल एरोड्रम पर 31 करोड़ से बनी विमानन सुविधाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी स्थित चौ. बंसी लाल सिविल एरोड्रम पर लगभग 31 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक हैंगर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) भवन, सुरक्षा चौकी तथा कैंटीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद धर्मबीर सिंह, भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरों, खिलाड़ियों और संतों की धरती और 'छोटी काशी' के नाम से प्रसिद्ध भिवानी आज विकास के एक नए अध्याय की साक्षी बनी है। उन्होंने

कहा कि यह परियोजना केवल भवनों का उद्घाटन नहीं, बल्कि हरियाणा में आधुनिक विमानन अवसंरचना के विस्तार और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति की है। 'उड़ान' योजना ने छोटे शहरों को हवाई सेवाओं से जोड़कर आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाया है। हरियाणा सरकार भी इसी सोच के अनुरूप प्रदेश में हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य हरियाणा को उत्तर भारत के प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में विकसित करना है। इसी कड़ी में हिसार एयरपोर्ट का तेजी से विकास किया जा रहा है और वहां से दिल्ली, अयोध्या, चंडीगढ़ व जयपुर के लिए उड़ान सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं। जल्द ही हिसार से जम्मू और अहमदाबाद के लिए भी उड़ानें आरंभ की जाएंगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी तथा व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भिवानी में चौ.बंसी लाल सिविल एरोड्रम पर विकसित की गई नई सुविधाएं विमानों के सुरक्षित संचालन, प्रशिक्षण गतिविधियों तथा विमानन सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

प्रदेश सरकार की जनहितैषी नीतियों से गांवों में लिखी जा रही विकास की नई इबारत : रणधीर पनिहार

एजेंसी
हिसार। नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने कहा है कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिल रही है। कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना के साथ कार्य कर रही है, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंच सके। विधायक रणधीर पनिहार गांव चिड़ौद में अंबेडकर भवन की चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास व एचआरडीएफ स्कीम के अंतर्गत निर्मित गौ शेड का उद्घाटन करने उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खेतों तक सिंचाई सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए खाल निर्माण हेतु 8 लाख रुपये, बीसी चौपाल के निर्माण के लिए पांच लाख रुपये, अलग-अलग रास्तों के निर्माण के लिए 18 लाख रुपये, राजपूत धर्मशाला के के लिए पांच लाख रुपये, गौ शेड निर्माण कार्यों के लिए आठ लाख रुपये, वाटर कुलर स्थापित करने के लिए एक लाख रुपये तथा अंबेडकर भवन की चारदीवारी निर्माण कार्य के लिए सात लाख की राशि प्रदान करने की घोषणा की। विधायक ने कहा कि अंबेडकर भवन की चारदीवारी निर्माण से सामाजिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को बेहतर वातावरण मिलेगा तथा ग्रामीणों को एक सुरक्षित एवं व्यवस्थित परिसर उपलब्ध होगा। इसी तरह एचआरडीएफ योजना के अंतर्गत निर्मित गौशेड क्षेत्र में गौसंरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ पशुपालकों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। इस अवसर पर गांव चिड़ौद सरपंच बाला देवी, भेरियां सरपंच सरजीत, कालवास सरपंच मनोहर लाल, चरण सिंह, बादशाह, शमशेर मुकलान, कुलदीप गौरछी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पानी की मांग पर बैठे अनशनकारियों की बिगड़ी तबीयत

एजेंसी
हांसी। बरवाला रोड़ स्थित गांव चानौत में पेयजल समस्या के समाधान की मांग पर चल रहे धरने पर आठ दिनों से आमरण अनशन पर बैठे पांचों अनशनकारियों की तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही है। इसके बावजूद उन्होंने अपना संघर्ष जारी रखने का फैसला किया है। धरना स्थल पर ग्रामीणों और विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक संगठनों का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किए गए स्वास्थ्य परीक्षण में टेकराम का शुगर लेवल 36 तथा बीपी 114/73 मिला। ग्रामीणों का धरना 33वें दिन भी जारी रहा। पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बृजेन्द्र सिंह धरनास्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि चानौत गांव को शहर की पाइपलाइन से पेयजल उपलब्ध करवाना कोई बड़ी समस्या नहीं है। सरकार चाहे तो इस मुद्दे का समाधान तुरंत किया जा सकता है, लेकिन सरकार जानबूझकर अनावश्यक देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार विकास और जनसमस्याओं के समाधान की बजाय लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की जायज मांगों को लंबे समय तक अनदेखा करना उचित नहीं है और सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान करना चाहिए। धरनास्थल पर बहुजन समाज पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर भी पहुंचे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

रेवाड़ी में टैक्सी व कॉमर्शियल वाहनों में जीपीएस लगाना अनिवार्य

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने अपराधों की रोकथाम और यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए टैक्सी एवं कॉमर्शियल वाहन चालकों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब सभी टैक्सी और व्यावसायिक वाहन चालकों को अपनी गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही किसी भी बुकिंग से पहले यात्री का पूरा बायोडाटा और पहचान संबंधी दस्तावेज लेना जरूरी होगा। यह निर्देश डीएसपी क्राइम सुरेंद्र श्योराण ने कसौला थाना परिसर में आयोजित टैक्सी चालकों और ट्रांसपोर्टरों की बैठक के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि वाहन बुकिंग के समय यात्री का मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस अथवा अन्य पहचान पत्र का रिकॉर्ड रखना सुनिश्चित किया जाए। इससे किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। श्योराण ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत होता है तो उसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी जाए। बिना पहचान सत्यापित किए किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ यात्रा या माल ढुलाई की बुकिंग नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जारी निर्देशों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में लगेगी शिक्षकों की नई तबादला नीति पर मोहर

चंडीगढ़। हरियाणा में कई संशोधनों के बाद अध्यापकों के लिए ट्रांसफर पॉलिसी तैयार हो गई है। विभाग ने नई पॉलिसी में पुरानी शर्तों को खत्म कर दिया है। आगामी 22 जून को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में इस पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की जा सकती है। नई पॉलिसी में 120 अंकों की रैंकिंग के आधार पर ट्रांसफर होगा। शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई नई ट्रांसफर पॉलिसी में तीन श्रेणियां बनाई गई हैं, जिसमें उम्र, अनुभव और विशेष श्रेणी है, जिसके आधार पर शिक्षकों का तबादला होगा। अनुभव और उम्र के 30-30 अंक मिलेंगी, जबकि विशेष श्रेणी के 60 अंक निर्धारित किए गए हैं। नई नीति में पहली बार अनुभव को तबादला प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। आयु के लिए शिक्षक की पात्रता तिथि तक की पूरी आयु की गणना की जाएगी। विशेष श्रेणी के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों को 10-10 अंक देने का प्रावधान किया गया है। इनमें महिला शिक्षक, तलाकशुदा, न्यायिक रूप से अलग रह रही, विधवा अथवा सिंगल पैरेंट शिक्षिकाएं, कपल्स केस, सैन्य एवं अर्द्धसैनिक बलों के कर्मियों के जीवनसाथी, गंभीर बीमारी से प्रभावित शिक्षक या उनके आश्रित, दिव्यांग शिक्षक तथा दिव्यांग बच्चों वाले शिक्षक शामिल हैं।

महाराणा प्रताप की विचारधारा राष्ट्र निर्माण का जज्बा हैः राजीव जैन

सोनीपत। सोनीपत मेयर राजीव जैन ने कहा कि महाराणा प्रताप देशवासियों के प्रेरणा स्रोत हैं। उनका जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का एक जज्बा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है उनके गुणों को आत्मसात करना है। साथ ही भामाशाह की तरह जरूरतमंद लोगों की सेवा का संकल्प भी लेना चाहिए। महाराणा प्रताप की 486 वीं जयंती के अवसर पर आश्रम चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के सम्मान में नारे लगाए और उनके योगदान को याद किया। राजीव जैन ने कहा कि महाराणा प्रताप ने जीवन भर राष्ट्र की एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। वे केवल एक वीर योद्धा नहीं, बल्कि एक ऐसी विचारधारा हैं जो आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है।

पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण जरूरी : रणबीर गंगवा

एजेंसी
हिसार। राज्य के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा केंद्र एवं हरियाणा सरकार किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पशुधन बीमा, डेयरी विकास, नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य सेवाओं और स्वरोजगार आधारित योजनाओं का लाभ उठाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बना सकते हैं। मंत्री रणबीर गंगवा केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान के तहत लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) की ओर से एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किसान यात्रा एवं पशुधन संवर्धन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री गंगवा ने वैज्ञानिक पशु प्रबंधन, संतुलित पशु आहार, आधुनिक तकनीकों तथा उन्नत नस्लों को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए विज्ञान आधारित दृष्टिकोण अपनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पशुपालन एवं पशु विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से किसानों एवं पशुपालकों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। एचएयू के कुलपति डॉ. बीआर कम्बोज ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दो महत्वपूर्ण आधारशिलाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने किसानों को प्रदान किए पुष्प रत्न एवं पुष्प सम्मान पुरस्कार

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में झज्जर जिले के गांव मुनीमपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फ्लोरीकल्चर (पुष्प उत्पादन) क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। विशेष रूप से पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में किसानों ने अपनी मेहनत, नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि फ्लोरीकल्चर किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को भी बढ़ावा दे रहा है। मुख्यमंत्री ने सम्मानित किसानों को शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने किसानों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने और बागवानी एवं पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने का आह्वान

किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्प रत्न अवार्ड से जिला फरीदाबाद के गांव फतेहपुर बिलोच निवासी ललित सैनी, जिला पंचकूला के गांव भारली निवासी छोटेलाल तथा गांव नंदपुर निवासी राहुल सिंह, जिला रोहतक के गांव मडोदी जाटयान निवासी राजकुमार, जिला रेवाड़ी के गांव ढाणी राधा निवासी सुरेंद्र कुमार, गांव खालेटा निवासी संदीप कुमार, गांव खोल निवासी सत्यनारायण तथा गांव ढवाना निवासी ज्ञानी राम, तथा जिला नारनौल के गांव डिगरोटा निवासी राजेश देवी को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने जिला गुरुग्राम के गांव हमीरपुर निवासी केशव चौहान तथा जिला पलवल के गांव पाथली कलां निवासी रणवीर सिंह को भी पुष्प रत्न अवार्ड प्रदान किया। वहीं जिला झज्जर के गांव सौंधी निवासी खजान सिंह को फ्लोरीकल्चर क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए पुष्प सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सम्मानित किसानों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आधुनिक बागवानी तकनीकों, अनुसंधान और प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार से किसानों को अधिक लाभ मिलेगा तथा हरियाणा फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने झज्जर में 75 करोड़ की नौ विकास परियोजनाएं आमजन को सौंपी

अभिनव इंडिया/वेद वशिष्ठ
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश में कृषि के साथ-साथ बागवानी क्षेत्र को भी विकास का मजबूत आधार बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने झज्जर के रईया में 13.27 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक बागवानी अनुसंधान केंद्र तथा मुनीमपुर बादली में 8.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 53.60 करोड़ रुपये की लागत से तैयार सात अन्य विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन कर उन्हें आमजन को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांव भिंडावास में आदर्श खेल स्टेडियम स्थापित किया जाएगा। वहीं माछरौली में बीडीपीओ कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 5.87 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि झज्जर के रईया

में लगभग 100 एकड़ भूमि पर 13 करोड़ 27 लाख रुपये की लागत से स्थापित यह अत्याधुनिक बागवानी अनुसंधान केंद्र हरियाणा के कृषि एवं बागवानी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र केवल एक अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि किसानों, वैज्ञानिकों और नई तकनीकों के बीच सेतु का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फलों और सब्जियों की खेती में उत्पादन के बाद होने वाले नुकसान को कम करने तथा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए राज्य सरकार ने 2 हजार 738 करोड़ रुपये की लागत से 'सतत बागवानी संवर्धन परियोजना' शुरू की है। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत प्रदेश में 400 बागवानी क्लस्टरों का विकास किया जाएगा तथा 500 उत्पादक समूहों को संगठित और सशक्त बनाया जाएगा। किसानों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजारों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत 1,000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण और 65 हजार एकड़ क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही संरक्षित खेती, एरोपोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ग्रीनहाउस और वर्टिकल फार्मिंग जैसी स्मार्ट बागवानी तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार भंडारण, मूल्य स्थिरता और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई कोल्ड चेन नीति लागू करने की दिशा में भी कार्य कर रही है।

हरियाणा सरकार ने खोला श्रमिक पोर्टल, ले सकेंगे सरकारी योजनाओं का लाभ

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पिछले करीब एक साल से बंद पड़े श्रमिक पोर्टल को बीती रात खोल दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा मजदूर संगठनों के बीच हाल ही में हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है।श्रम विभाग में सामने आए करीब 1,500 करोड़ रुपए के कथित स्लिप घोटाले के बाद की गई है। आरोप था कि फर्जी लाभार्थियों के नाम पर बड़ी राशि निकाली गई थी। इसी के बाद विभाग ने व्यापक जांच शुरू की और पोर्टल को बंद कर दिया गया था। जांच लंबी चलने के कारण वास्तविक श्रमिकों को भी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया था। श्रमिक संगठनों ने कई बार सरकार और श्रम मंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाया था। हरियाणा सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए कुल 33 योजनाएं चलाई गई हैं। पोर्टल बंद होने के कारण इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। पोर्टल बंद रहने का सबसे अधिक असर श्रमिक परिवारों के बच्चों पर पड़ा। उन्हें छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षणिक योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका। इसके अलावा, कई पात्र मजदूर भी विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह गए।

सूत्रों के अनुसार, वर्षभर चली जांच में बड़ी संख्या में अपात्र एवं फर्जी रजिस्ट्रेशन सामने आए हैं। जांच के बाद केवल पात्र श्रमिकों को ही मान्य माना गया है और उन्हें विभाग की ओर से मैसेज भेजे गए हैं। प्रदेशभर में लाखों श्रमिकों के भवन निर्माण श्रमिक पंजीकरण निरस्त किए गए हैं। अब केवल पात्र श्रमिक ही योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

जनवादी महिला समिति व सीटू का प्रतिनिधिमंडल स्वास्थ्य मंत्री से मिला

एजेंसी
गुरुग्राम। कुरुक्षेत्र के लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए यौन उत्पीडऩ के जघन्य मामले को लेकर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति और सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा और मामले में सख्त एवं व्यापक कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान, राज्य अध्यक्ष सविता, महासचिव उषा सरोहा, सीटू की कामकाजी महिला समन्वय समिति की नेता और कुरुक्षेत्र जिला संयोजक रानी देवी, सीटू की नेता रमा देवी शामिल रही। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कुरुक्षेत्र की घटना न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि इसने अस्पतालों में महिला मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महिलाएं जिन अस्पतालों में इलाज के लिए जाती हैं, वहां भी अगर सुरक्षित नहीं हैं तो राज्य में महिला सुरक्षा की गंभीर स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इसकी

समुचित और समयबद्ध जांच हो कि जिस डॉक्टर पर पहले भी यौन हिंसा और बलात्कार के गंभीर आरोप लग चुके थे, उसे सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्ति कैसे दी गई। संगठनों ने मांग की कि आरोपी डॉक्टर को दोबारा नियुक्त करने के मामले में दोषी अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में प्रतिदिन करवाई जाए, ताकि पीड़िता को शीघ्र न्याय मिल सके। आरोपी को पोक्सो एक्ट सहित सभी संबंधित धाराओं के तहत कठोरतम सजा दी जाए। प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा महिला आयोग की निवर्तमान अध्यक्ष रेनू भाटिया द्वारा नर्सिंग स्टाफ और कामकाजी महिलाओं के प्रति दिए गए कथित अपमानजनक बयान की भी कड़ी निंदा करते हुए मांग की कि रेनू भाटिया के खिलाफ महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप में कानूनी कार्रवाई की जाए। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, समयबद्ध जांच करके डॉक्टर को पुनः नियुक्ति देने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी और सरकार पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने 16 किलो देसी घी किया सीज

एजेंसी
जींद। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने जुलाना में आठ खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। इसके अलावा मालवी रोड पर एक किरयाणा की दुकान में 16 लीटर देशी घी खराब अवस्था में मिला। उस घी का सैंपल लेकर 16 किलोग्राम घी को सीज कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम जुलाना के मालवी रोड पर पहुंची। यहां पर एक मिठाई की दुकान से पनीर व देशी घी का सैंपल ले जांच के लिए लैबोरेटरी भेजा गया। इसके बाद टीम मालवी रोड पर ही एक किरयाणा

की दुकान पर पहुंची। यहां जांच करने पर दुकान में रखा देशी घी खराब हालत में मिला। जोकि डिब्बों में बंद था। जब इसका माप तोल किया गया तो यह 16 लीटर मिला। इस घी का सैंपल लेकर इसे सीज कर दिया गया। टीम ने जुलाना में चल रही एक डेयरी से घी से व मिक्सड दूध के भी सैंपल लिए हैं। वहीं जुलाना में ही एक डेयरी से पनीर व भैंस के दूध का सैंपल लिया गया। जुलाना अनाजमंडी के पास एक किराना की दुकान से सरसों के तेल का सैंपल लिया गया। विभाग की टीम ने कुल आठ सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी डा. योगेश कादियान ने बताया कि टीम ने जुलाना क्षेत्र में किरयाणा की दुकान व डेयरी से विभिन्न खाद्य पदार्थों के आठ सैंपल लिए हैं। वहीं 16 लीटर देशी घी को सीज किया है।

हरियाणा सरकार ने न्यू पेंशन स्कीम में कर्मचारियों को दिए विकल्प

- **कर्मचारी अपनी मर्जी से लेंगे मार्केट का जोखिम**
- **कर्मचारियों के पास एनपीएस व यूपीएस का पहले से है**

एजेंसी
चंडीगढ। हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों को नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) और यूपीएस के बीच एकऔर बदलाव किया है। सरकार ने एनपीएस के टियर-1 यानी मुख्य पेंशन खाते में दो नए निवेश विकल्प जोड़ दिए हैं। इससे कर्मचारी अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के हिसाब से तय कर सकेंगे कि उनकी पेंशन के लिए जमा हो रही राशि का कितना हिस्सा बाजार आधारित निवेश में लगाया जाए।

हरियाणा के कर्मचारी संगठनों की लंबे समय से मांग रही है कि उन्हें ओपीएस के दायरे में वापस लाया जाए, जिसमें रिटायरमेंट के बाद तय पेंशन की व्यवस्था रहती है। दूसरी तरफ एनपीएस निवेश आधारित व्यवस्था है। इसमें कर्मचारी और सरकार दोनों योगदान करते हैं। रिटायरमेंट लाभ निवेश के प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है। केंद्र सरकार यूपीएस लेकर आई। इसके बाद राज्य सरकार ने कर्मचारियों को एनपीएस में बने रहने या यूपीएस चुनने का विकल्प उपलब्ध कराया। अब जो नया फैसला आया है, वह उन कर्मचारियों के लिए अहम माना जा रहा है जो एनपीएस में बने रहने का विकल्प चुनते हैं। सरकार ने बदलाव एनपीएस के टियर-1 खाते में किया है। यही मुख्य पेंशन खाता होता है, जिसमें हर महीने कर्मचारी और सरकार का नियमित योगदान जमा होता है। रिटायरमेंट के समय पेंशन और फंड इसी खाते से जुड़ते हैं। नई व्यवस्था में सरकार ने दो अतिरिक्त ऑटो-चॉइस निवेश मॉडल जोड़े हैं। यानी अब निवेश का तरीका पहले से ज्यादा लचीला होगा। पहला नया विकल्प लाइफ साइकिल 75-हाई है। इसमें कर्मचारी के योगदान का 75 प्रतिशत तक हिस्सा इक्विटी में लगाया जा सकेगा। यह व्यवस्था 35 साल की उम्र तक लागू रहेगी। इसके बाद इक्विटी निवेश धीरे-धीरे कम होता जाएगा और 55 साल की उम्र तक घटकर 15 प्रतिशत रह जाएगा। सरल शब्दों में समझें तो नौकरी की शुरुआत में सिस्टम ज्यादा वृद्धि की संभावना वाले निवेश को मौका देगा, लेकिन रिटायरमेंट करीब आने पर जोखिम अपने आप कम होता जाएगा। दूसरा विकल्प लाइफ साइकिल एग्रेसिव है। इसमें 45 वर्ष की उम्र तक निवेश का 50 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी में रखा जा सकेगा। इसके बाद यह अनुपात धीरे-धीरे कम होकर 55 वर्ष की उम्र तक 35 प्रतिशत रह जाएगा। यह विकल्प उन कर्मचारियों को ध्यान में रखकर माना जा रहा है जो पूरी तरह आक्रामक निवेश नहीं चाहते, लेकिन सामान्य निवेश मॉडल से बेहतर रिटर्न की संभावना बनाए रखना चाहते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नया मॉडल अपने आप लागू नहीं होगा। जो कर्मचारी डिफॉल्ट निवेश व्यवस्था से अलग विकल्प लेना चाहेंगे, उन्हें खुद निवेश मॉडल चुनना होगा और पंजीकृत पेंशन फंड का चयन भी करना होगा।

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी से आहत युवती ने जोहड़ में कूदकर दी जान

एजेंसी
पलवल। जिले के मुंडकटी थाना क्षेत्र के एक गांव में अश्लील फोटो वायरल करने की कथित धमकी से परेशान होकर 20 वर्षीय युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर गांव के ही एक युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मृतका के भाई ने आरोप लगाया कि गांव निवासी यश उसकी 20 वर्षीय बहन को अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। आरोप है कि आरोपी द्वारा युवती पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था, जिससे वह काफी परेशान रहने लगी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उसे इस बारे में जानकारी मिली तो वह 14 जून को आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचा। वहां आरोपी ने कथित रूप से उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। परिजनों के मुताबिक घटना के बाद युवती काफी तनाव में थी। 15 जून को वह घर से बिना बताए निकल गई। बाद में गांव के कुछ लोगों ने उसे गांव के जोहड़ की ओर जाते हुए देखा। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस और गांव के सरपंच को सूचना दी। सूचना मिलते ही मुंडकटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जोहड़ में तलाशी अभियान शुरू किया । पुलिस ने एनडीआरएफ के गोताखोरों की सहायता से जोहड़ में सर्च ऑपरेशन चलाया। मंगलवार को युवती का शव जोहड़ से बरामद कर लिया गया। मुंडकटी थाना प्रभारी अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

पीएफ खाता खोलना हुआ आसान, ईपीएफओ ने शुरू की चेहरा पहचान तकनीक

तकनीकी अड़चनें खत्म, बुजुर्ग कर्मचारियों को भी सुविधा

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी घोषणा की है। अब पीएफ खाते से जुड़े यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिवेट करने के लिए न तो आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी का इंतजार करना होगा और न ही बायोमेट्रिक मशीन पर उंगलियों के निशान देने होंगे। ईपीएफओ ने यूएमएएनजी ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा पहचानने वाली हाई-टेक तकनीक) की नई सुविधा शुरू की है, जिससे यह प्रक्रिया अब काफी आसान और तेज हो जाएगी। अब तक यूएएन एक्टिवेट करने में आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी न आने या पुराना नंबर बंद होने जैसी तकनीकी दिक्कतें आती थीं, जिससे कर्मचारियों का काम हफ्तों अटका रहता था। साथ ही, उम्र बढ़ने या कठिन शारीरिक श्रम के कारण जिन बुजुर्ग या कामकाजी कर्मचारियों के उंगलियों के निशान मशीन पर मैच नहीं हो पाते थे, उनके लिए भी अब केवल चेहरा स्कैन करना ही काफी होगा। यह नई सुविधा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की लाइव फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक के साथ जोड़ी गई है। इसका लाभ लेने के लिए फोन में आधार फेसआरडी ऐप डाउनलोड होना जरूरी है। यह ऐप केवल लाइव चेहरे को पहचानता है, जिससे पुरानी फोटो या वीडियो के जरिए किसी भी तरह की धोखाधड़ी की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाती है। यह आधुनिक सुरक्षा प्रणाली पीएफ फंड को बेहद सुरक्षित और फुलप्रूफ बनाती है।

नवी मुंबई से हर माह 10 लाख यात्री भरेंगे उड़ान

अदाणी समूह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की भी कर रहा तैयारी

मुंबई ।

अदाणी समूह द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) ने आगामी नवंबर तक हर महीने 10 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही का लक्ष्य रखा है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है, तो यह देश का आठवां हवाई अड्डा बन जाएगा जो मासिक आधार पर इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को संभालेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ बातचीत के बाद, समूह ने विमानों की दैनिक आवाजाही 150 से बढ़ाकर 250 करने की योजना बनाई है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। एनएमआईए ने दिसंबर 2025 के अंत में वाणिज्यिक उड़ानें शुरू की थीं और तब से यात्रियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में 2.21 लाख यात्रियों से बढ़कर मई में यह आंकड़ा 6.42 लाख तक पहुंच गया है। परिचालन शुरू होने के बाद शुरुआती पांच महीनों में ही हवाई अड्डे ने 17.7 लाख से अधिक घरेलू यात्रियों की आवाजाही संभाली है और मार्च में ही यह शीर्ष 10 घरेलू हवाई अड्डों में जगह बना चुका है। सूत्रों के अनुसार सीमा शुल्क और आव्रजन विभागों से मंजूरी मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शीघ्र शुरू होंगी, जिसकी उम्मीद जून के अंत तक है। एनएमआईए ने वित्त वर्ष 2028 तक 2 करोड़ यात्रियों का आंकड़ा छूने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसके हासिल होने पर यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हवाई अड्डा बन सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए 1.1 करोड़ यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े हवाई अड्डों की तुलना में एनएमआईए को अभी लंबा सफर तय करना है। एनएमआईए हब-ऐंड-स्पोक मॉडल की योजना बना रहा है, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन सकेगा, जहां से यात्री देश के अन्य शहरों के लिए आसानी से जा सकेंगे।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे गिरकर 94.66 पर खुला

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी गुरुवार को 13 पैसे कमजोर होकर 94.66 पर खुला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से रुपये को कुछ राहत मिली है, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से डॉलर मजबूत बना हुआ है। बुधवार को भारतीय रुपया मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.56 रुपए पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के सकारात्मक संकेतों ने घरेलू मुद्रा को सहारा दिया, जिससे रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे। वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया, क्योंकि अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर शुरुआती उत्साह यूएस फेड के सख्त बयानों से कुछ कम हो गया है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

शेयर बाजार में 26 अरब डॉलर के लॉक-इन खुलने की तैयारी

71 कंपनियों के प्री-आईपीओ व शुरुआती निवेशकों के शेयर होंगे लॉक-इन से मुक्त

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में अगले कुछ महीने निवेशकों के लिए काफी अहम रहने वाले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 जून से सितंबर 2026 के बीच 71 कंपनियों के लगभग 26 अरब डॉलर मूल्य के शेयर लॉक-इन अवधि से बाहर आ जाएंगे। इससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ सकती है, जिससे कुछ स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी शेयर तुरंत बिक्री के लिए आ जाएंगे, क्योंकि इसमें प्रमोटरों और समूह कंपनियों की बड़ी हिस्सेदारी होती है, जो अमूमन तुरंत बिक्री नहीं करते। फिर भी, लॉक-इन खत्म होने की तारीखें निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट बताती है कि 19 जून को आईसीआईसीआई प्रू एएमसी के 34.4 करोड़ शेयर (कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 70 फीसदी) लॉक-इन से मुक्त होंगे, जिस पर बाजार की पैनी नजर रहेगी।

घरेलू एयरलाइंस के मुनाफे में 10-15 फीसदी गिरावट का अनुमान

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। एक रेटिंग एजेंसी के अनुमान के मुताबिक इस वित्त वर्ष में घरेलू एयरलाइंस के परिचालन मुनाफे में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इसकी मुख्य वजह हवाई ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियां और पश्चिम एशिया में जारी टकराव के चलते रुपये की कमजोरी है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में लगभग 19,000 करोड़ रुपये रहा यह मुनाफा चालू वित्त वर्ष में घटकर 16,000-17,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। एजेंसी ने बताया कि किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में जेट ईंधन का हिस्सा सामान्यतः 40 प्रतिशत होता है, लेकिन कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह स्थिति एयरलाइंस के कामकाज, मार्ग योजना और किराये की स्थिरता को सीधे प्रभावित करती है। हालांकि, अगर पश्चिम एशिया में चल रहे टकराव का समाधान निकलता है और जेट ईंधन की कीमतें घटती हैं, तो एयरलाइंस को ईंधन लागत में और बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा।

श्रम संहिताओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्रणाली राज्यों से पोर्टल जोड़ने का आग्रह

देश में श्रम प्रशासन के लिए एक सुसंगत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने राज्यों से अपने-अपने श्रम पोर्टलों को केंद्र के श्रम सुविधा और समाधान पोर्टलों के साथ जोड़ने का आग्रह किया है। यह कदम देश में चार श्रम संहिताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और श्रम प्रशासन के लिए एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस पहल का उद्देश्य अनुपालन, पंजीकरण, निरीक्षण, शिकायत निवारण और विवाद समाधान पर केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। जिन राज्यों के पास पहले से अपने श्रम पोर्टल हैं, उन्हें अपने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को केंद्रीय प्लेटफार्मों से जोड़ने को कहा गया है। वहीं, जिन राज्यों के पास समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, उन्हें केंद्र द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और एकीकरण में तकनीकी सहायता की पेशकश की गई है। मौजूदा स्थिति में, श्रम सुविधा पोर्टल पर राज्यों द्वारा एकीकृत सेवाओं में काफी भिन्नता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक ने 15 स्वीकृतियों को जोड़ा है, वहीं गुजरात और केरल में केवल दो-दो, जबकि कुछ राज्यों में कोई एकीकरण नहीं हुआ है।

श्रम सुविधा पोर्टल कानून अनुपालन के लिए और समाधान पोर्टल विवादों के निवारण के लिए है।

ये दोनों पोर्टल श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन में अहम होंगे। अधिकांश राज्यों ने मसौदा नियम तैयार किए हैं, लेकिन कई ने अभी तक अंतिम नियम अधिसूचित नहीं किए हैं।

अवतार इंडस्ट्रीज एसएमई से मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी में

-कंपनी ने यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन के बाद लिया

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की उभरती हुई कंपनी अवतार इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिसे पहले एएसएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, उसने अपने कॉरपोरेट डेवलपमेंट की दिशा में कई बड़े फैसलों का एलान किया है। कंपनी की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक कंपनी अब नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म से निकलकर मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी कर रही है, जो इसके कॉरपोरेट डेवलपमेंट में बड़ा कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अवतार इंडस्ट्रीज की आधिकारिक शुरुआत 1992 में हुई थी, मगर इसने कारोबार 1983 में ही शुरू कर दिया था। आज ये कंपनी ऑटोमोबाइल पार्ट्स, रेलवे या ट्रामवे के पार्ट्स और जॉबवर्क समेत अन्य संबंधित सेवाओं का निर्माण और ट्रेड करती है। कंपनी आयरन और स्टील, शीट मेटल पार्ट्स, फोर्ज्ड पार्ट्स और असेंबली का कारोबार करती है और टीएमएल की अधिकृत सेल्स और सर्विस डीलर है। यह रेलवे, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए शीट मेटल प्रेसिंग और डीप ड्राइंग, मशीन्ड असेंबली, फैब्रिकेटेड ऑटो पार्ट्स और फोर्ज्ड प्रोडक्ट्स की ओईएम है।

इस समय अवतार इंडस्ट्रीज के क्लाइंट्स में टीआरएफ, यॉर्क ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट, टाटा स्टील और इंडियन रेलवे के अलावा जेओएसटी और डीजीओएस शामिल हैं। 17 जून को हुई बोर्ड बैठक में कंपनी ने शासन और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बोर्ड ने रिचा राठौड़ को कंपनी का नया एमडी नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया। कंपनी का यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में इसके शानदार प्रदर्शन के बाद आया है। अवतार इंडस्ट्रीज ने इस अवधि में 10,287.38 लाख रुपए का रेवेन्यू और 137.32 लाख का प्रॉफिट दर्ज किया है। कंपनी का ध्यान अब तेजी से बढ़ते एआई,

सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन और एडवांस्ड एनालिटिक्स के अवसरों पर है। इसका शेयर आज 150.30 रुपए पर है और इसकी मार्केट कैपिटल 157 करोड़ रुपए है। इन रणनीतिक फैसलों पर सदस्यों की अनुमति लेने के लिए बोर्ड ने पोस्टल बैलेट नोटिस को मंजूरी दी है।

वित्तीय धोखाधड़ी रोकने में सीएफओ की महत्वपूर्ण भूमिका एनएफआरए

राजेश एक्सपोर्ट्स समेत कई मामलों में सीएफओ की लापरवाही से छिपी रही वित्तीय अनियमितताएं

नई दिल्ली ।

नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) के एक प्रमुख अे धिकारी ने कंपनियों की वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) को सीधा जिम्मेदार ठहराया है। एसोचैम के एक कार्यक्रम में उन्होंने राजेश एक्सपोर्ट्स जैसे ऐतिहासिक वित्तीय घोटालों का जिक्र करते हुए सीएफओ की जवाबदेही पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों में कॉरपोरेट फर्जीवाड़ा हुआ, राजेश एक्सपोर्ट्स भी उनमें से एक है, उनकी बैलेंसशीट बाहर से साफ-सुथरी दिखती थी। लेकिन बाद में कमियां सामने आईं क्योंकि सीएफओ ने खातों को पारदर्शी तरीके से पेश नहीं किया। उन्होंने रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग) को एक बड़ी समस्या बताया, जहां कई जानकारियों का खुलासा नहीं होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीएफओ में वित्तीय जानकारी को पारदर्शिता के साथ पेश करने का साहस और क्षमता होनी चाहिए। हाल ही में सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स पर वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच अपनी कुल आय को लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है, जिसमें लगभग 99 फीसदी आय विदेशी सहायक कंपनियों से दर्शाई गई थी।

वैश्विक गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा ईंधन केंद्रीय मंत्री

पश्चिमी एशिया संकट से केंद्र को 12,000 करोड़ का हुआ नुकसान

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारत में ईंधन की दरें तत्काल कम नहीं की जा सकतीं। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री ने इस स्थिति के लिए कई जटिल कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें सस्ते तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। मंत्री गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वैश्विक कच्चे तेल की दरें घटने पर भी ईंधन की कीमतों में तुरंत कमी करना संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण सस्ते कच्चे तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचने में लगने वाला समय है, जिससे जहाजों की आवाजाही बढ़ती है और स्थिति सामान्य होने में देरी होती है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि से लगभग 3.94 रुपये प्रति लीटर का ही प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसे तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस साल फरवरी से पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल कंपनियों पर गहरा असर डाला है, जिसका

अधिकांश बोझ केंद्र सरकार ने उठाया है। इस प्रभाव को झेलने के चक्कर में केंद्र सरकार को 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य ने ईंधन की बढ़ी कीमतों पर उत्पाद शुल्क घटाकर अपने राजस्व का त्याग नहीं किया, जबकि केंद्र सरकार को अपना कामकाज चलाना है और तेल कंपनियों को भी अपना अस्तित्व बनाए रखना अनिवार्य है।

सोने पर सीमा शुल्क बढ़ाना सफल आयात में 70 फीसदी की भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

देश में सोने के आयात में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा सोने पर सीमा शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के बाद सोने का मासिक आयात करीब 70 प्रतिशत घटकर महज 25-30 टन रह गया है। यह जानकारी गुरुवार को एक अधिकारी ने दी, जो सरकार के गैर-जरूरी आयात पर अंकुश लगाने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के प्रयासों की सफलता को दर्शाती है। केंद्र सरकार ने देश की विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए सोना और चांदी दोनों पर आयात शुल्क को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था। इस फैसले का सीधा असर सोने के आयात की मात्रा पर दिखा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मासिक सोने का आयात करीब 70 प्रतिशत कम होकर 25-30 टन पर आ गया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की ऊंची कीमतों के कारण मई में मूल्य के लिहाज से आयात सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 3.41 अरब डॉलर हो गया। भारत जो चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता है, में आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग से प्रेरित रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनावश्यक विदेशी मुद्रा खर्च कम करने के लिए सोने की खरीद पर नियंत्रण और सादगी अपनाने की अपील की है।

एनएसई का 30,000 करोड़ का मेगा आईपीओ जल्द

सेबी के पास डीआरएचपी फाइल, हुंडई का रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल कर दिया है। अनुमानित 30,000 करोड़ रुपये का यह मेगा इश्यू पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा, और यह अक्टूबर 2024 में आए हुंडै मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। डीआरएचपी के अनुसार इस आईपीओ में कुल 14.89 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी, जिसके जरिए मौजूदा शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब 6 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में भारतीय स्टेट बैंक 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयर, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड 1.19 करोड़ शेयर, अरांडा इन्वेस्टमेंट्स 1.12

करोड़ शेयर, बैंक ऑफ बड़ौदा 1.10 करोड़ शेयर और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 1.09 करोड़ शेयर बेचेंगे। हालांकि एनएसई में सबसे बड़ी 10.72 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली भारतीय जीवन बीमा निगम इस इश्यू में कोई भी शेयर नहीं बेचेगी। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से आएगा, जिसमें खुदरा (रिटेल) निवेशकों के लिए 35 फीसदी शेयर आरक्षित रखे जाएंगे, जो उन्हें इस बहुप्रतीक्षित लिस्टिंग में शामिल होने का एक बड़ा मौका देगा। योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए अधिकतम 50 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए कम से कम 15 फीसदी हिस्सा आरक्षित होगा। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को इस प्रस्तावित आईपीओ को सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद मंजूरी दी थी।

भारतीय क्रिप्टो निवेशकों का एसआईपी और दीर्घकालिक निवेश पर बढ़ा भरोसा

सर्वे में खुलासा म्यूचुअल फंड की तर्ज पर हर महीने निवेश कर रहे भारतीय, महिलाएं पुरुषों से आगे

नई दिल्ली ।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर निवेशकों की सोच तेजी से बदल रही है। जल्द पैसा कमाने की बजाय अब भारतीय लंबी अवधि के निवेश और क्रिप्टो एसआईपी को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक सर्वे ने इस परिपक्वता को उजागर किया है। सर्वे के अनुसार 41.2 फीसदी भारतीय निवेशक अब लंबी अवधि के लिए क्रिप्टो होल्ड करना पसंद करते हैं, जबकि शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग में केवल 25.8 फीसदी ही बचे हैं।

म्यूचुअल फंड की तर्ज पर क्रिप्टो एसआईपी की लोकप्रियता में 220 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

निवेशक अब औसतन 4,000 से 6,000 रुपये मासिक एसआईपी बिटकॉइन और एथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में कर रहे हैं, जो उनकी सुनियोजित रणनीति का संकेत है।

खास बात है कि 46.4 फीसदी महिलाओं में क्रिप्टो को लंबे समय तक होल्ड करने का जज्बा पुरुषों से अधिक है।

वहीं 35 से 44 वर्ष के आयु वर्ग के निवेशक भी दीर्घकालिक रणनीति पर सर्वाधिक भरोसा दिखा रहे हैं।

बाजार में अचानक गिरावट आने पर भी 91 फीसदी भारतीय निवेशक डरकर अपनी क्रिप्टो नहीं बेचते, बल्कि शांत रहते हैं या अतिरिक्त निवेश का अवसर देखते हैं।

केवल 9 फीसदी लोग ही घबराकर बिकवाली करते हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्य के निवेशक इस मामले में सबसे समझदार साबित हुए हैं।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है।

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा।

भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

संपादकीय

सुरक्षित सिरप

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाछ्य कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?

पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा- महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला अद्भुत समाज

निर्मल रानी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवकूफ होते हैं। उनके सिर में दिमाग नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इजाफा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हकीकत को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म,भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही अद्भुत समाज में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सजायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सजा सुनाने का साहस कर कानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धमार्चार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नजर आएंगे कि हमारे गुरु जी को गलत फंसाया गया है। मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नजर आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूखदार बलात्कारियों की भी शोभा यात्रा निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है ?

3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नजदीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्कीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था ? बिलकीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलकीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था । परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफसोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया । जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया । गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की शोभा यात्रा निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया । आखिरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया । गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके कथित उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये। 14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी।

और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। गाजियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक कानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को जमानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाकायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाजियाँ कीं। समर्थकों ने उसे माला पहनाई और फूल बरसाए। उसे कंधे पर बैठा लिया गया। उसके समर्थक वी साइन दिखाते और घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड करते नजर आए। बाद में इस शर्मनाक घटना की सर्वस्व निंदा होने पर पुलिस ने जुलूस निकालने पर आरोपी और उसके समर्थकों पर मामला दर्ज किया। इस घटना ने भी उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर राज्य में भाजपा का सहयोगी सत्तासीन संगठन हिंदू युवा वाहिनी की नैतिकता और बहनों की सुरक्षा के दावे पर सवाल उठे थे। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में पूरे देश के लिये खासकर देश की मां बहनों के लिये यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि हत्यारों व बलात्कारियों के बहिष्कार करने के बजाये आखिर इन का सम्मान करने वाला हम कैसा अद्भुत समाज तैयार कर रहे हैं।

यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

एआई तकनीक बदल रही रोजगार की दुनियां

अंकित जैन

सर्विस सेक्टर बनेगा नई अर्थव्यवस्था का आधार...

भारत की अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से औद्योगिक और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ चुके भारत में, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी-एआई) नई आर्थिक क्रांति का आधार बनती दिखाई दे रही है। आने वाले दो से तीन वर्षों में एआई तकनीक का प्रभाव रोजगार, शिक्षा, उद्योग, व्यापार और प्रशासन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देगा। विशेषज्ञों का मानना है, भारत की आर्थिक प्रगति में सर्विस सेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ेगी तथा रोजगार का बड़ा हिस्सा एआई समर्थित सेवाओं से जुड़ा होगा।

आज बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, ई-कॉमर्स, मीडिया, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पहले जिन कार्यों को करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब उनमें से कई कार्य स्वचालित उपकरणों के द्वारा किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे, बल्कि रोजगार का स्वरूप बदल जाएगा। पारंपरिक कार्यों की जगह ऐसे लोगों की मांग बढ़ेगी जो एआई आधारित तकनीक में कार्य का संचालन, रख-रखाव, विश्लेषण और प्रबंधन कर सकें।

भारत में बड़ी संख्या में एआई आधारित मशीनें, रोबोटिक उपकरण, स्मार्ट सेंसर, स्वचालित उत्पादन प्रणाली और डिजिटल सेवा से संबंधित उपकरण आयात किए जाएंगे। इन उपकरणों के संचालन, मरम्मत, निगरानी, डेटा विश्लेषण और तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। परिणामस्वरूप सर्विस सेक्टर में नए प्रकार की नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी सहायता विशेषज्ञ, एआई ऑपरेटर, डेटा विश्लेषक, डिजिटल सलाहकार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और स्मार्ट सिस्टम प्रबंधक जैसे पदों की मांग लगातार बढ़ेगी।

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लंबे समय तक डिग्री आधारित शिक्षा को रोजगार का आधार माना जाता रहा है। अब उद्योग जगत सहित सभी क्षेत्रों में कौशल आधारित मानव संसाधन को अधिक महत्व मिल रहा है। किसी शैक्षणिक संस्थान से केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि किसी व्यक्ति की वास्तविक उपयोगिता इस बात से तय होगी, वह अपने कार्यक्षेत्र में एआई आधारित उपकरणों और तकनीकों का कितना प्रभावी उपयोग अपने कार्य में कर सकता है। यही कारण है कि तकनीकी प्रशिक्षण, अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रम, डिजिटल साक्षरता और व्यावहारिक शिक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। रोजगार और नौकरी में वही सफल होंगे जो अपने कार्यों में जिम्मेदारी के साथ दक्ष होंगे।

असंगठित क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता माना जाता है। वह भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं रहेगा। छोटे दुकानदार, कुटीर उद्योग, परिवहन सेवाएं, कृषि आधारित व्यवसाय, स्थानीय सेवा प्रदाता और स्वरोजगार से जुड़े लोग भी एआई आधारित डिजिटल उपकरणों का उपयोग बहुतायत में करने लगेंगे। ऑनलाइन भुगतान, स्मार्ट लेखांकन, डिजिटल विपणन, ग्राहक प्रबंधन और स्वचालित व्यावसायिक प्रणालियां असंगठित क्षेत्र की कार्यशैली को बदलाव लाएंगी। हालांकि इस क्षेत्र के सटीक आर्थिक आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके वास्तविक प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। फिर भी स्पष्ट है, कि एआई का विस्तार हर क्षेत्र में तेजी से होगा।

एआई तकनीकि के तरह-तरह के उपकरण घरों में बहुतायत से बढ़ेंगे

भारत जैसे युवा देश के लिए यह परिवर्तन अवसर और चुनौती दोनों लेकर आया है। जिन लोगों के पास नई तकनीकों को सीखने और अपनाने की क्षमता होगी, उनके लिए रोजगार के नए अवसर भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में भी खुलेंगे। भारत सबसे बड़ी ययुवा आबादी वाला देश है। सर्विस सेक्टर में सारी दुनिया में दक्ष व्यक्तियों की मांग बढ़ेगी। दूसरी ओर, जो लोग तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को विकसित नहीं कर पाएंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाएगी। इसलिए सरकार, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो सेवा क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सबसे बड़ा योगदान है। एआई आधारित तकनीकी के विस्तार के साथ बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, ई-गवर्नेंस और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में तेज वृद्धि की संभावना है। इससे सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी। आने वाले वर्षों में रोजगार की परिभाषा भी बदलती दिखाई देगी। स्थायी नौकरी के साथ-साथ फ्रीलांस कार्य, डिजिटल सेवाएं, ऑनलाइन परामर्श, दूरस्थ कार्य (रिमोट वर्क) और परियोजना आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेगें। ऐसे वातावरण में व्यक्ति की सफलता उसकी डिग्री से अधिक उसके कौशल, तकनीकी दक्षता और निरंतर सीखने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

कुल मिलाकर, एआई तकनीक भारत के रोजगार और बाजार को पुनर्परिभाषित कर रही है। यह परिवर्तन केवल मशीनों का विस्तार नहीं, बल्कि मानव संसाधन की नई भूमिका का निर्माण है। यदि भारत समय रहते अपने युवाओं को एआई और डिजिटल कौशल से लैस कर पाता है, तो आने वाले वर्षों में सर्विस सेक्टर न केवल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा स्तंभ बनेगा, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए नए रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी पैदा करेगा। भारत की अगली आर्थिक छलांग संभवतः एआई संचालित सेवा, अर्थव्यवस्था में ही दिखाई देगी। स्मार्ट फोन का उपयोग भारत का युवा कर रहा है। स्मार्ट फोन और एआई तकनीक की सहायता से रोजगार, व्यापार एवं सर्विस क्षेत्र में आर्थिक अवसर तेजी के साथ बढ़ेंगे। भारतीय विद्याभवन ने एआई तकनीकि पर सर्टिफिकेट एवं डिग्री कोर्स संचालित किये जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान से समझौते पर अपने ही खफा : क्या रूबियो और पीट हेगसेथ को ट्रंप पर भरोसा नहीं?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक नया समझौता हुआ है। इस समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम में ही भारी विवाद शुरू हो गया है। सरकार के बड़े अधिकारी दो गुटों में बंट गए हैं। सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने इस समझौते पर बड़ा शक जताया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान बाहर से कुछ और अंदर से कुछ और खेल खेल रहा है। वह बातचीत में जो दावे कर रहा है, उसकी नीयत उससे बिल्कुल अलग है। इस पूरे मामले में ट्रंप सरकार के दो सबसे शक्तिशाली मंत्री एक तरफ हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उनके साथ देश के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी इस समझौते पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इन दोनों बड़े नेताओं का मानना है कि ईरान अपनी बात से पलट सकता है। खुफिया रिपोर्ट देखने के बाद इन दोनों मंत्रियों की चिंता और ज्यादा बढ़ गई है। दूसरी तरफ, सरकार के कुछ अन्य बड़े नेता इस समझौते का पूरा समर्थन कर रहे हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस डील के पक्ष में मजबूती से खड़े हैं। उनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर भी हैं। इन तीनों नेताओं ने 14 सूत्रीय अमेरिकी-ईरान समझौता ज्ञापन पर अपनी मुहर लगाई है। इनका मानना है कि बातचीत से रास्ता निकल सकता है। इस नए समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को कम करना है। इसके तहत दोनों देशों के बीच युद्धविराम को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग होर्मुज को दोबारा खोला जाएगा। इस समझौते के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर 60 दिनों की नई बातचीत शुरू होगी। इन 60 दिनों के दौरान ईरान अपने परमाणु काम को रोके रखेगा। बदले में, अमेरिका उस पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा और न ही वहां अपनी सेना बढ़ाएगा। इस बातचीत में ईरान के यूरेनियम भंडार और प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा होनी है। समझौते के समर्थकों का कहना है कि ईरान को पैसा और राहत तभी मिलेगी, जब वह परमाणु कार्यक्रम बंद करेगा। लेकिन विरोध करने वाले अधिकारियों का कहना है कि यह डील ईरान के लिए एक बड़ा फायदा है।

रुक नहीं रहा इजराइल, पीस डील पर हस्ताक्षर से पहले दक्षिणी लेबनान में हमले, 4 लोगों की मौत

लेबनान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को स्विटजरलैंड में पीस डील पर हस्ताक्षर होने हैं लेकिन इसके पहले इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में फिर हमले किए हैं। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक इन हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हुई है। यह हमले तब हुए हैं जब युद्ध रोकने के लिए अमेरिका और ईरान ने सभी मोर्चों पर हमले रोकने पर अपनी सहमति जताई है। इजराइल के हमलों पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि 'मेमोरेंडम ऑफ स्टैंडिंग' पर सहमति बन जाने के बाद इजराइल ने लेबनान में 84 बार करार का उल्लंघन किया है। ईरान ने कहा है कि लेबनान पर इजराइल के हमले यदि जारी रहे तो उसका जवाब 'बेहद भीषण' होगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मंगलवार को कहा कि दक्षिणी लेबनान पर इजराइल का निरंतर कब्जा समझौते का उल्लंघन होगा। उन्होंने आगे कहा कि 'इस युद्ध के दौरान इजराइली सेना द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों से उनके पीछे हटे बिना, युद्ध पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। ईरान के शीर्ष संयुक्त सैन्य कमान, खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स ने कहा कि अगर इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर अपने हमले नहीं रोके।

जी7 शिखर सम्मेलन : जापान ने उठाया हिंद-प्रशांत क्षेत्र और चीन की चुनौतियों का मुद्दा

एवियन, एजेंसी। फ्रांस में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने चीन से जुड़ी क्षेत्रीय चुनौतियों को प्रमुखता से उठाया। जापानी प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति और विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों पर जी-7 देशों के बीच समन्वय आवश्यक है। ताकाइची ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जी-7 नेताओं के रात्रिभोज में पश्चिम एशिया की स्थिति, रूस-यूक्रेन संघर्ष, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति और चीन से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों पर अपना दृष्टिकोण साझेदार देशों के सामने रखा। ताकाइची के अनुसार, जी-7 देशों ने इन मुद्दों पर मिलकर और करीबी समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। जापानी प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता जताते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री व्यापार निर्बाध रूप से जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग की वकालत की।

मेलोनी ने सिगरेट पीना छोड़ा, जी7 समिट में खुलासा कहा- 1 महीने से नहीं पी; नींद भगाने के लिए कॉफी पीती हूं

एवियन, एजेंसी। फ्रांस में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं की अनौपचारिक बातचीत माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई। इन नेताओं को सिगरेट, फुटबॉल, तोहफों जैसी बातों पर हल्के-फुल्के मजाक करते हुए सुना गया। इन सबमें से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सिगरेट छोड़ देने वाली बातचीत की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, बैठक शुरू होने से पहले मेलोनी ने नेताओं से बातचीत में कहा कि आज उन्हें 3 कप कॉफी पी है। यह सुनकर यूरोपीय यूनियन की चीफ उर्सला वॉन डेर लेयेन ने चौंकते हुए पूछा- क्या आज सुबह, उठने के लिए? इस पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने चुटकी लेते हुए कहा- और सिगरेट कितनी पी? मेलोनी ने इससे इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने एक महीने से सिगरेट नहीं पी है। यह सुनते ही कनाडा, ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मेलोनी ने खुशी में दोनों हाथ उठा दिए।

इसके बाद कनाडाई पीएममार्क कार्नी ने मजाकिया अंदाज में अपने हाथ की ओर इशारा कर पूछा, क्या आपने निकोटिन पैच लगाया है? इस पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े। निकोटिन पैच शरीर की त्वचा पर लगाया जाता है। यह धीरे-धीरे शरीर में थोड़ी मात्रा में निकोटिन पहुंचाता है, जिससे सिगरेट, बीड़ी या तंबाकू छोड़ने वाले लोगों को उसकी तलब कम लगती है और छोड़ने में आसानी होती है।

मैक्रों ने फ्रांस फुटबॉल टीम का समर्थन किया : अमेरिका, कनाडा और

मेक्सिको में चल रहे फीफा विश्व कप के बीच नेता खेलों पर चर्चा करते नजर आए। मैक्रों ने फ्रांस की टीम का समर्थन करते हुए कहा, अलेज ले ब्लू यानी आगे बढ़ो फ्रांस। एक नेता ने पेरिस सेंट-जर्मेन (क्लब) क्लब की हालिया चैंपियंस लीग जीत की तारीफ की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी केप वर्डे की टीम की सराहना की, जिसने मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। स्टार्मर ने कहा, यह वास्तव में हैरान करने वाला प्रदर्शन था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी फुटहॉल से इतर यूएफसी मुकाबले का जिक्र किया। दरअसल, ट्रम्प के जन्मदिन 14 जून पर व्हाइट हाउस में यूएफसी मुकाबला हुआ था। ट्रम्प ने इसके आयोजक डाना व्हाइट की खूब तारीफ की।

ग्रीनलैंड का जिक्र करना नहीं भूले ट्रम्प : समिट में एक रहस्यमय बातचीत भी रिकॉर्ड हुई। ट्रम्प यूरोपीय परिषद के चीफ एंटोनियो कोस्टा से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, आप जानते होंगे। कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने कोस्टा की तरफ देखते हुए कहा- ग्रीनलैंड। बातचीत का बाकी हिस्सा साफ नहीं सुनाई दिया। ट्रम्प की यह टिप्पणी इसलिए चर्चा में आ गई क्योंकि वह पहले भी कई बार डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं। उनके इस प्रस्ताव ने पिछले वर्षों में कई यूरोपीय नेताओं को नाराज किया था। हालांकि इस बार ट्रम्प का क्या मतलब था, यह स्पष्ट नहीं हो सका।

मैक्रों घड़ी ले जाना भूले तो ट्रम्प ने कहा- ये मुझे दे दो : सम्मेलन के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी घड़ी कहीं छोड़ गए। जब नेता दोपहर खाने के लिए जा रहे थे, तब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, मैक्रों अपनी घड़ी यहां छोड़ गए हैं। हमारे पास उनकी घड़ी है। इस पर ट्रम्प ने तुरंत मजाक करते हुए कहा, अगर उन्होंने छोड़ दी है तो मुझे दे दो। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। समिट में तोहफों का आदान-प्रदान भी हुआ। मैक्रों ने सभी त7 नेताओं को व्यक्तिगत साइकिल भेंट की। ट्रम्प को साइकिल मिलने पर कई लोगों ने हैरानी जताई क्योंकि वह गोल्फ को छोड़कर अन्य शारीरिक गतिविधियों और खासकर साइकिल चलाने में रुचि नहीं दिखाते। हालांकि उस समय पास में कोई माइक्रोफोन नहीं था, इसलिए उनकी बातें रिकॉर्ड नहीं हो सकीं। जर्मन चांसलर मर्त्ज ने ट्रम्प के लिए एक खास तोहफा लेकर पहुंचे। उन्होंने ट्रम्प को जर्मनी की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की जर्सी भेंट की, जिस पर ट्रम्प का नाम और 47 नंबर लिखा था। यह उनके अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होने का संकेत था। ट्रम्प ने मुस्कुराते हुए जर्सी को कैमरों के सामने दिखाया और फोटो खिंचवाई। बाद में मर्ज ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, आखिरकार हम एक ही टीम में हैं! इसी बीच मोदी और इटालियन पीएम जॉर्जिया मेलोनी की बातचीत भी हुई। मेलोनी ने मोदी से कहा- दोबारा मिलकर अच्छा लगा, हम इंस्टाग्राम पर सबसे फेमस हैं। मोदी पिछले महीने 5 देशों के दौरे पर गए थे। जहां उन्होंने रोम में पीएम मेलोनी को मेलोडी टॉफी दी थी। जिसका वीडियो वायरल हो गया था। सम्मेलन के दौरान जब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आमने-सामने आए। मेलोनी ने मुस्कुराते हुए मोदी से कहा, आपसे फिर मिलकर अच्छा लगा।

नेपाल ने चीन के सामने कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा उठाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के इस्तेमाल को लेकर हुए समझौते पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह व्यवस्था किस आधार पर बनाई गई और इसकी प्रकृति क्या है।

इसके जवाब में वांग यी ने कहा कि यह मूल रूप से भारत और नेपाल के बीच का मामला है और इसका समाधान बातचीत से ही निकलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दे संबंधित देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता के जरिए सुलझाए जाने चाहिए। नेपाल ने दोहराया कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। काठमांडू पहले भी नई दिल्ली और बीजिंग को विरोध नोट भेजकर कह चुका है कि उसकी सहमति के बिना इस इलाके से जुड़ा कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

2020 में हुआ था भारत-चीन समझौता : भारत और चीन ने 2020 में लिपुलेख दर्रे के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा पार व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमति बनाई थी। दोनों देशों ने इस मार्ग को तीर्थयात्रा और व्यापार के लिए इस्तेमाल करने की व्यवस्था पर सहमति जताई थी। नेपाल ने उस समय इसका विरोध किया था। काठमांडू का कहना था कि लिपुलेख, कालापानी और

लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं, इसलिए उससे बिना राय लिए इस मार्ग को लेकर कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद नेपाल ने भारत और चीन दोनों को राजनयिक विरोध नोट भेजा था। इसके बावजूद भारत और चीन कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमावर्ती व्यापार के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल करते रहे हैं।

खनाल ने भारत दौरे पर नहीं उठाया था मुद्दा : दिलचस्प बात यह है कि शिशिर खनाल ने हाल की भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा नहीं उठाया था। उस समय उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में भी कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख का जिक्र नहीं था। ऐसे में कूटनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा है कि नेपाल ने नई दिल्ली के मुकाबले बीजिंग में ज्यादा सख्त रुख दिखाया। विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल दोनों पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाए रखते हुए सीमा विवाद को जिंदा रखना चाहता है, लेकिन खुलकर टकराव से भी बचना चाहता है।

इमरान खान की बहन अलीमा खानम ने पीआईएमएस के इलाज पर उठाए गंभीर सवाल, मांगी स्वतंत्र जांच

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान की बहन अलीमा खानम ने जेल में बंद नेता की स्वतंत्र मेडिकल जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि खान को फिर से इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) ले जाया गया था और कहा कि परिवार उनकी सेहत या आंखों की रोशनी के बारे में अस्पताल की ओर से जारी किसी भी मेडिकल रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करेगा। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में अलीमा ने कहा कि परिवार को खबर मिली थी कि खान को 15 जून की सुबह अदियाला जेल से पीआईएमएस ले जाया गया था, और उन्हें इस बात का पता उसी दिन सुबह बाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ चेयरमैन बैरिस्टर गोहर की सोशल मीडिया पोस्ट से चला। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हमें खबर मिली है कि इमरान खान को 15 जून की सुबह फिर से पीआईएमएस ले जाया गया। हमें यह जानकारी 15 जून की सुबह बैरिस्टर गोहर के एक ट्वीट से मिली। अलीमा ने लिखा हम इमरान खान की हालत के बारे में पीआईएमएसकी ओर से जारी किसी भी मेडिकल रिपोर्ट को नहीं मानते।' उन्होंने आरोप लगाया कि संस्थान के पहले के दावों पर बाद में सवाल उठाए गए थे। उन्होंने पहले किए गए उन दावों का ज़िक्र किया जिनमें कहा गया था कि खान की 90 प्रतिशत नज़र वापस आ गई है; उन्होंने बताया कि जब बाद में उनके वकील ने अदियाला जेल में उनसे मुलाक़ात की, तो ख़ुद इमरान खान ने इस दावे को खारिज कर दिया था। खान के इलाज के आधिकारिक विवरण पर सवाल उठाते हुए अलीमा ने पूछा, 'इमरान खान को पांचवें इंजेक्शन की क्या ज़रूरत है? उन्होंने कहा कि परिवार सरकार के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है और मांग करता है कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की जांच और इलाज इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में स्वतंत्र, योग्य विशेषज्ञों द्वारा किया जाए। अलीमा की ये टिप्पणियां 73 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य, विशेष रूप से उनकी बिगड़ती दृष्टि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई हैं।

'मेरे बिना इजरायल नहीं होता', जी7 मंच से बेंजामिन नेतन्याहू पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

एवियन, एजेंसी। फ्रांस के एवियन में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जमकर बरसे। ट्रंप ने खुले मंच से नेतन्याहू को काफी खरी खोटी सुनाई और दावा किया कि अगर अमेरिका उनके साथ न होता तो इजरायल का कोई अस्तित्व नहीं होता। ट्रंप ने नेतन्याहू को 'क्रेजी' तक कह दिया है जो रिश्तों में भारी तनाव को साफ दिखाता है। यह पूरा मामला अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बड़ा और बहुत ही अहम मोड़ ला सकता है। दोनों विश्व नेताओं के बीच किसी समय बहुत ही गहरी और मजबूत दोस्ती हुआ करती थी लेकिन अब हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को बता दिया है कि लेबनान में उनके हालिया हमलों से अमेरिका खुश नहीं है। ये खतरनाक हमले

वाशिंगटन और तेहरान के बीच होने वाली एक अहम शांति डील को भारी खतरे में डाल रहे हैं। यह महत्वपूर्ण शांति डील इसी शुक्रवार को जिनेवा में साइन होने वाली है जिस पर सबकी नजरें हैं।

घरेलू दबाव और राजनीति का असर : नेतन्याहू पर ट्रंप की नाराजगी के पीछे अमेरिका की घरेलू राजनीति भी एक बहुत बड़ी और मुख्य वजह मानी जा रही है। अमेरिका में युद्ध को पसंद करने वाले लोगों की संख्या तेजी से कम हो रही है और गैसोलीन के दाम बढ़ गए हैं। ट्रंप पर इस बात का भारी दबाव है कि वो जल्द से जल्द इस विनाशकारी युद्ध को पूरी तरह से खत्म करें। ट्रंप अब ईरान के साथ एक बहुत ही बड़ी शांति डील करने को पूरी तरह बेताब नजर आ रहे हैं।

इजरायल को लेकर अमेरिका में राय : अमेरिका में इजरायल के समर्थन को लेकर राजनीतिक दलों की पुरानी राय अब पूरी तरह से बंटी हुई नजर आ रही है। डेमोक्रेट्स इस युद्ध में फिलिस्तीनियों के साथ इजरायल के सख्त व्यवहार से बहुत ज्यादा नाराज हैं और कई सवाल उठा रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी के नेता भी यह पूछ रहे हैं कि इजरायल को समर्थन देना अब कितना जरूरी है। यहूदी डेमोक्रेटिक काउंसिल की हेली सोइफर ने ट्रंप की इस कूटनीतिक टिप्पणी को अत्यंत आपत्तिजनक और पूरी तरह से गलत कहा है। पूर्व सलाहकार एरॉन डेविड मिलर के अनुसार अगर नेतन्याहू इस डील के रास्ते में आते हैं तो ट्रंप उन पर भारी दबाव बनाएंगे। ट्रंप इस भयानक युद्ध से बाहर निकलना चाहते हैं और इसके लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि बीबी के साथ उनका रिश्ता शानदार रहा है लेकिन अब उन्हें अधिक जिम्मेदार होना पड़ेगा। अगर नेतन्याहू अपनी जिद पर अड़े रहे तो अमेरिका और इजरायल के ऐतिहासिक रिश्तों में एक बहुत बड़ी दरार आ जाएगी।

कट्टरपंथियों की धमकी के बाद रुका भगवान राम की मूर्ति का निर्माण कार्य, ढहाने की दी थी चेतावनी

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और प्रताड़ना की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शेख हसीना की सरकार हटने के बाद से वहां हालात और भी ज्यादा खराब हो गए हैं। अब ताजा मामला रंगपुर संभाग के पलाशबाड़ी इलाके से सामने आया है, जहां कट्टरपंथियों के दबाव में भगवान राम की एक निर्माणाधीन मूर्ति का काम रोक दिया गया है।

मंदिर समिति ने क्या कहा : मंदिर समिति ने जानकारी दी है कि उन्हें कट्टरपंथी संगठनों से लगातार धमकियां मिल रही थीं। इन संगठनों ने चेतावनी दी थी कि वे मूर्ति को ध्वस्त कर देंगे और

इलाके में हिंसा फैलाएंगे। क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए मंदिर प्रबंधन ने फिलहाल निर्माण कार्य को स्थगित करने का फैसला किया है। मंदिर समिति के एक सदस्य ने मीडिया को बताया कि समाज और देश के हित को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर जरूरत महसूस हुई, तो वे सभी पक्षों को बुलाएंगे और उनके सुझाव लेने के बाद ही काम को दोबारा शुरू करने पर विचार करेंगे।

कैस शुरू हुआ विवाद : यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब 'इंसाफ कायमकारी छात्र श्रमिक जनता' नाम के एक कट्टरपंथी संगठन से जुड़े उपदेशक ने इस मूर्ति को लेकर धमकी दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयानों में इस उपदेशक ने मांग की कि पलाशबाड़ी में बन रही भगवान राम की मूर्ति को बुलडोजर से तोड़ देना चाहिए। उसने प्रशासन को अल्टीमेटम दिया कि अगर सरकार ने इसे नहीं हटाया, तो आम लोग खुद इसे तोड़ देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कट्टरपंथी उपदेशक ने न केवल मूर्ति को निशाना बनाया, बल्कि कई भड़काऊ भाषण भी दिए। उसने भारत और दक्षिण एशियाई देशों के बीच क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर भी आपत्तिजनक बातें कहीं। उसकी इन बातों से इलाके में तनाव काफी बढ़ गया, जिसे देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने निर्माण कार्य रोकने का फैसला किया। बता दें कि बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक संकट के बाद से ही अल्पसंख्यक हिंदू समाज लगातार उपद्रवियों के निशाने पर है। वहां हुई हिंसा में कई हिंदुओं की जान जा चुकी है, जबकि उनके घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ व नुकसान पहुंचाया गया है। इन हिंसक घटनाओं के कारण वहां रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय में डर और असुरक्षा का माहौल है।

अमेरिका में नौकरी और एच-1बी वीजा के बदले 94 लाख रुपये मांगने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक भारतीय कर्मचारी ने अपने मालिक के खिलाफ अदालत में केस दर्ज किया है। ऋषिकेश राज मीसाला नाम के इस कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि उसके मालिक ने नौकरी और वीजा बचाने के बदले उससे करीब 94 लाख रुपये (एक लाख डॉलर) की मांग की। ऋषिकेश का कहना है कि उनके भारतीय-अमेरिकी मालिक साई जितेंद्र कलागरा ने उन पर पैसे देने के लिए भारी दबाव बनाया।

शिकायत के मुताबिक, जब ऋषिकेश ने इन पैसों को लेकर सवाल उठाए, तो उन्हें डराया गया। मालिक ने धमकी दी कि वह उनकी शिकायत अमेरिकी इमिग्रेशन विभागसे कर देगा। इतना ही नहीं, ऋषिकेश ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पिता को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। हालांकि, अभी तक अदालत में ये आरोप साबित नहीं हुए हैं। ऋषिकेश साल 2023 में अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद छात्र वीजा पर अमेरिका आए थे। बाद में उन्हें एक ऐसी कंपनी में नौकरी मिली जो एच-1बी वीजा देती है। यह वीजा अमेरिकी कंपनियों को विदेशी पेशेवरों को काम पर रखने की अनुमति देता है। ऋषिकेश को उम्मीद थी कि इस नौकरी से उन्हें अमेरिका में पक्की नागरिकता मिल जाएगी। लेकिन कंपनी में शामिल होने के बाद उन्हें बेंच पर रख दिया गया। इसका मतलब है कि कर्मचारी के पास कोई सक्रिय प्रोजेक्ट नहीं है। केस के अनुसार, काम न होने के बावजूद ऋषिकेश से मोटी रकम मांगी गई ताकि कागजों पर उनकी नौकरी चलती रहे और उनका एच-1बी वीजा सुरक्षित रहे। आरोप है कि कंपनी ने ऋषिकेश के वेतन से जुड़े दस्तावेज भी रोक लिए। ये दस्तावेज नौकरी बदलने या वीजा रिन्यू कराने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। ऋषिकेश ने बताया कि वीजा खोने के डर से उन्होंने लगभग 8,800 डॉलर नकद भी दिए थे। अब ऋषिकेश की कानूनी टीम ने कंपनी पर मानव तस्करी और जबरन मजदूरी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कंपनी को ऋषिकेश के रुके हुए वेतन और जबरन लिए गए पैसों के बदले करीब 97,248 डॉलर चुकाने चाहिए। यह मामला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर काफी चर्चा हो रही है। भारत के लोग इस वीजा का सबसे ज्यादा फायदा उठाते हैं। साल 2024 के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में मंजूर होने वाले कुल एच-1बी वीजा में से 71 प्रतिशत भारतीय नागरिकों को मिले हैं। यह प्रोग्राम तकनीक और इंजीनियरिंग क्षेत्र की कंपनियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

पोलैंड में पुतिन के आलोचक रूसी कलाकार की हत्या, बेलारूस के दो नागरिक गिरफ्तार

बियाला पोडलस्का , एजेंसी। पोलैंड के पूर्वी शहर बियाला पोडलस्का में मंगलवार को 44 वर्षीय रूसी कलाकार रॉबर्ट कुजोवकोव की उनके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह कलाकार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का मुखर आलोचक था। अभियोजकों ने बताया कि हत्या के बाद सोमवार को बेलारूसी वाणिज्य दूतावास के पास से 37 और 33 वर्षीय दो बेलारूसी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पोलिश मीडिया ने मृतक की पहचान रॉबर्ट कुजोवकोव के रूप में की है, जबकि अभियोजकों ने पोलिश गोपनीयता कानूनों के अनुसार उन्हें केवल रॉबर्ट के. नाम से संबोधित किया है। उन्होंने बताया कि वह सेम्योन क्रेपेट्स्की के छद्म नाम से कलाकृतियां बनाते थे। अभियोजकों के एक बयान के अनुसार, अपनी कला के माध्यम से वे रूसी अधिकारियों की वर्तमान नीतियों की आलोचना करते थे। उनकी कलाकृतियों में पुतिन, चेचन नेता रामजान कादिरोव और अन्य वरिष्ठ रूसी अधिकारियों के आलोचनात्मक चित्र शामिल थे। एक चित्र में पुतिन को सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन की गोद में दिखाया गया था। रविवार को उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें वे बर्लिन में 12 जून को, रूस की संप्रभुता के राष्ट्रीय अवकाश पर, एक कूड़ेदान में रूसी झंडा डालते हुए दिखाई दे रहे थे। अभियोजकों ने बताया कि कलाकार के घर के पास सुबह लगभग 9:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर दो गोलियां चलाईं, और भागने से पहले नजदीक से तीन और गोलियां दाग दीं। पीड़ित की मौके पर ही सिर, छाती और पीठ पर गोलियों के घावों से मौत हो गई। पोलिश अभियोजकों ने इस हत्या का के पीछे सीधे तौर पर मॉस्को के शामिल होने का संकेत नहीं दिया है। पोलैंड की

आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। डेलावेयर के अस्पताल में गोलीबारी, दो घायल, मचा हड़कंप अमेरिका के डेलावेयर के विलमिंगटन अस्पताल में मंगलवार को गोलीबारी की घटना के बाद पूरे अस्पताल को बंद कर दिया गया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह गोलीबारी दोपहर करीब 3:30 बजे विलमिंगटन अस्पताल के भीतर हुई। विलमिंगटन पुलिस विभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डेविड कैरास ने इस बात की पुष्टि की है। हालांकि, घायलों की स्थिति और हमलावर के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। अस्पताल का संचालन करने वाली संस्था क्रिस्टियानाकेयर ने एक ईमेल बयान में कहा कि वे अपने आपातकालीन विभाग में आने वाले मरीजों को अन्यत्र भेज रहे हैं। साथ ही, 'अपने मरीजों, देखभाल करने वालों और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित कदम उठाए जा रहे हैं।' अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह एक संभावित शूटर को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

चीन और जापान में भूकंप के जोरदार झटके, कई लोगों के मौत की आशंका : टोक्यो, एजेंसी। चीन और जापान में तेज भूकंप के झटकों से धरती हिल उठी है। मंगलवार, 16 जून 2026 को एक के बाद एक आए दो शक्तिशाली भूकंपों से जापान और चीन दहल गए हैं। भूकंप की तीव्रता 6.3 थी। तेज भूकंप से भारी नुकसान की आशंकी जताई जा रही है। वहीं इस भूकंप से कई लोगों की मौत की भी आशंका है। अभी तक एक की मौत और चार अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई है। बता दें कि चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत किंगहाई के हासी में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र की मानें तो भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस भूकंप में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई और चार अन्य घायल हो गए हैं।

दिन में यदि थकान रहती हैं तो... इन वजहों पर करें गौर

क्या हर समय जम्हाई लेना, सोना और आलस करना आपकी हॉबी में शुमार हो चुका है? लगता है आप हमेशा थके रहने वाले लोगों में शामिल हो चुके हैं. हमारी भाग-दौड़ वाली दिनचर्या हमें काफी थका देती है. ऐसे में हमें दिनभर टेंशन रहती है. यही टेंशन हमारे घर तक चली आती है और हम रात को ठीक ढंग से सो भी नहीं पाते. ऐसे में हमें सुबह थकान और नींद का अनुभव होता है? अगर हां तो आयुर्वेद के पास इसका जवाब भी है और निदान भी है. यह आपको बता सकता है कि आपको दिन भर इतनी नींद क्यो आती है और आपके शरीर में ऐसी कौन सी प्रॉब्लम हो रही हैं, जिसके कारण ऐसा हो रहा है. रात में बार-बार टूटती है नींद, तो हो सकती है बड़ी बीमारी अगर आपने इस समस्या पर अभी ध्यान नहीं दिया तो आगे चल कर यह नींद और थकान कई अन्य समस्याएं पैदा कर सकती है जैसे, सिरदर्द, शारीरिक दर्द, किसी चीज में मन न लगना, काम या पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित न कर पाना, पेट की खराबी, बोरियत और तनाव या डिप्रेशन आदि. इसके कई कारण हो सकते हैं कि आपको पूरे दिन में थकान या नींद लगती है. हो सकता है कि आपके अंदर शारीरिक बदलाव हो रहे हों या फिर दिमागी तनाव हो. जानें ऐसा क्यों होता है :

सोने का अनुचित समय : रात की नींद ठीक तरह से पूरी करनी चाहिए. आपको छह से सात घंटे तक बिना डिस्टर्ब हुए सोना चाहिए. सोने के तीन या चार घंटे पहले चाय या कॉफी न पिएं, तनाव से दूर रहें = अवसाद, क्रोध आदि जैसी चीजें नींद के पैटर्न पर बहुत प्रभाव डालती हैं। ये आपको थका देती हैं, जिससे रात को आप ठीक प्रकार से नहीं सो पाते.

शारीरिक नकारात्मक फोर्स : कई लोग शुरू से ही आलसी होते हैं और उनके जीवन का नजरिया हमेशा ही नकारात्मक होता है. ऐसे लोगों को अपने रूटीन में योगा, ध्यान और पूजा को शामिल करना चाहिए जिससे उनके जीवन में सकारात्मकता आ सके, रात्रिभोज भरपेट न करें = कुछ लोगों का सोचना है कि यदि वे रात में पेट भर कर खाएंगें तो उन्हें अच्छी नींद आएगी मगर ऐसा नहीं होता है. रात को पेट थोड़ा खाली रख कर ही सोना चाहिए नहीं तो वह ठीक से पच नहीं पाएगा.

दिनभर फ्रेश रहने के लिए क्या करें : अगर दिन में बहुत नींद आ रही है तो आधे घंटे की झपकी ले सकते हैं. अपच की वजह से आपको नींद और थकान महसूस हो सकती है. ऐसे में अपने आहार में अदरक और काली मिर्च को जगह दें. आप चाहें तो बिना दूध वाली अदरक की चाय पी सकते हैं. नियमित व्यायाम करें, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़े तो आप फ्रेश रहें.

अच्छी तरह सोने के लिए क्या करें : अपने कमरे की खिड़कियां और दरवाजे हमेशा खुले रखें, जिससे फ्रेश हवा और रोशनी आए. इससे आप हमेशा ऊर्जा से भरे रहेंगे. कुर्सी पर हमेशा सीधे और अलर्ट बैठें. योगा और प्रणायाम करें. इससे आप एनर्जी से भर उठेंगे. प्रोषण युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें. फलों को अधिक शामिल करें. जूस आदि पिएं. सुबह की सैर करें. जिम में वर्कआउट करें. इन सभी को अपनाएंगे तो हमेशा फिट एंड फाइन रहेंगे.

बच्चों को ऐसे बचाएं डेंगू से ध्यान रखने योग्य बातें

ये तो आप जानते ही हैं डेंगू एडिस इजिप्टी मच्छर के काटने से होने वाला वायरल इंफेक्शन है। इस इंफेक्शन के शरीर में फैलने से फीवर होने लगता है और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ने लगते हैं। पिछले कुछ सालों में डेंगू ने बहुत तेजी से अपने पैर पसारे हैं। डेंगू होने से ना सिर्फ गंभीर रूप से आप बीमार पड़ सकते हैं। बल्कि इससे जान तक जा सकती है।

एशियाई और लैटिन अमेरिकी देशों में बच्चों को इंफेक्शन पर डेंगू वायरल हो रहा है। बेशक अभी डेंगू का कोई ठोस इलाज मौजूद नहीं है लेकिन सही समय पर इसका इलाज और इससे बचाव ही एकमात्र उपाय है। बच्चों को डेंगू के इंफेक्शन से बचाने के लिए हम यहां कुछ उपाय सुझा रहे हैं।

डेंगू वायरस सिर्फ व्यस्कों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी खासा प्रभावित करता है।

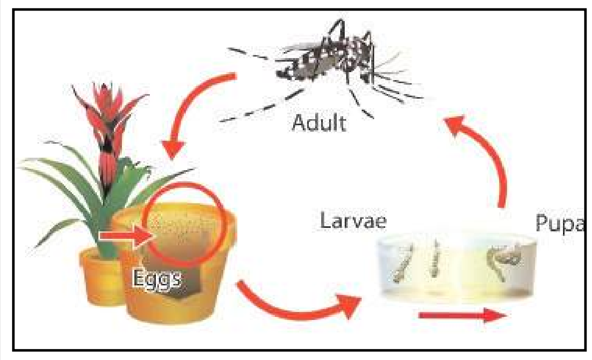

दरअसल बच्चे बेहद संवेदनशील होते हैं, ऐसे में बच्चों को डेंगू से बचाने के लिए बच्चों की एक्ट्रा केयर करना बेहद जरूरी है।

बच्चों की एक्ट्रा केयर ऐसे करें : बच्चों को डेंगू से बचाने के लिए मानसून के मौसम में घर या घर के आसपास पानी जमा ना होने दें क्योंकि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता हैं। बच्चों को पूरी बाजू के कपड़े पहनाकर रखें। साथ ही ट्राउजर भी ऐसे पहनाएं जिससे बच्चे के पैर पूरी तरह ढके रहें। इतना ही नहीं, बच्चे को मौजे भी पहनाकर रखें। बच्चों को डेंगू के प्रभाव से बचाने के लिए हल्के रंग के कपड़े पहनाएं क्योंकि मच्छर ज्यांदातर गहरे रंगों की ओर आकर्षित होते है। सिट्रानेल ऑयल बेस्ड क्रीम और स्प्रे का इस्तेमाल करें या फिर हर्बल मच्छर निरोधक का उपयोग करें। जब बच्चा सो रहा हो तो उसके आसपास मॉस्कीटो नेट लगाएं। यदि बच्चे के कमरे में खिड़कियां है तो खिड़कियों पर जाल लगवाएं जिससे मच्छर अंदर ना आ पाएं।

एयरकंडीशन होने से भी मच्छ्र नहीं आते : बच्चे को डेंगू प्रभावित जगहों पर ना लेकर जाएं। बच्चे को गंदगी वाली जगहों से दूर रखें यदि बच्चे को कहीं बाहर डस्ट में लेकर भी जा रहे हैं तो फेसमास्क पहनाएं। बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, ऐसे में डेंगू के रोगियों से बच्चों को दूर रखें। अगर कुछ दिनों के लिए घर बंद करके जा रहे हैं तो घर की नालियां, टॉयलेट जैसी जगहों को ढककर जाएं। घर में जगह-जगह मॉस्कीटो रिपेलन्ट लगाएं। एंटीमॉस्कीटो क्रीम भी लगा सकते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें: - यदि बच्चा 2 साल से छोटा है तो बच्चे को डीट मॉस्किटो क्रीम लगाने या स्प्रे करने से बचना चाहिए। - यदि बच्चा 3 साल से छोटा है तो उसे नीलगिरी का तेल लगाने से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ञ्चता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

चार व्यक्तियों को अदालत में पेश किया गया. इल्जाम था कि वे पार्क में बैठे जुआ खेल रहे थे. जज ने बारी-बारी से उनसे पूछा. पहले ने कहा, मै उस दिन यहां था ही नहीं. सबूत के तौर पर अपने ट्रैवल एजेंट से रेल टिकट की रसीद दे सकता हूं.

दूसरा बोला - 'उस दिन मैं घर पर बुखार में पड़ा था. डॉक्टर का सर्टीफिकेट पेश कर सकता हूं.'

तीसरे का जवाब था, 'मैने आज तक कभी जुआ नहीं खेला, ताश को हाथ तक नहीं लगाया.'

चौथा चुपचाप खडा रहा.

उससे पूछा, और तुम भी जुआ नहीं खेल रहे थे?

वह बोला, जी मैं अकेला जुआ कैसे खेल सकता हूं.

☺ ☺ ☺

दूध वाला- बीबी जी, कल से दूध पचास पैसे महंगा हो जायेगा.

महिला - क्यों, दूध के दाम क्यों बढ़ा रहे हो?

दूध वाला - क्योंकि मुझे भी अब पानी का बिल भरना पड़ता है.

☺ ☺ ☺

शराबी (अजय से) - शराब से ज्यादा नुकसान तो पानी ने पहुंचाया है.

अजय - नहीं , आप गलत कह रहे हैं.

शराबी- क्यों भाई साहब, क्या पिछ्ले साल बाढ़ से हजारों लोग नहीं मरे थे क्या?

काकुरो पहेली - 4088

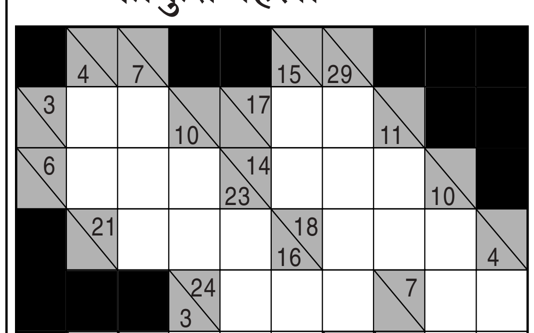

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

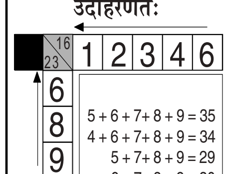

काकुरो 4087 का हल

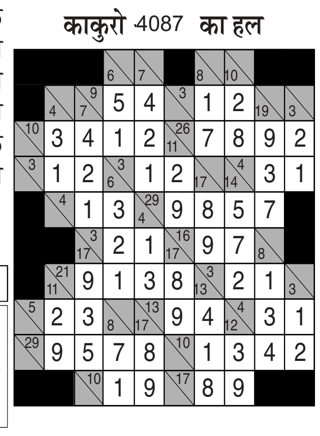

फिल्म वर्ग पहेली-4088

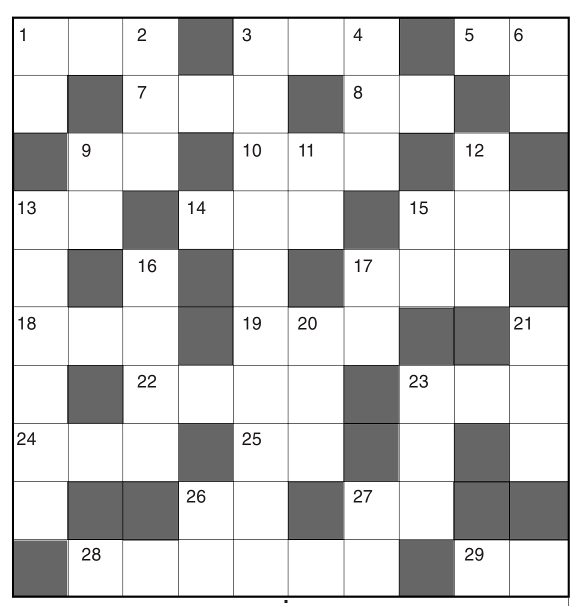

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4087

सूडोकु -4088

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4087 हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली -4088

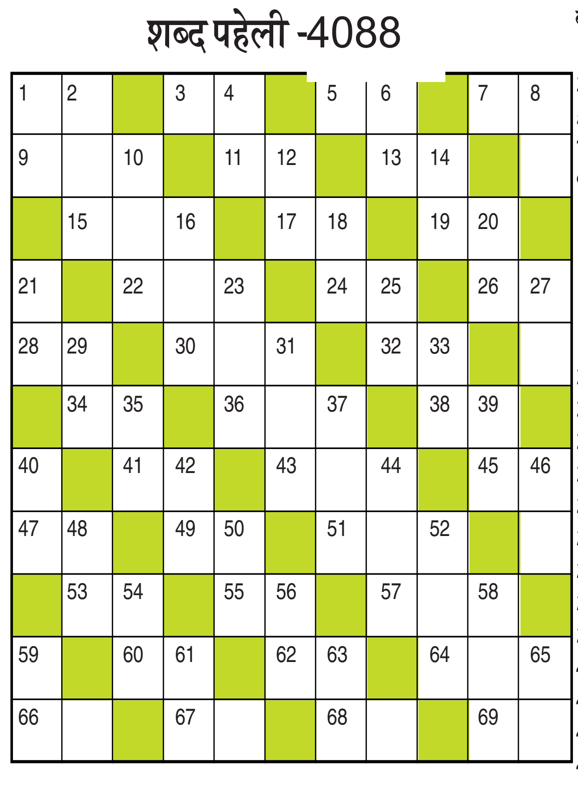

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली 4087 का हल

चंडीगढ़ में छह माह के लिए ओला कैब पर बैन, लाइसेंस सस्पेंड

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में आगामी छह माह तक ओला कैब नहीं चलेगी। चंडीगढ़ प्रशासन ने कैब सेवा/बाइक टैक्सी सेवा संचालित करने हेतु प्लेटफॉर्म प्रदान करने वाली कंपनी मेसर्स एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ओला कैब्स) को जारी एग्रीगेटर लाइसेंस तत्काल प्रभाव से 6 माह की अवधि के लिए निलंबित कर दिया है। यह आदेश शाम से ही लागू हो गए हैं। प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, जिन कैब मालिकों ने अपने वाहन मेसर्स एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ओला) के साथ संबद्ध किए हुए हैं, उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे यू.टी. चंडीगढ़ में उक्त कंपनी के अंतर्गत अपनी कैब/बाइक टैक्सी का संचालन न करें तथा ओला एप्लीकेशन के माध्यम से किसी भी प्रकार की सवारी बुकिंग स्वीकार न करें। निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लंघन की स्थिति में वाहनों का चालान किया जाएगा तथा उन्हें जब्त भी किया जाएगा। प्रशासन ने समस्त जनता को सलाह दी है कि किसी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए ओला एप्लीकेशन के माध्यम से संचालित कैब सेवाओं की बुकिंग न करें। प्रशासन ने यूटी में नागरिकों से अनुरोध किया है कि अपनी यात्रा संबंधी आवश्यकताओं हेतु इस कार्यालय में पंजीकृत वैकल्पिक एप्लीकेशनों का उपयोग करें।

वायु प्रदूषण से अछूते नहीं रहे हिमालय के दूर-दराज और स्वच्छ माने जाने वाले क्षेत्रः एआरआईईएस

नई दिल्ली। हिमालय के दूर-दराज और स्वच्छ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी अब वायु प्रदूषण का असर दिखाई देने लगा है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एआरआईईएस) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोध के नतीजों के अनुसार उत्तराखंड के मुनस्यारी क्षेत्र में मानव गतिविधियों के कारण वायु गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। शोधकर्ताओं ने वर्ष 2022-23 के दौरान एक वर्ष तक नॉन-मीथेन हाइड्रोकार्बन का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि सर्दियों और मानसून के दौरान इन प्रदूषक गैसों का स्तर कम रहा, जबकि वसंत और शरद ऋतु में इनकी मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। अध्ययन के अनुसार एलपीजी और डीज़ल का उपयोग, वाहनों से निकलने वाला धुआं तथा स्थानीय निर्माण गतिविधियां प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं। बेंजीन और ज़ाइलीन जैसे रसायन ओज़ोन एवं अन्य द्वितीयक प्रदूषकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक हैं नैनीताल की तुलना में मुनस्यारी में प्रदूषण गैस का स्तर अधिक पाया गया, हालांकि यह हल्द्वानी और दिल्ली जैसे शहरी क्षेत्रों से अभी कम है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वर्तमान में तत्काल स्वास्थ्य जोखिम कम है, लेकिन लंबे समय तक बेंजीन के संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा निर्धारित सुरक्षा सीमा से अधिक हो सकता है।

राज्यों को केंद्र की सफल शासन व्यवस्थाएं अपनानी चाहिए : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यों से केंद्र सरकार द्वारा विकसित की गई सफल प्रशासनिक और डिजिटल शासन प्रणालियों को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केंद्र की कई पहल न केवल देश में सुशासन का मॉडल बनी हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी सराहना हो रही है। इन व्यवस्थाओं को राज्यों में लागू कर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को तेजी से हासिल किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने कर्तव्य भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी सरकार में शासन व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। पहले प्रशासनिक सुधार केवल सरकारी प्रक्रियाओं तक सीमित रहते थे, लेकिन अब वे सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के प्रभावी साधन बन चुके हैं। मंत्री ने बताया कि मिशन कर्मयोगी, डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट, ई-ऑफिस और अन्य तकनीक आधारित प्रणालियों ने प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाया है। इससे आम लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से और कम समय में मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में लागू की गई स्व-प्रमाणन व्यवस्था ने आम नागरिकों को दस्तावेजों के सत्यापन के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाई। यह सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम था।

देश में अबतक 21.76 मिलियन हेक्टेयर भूमि को किया गया पुनर्स्थापित : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि देश ने अब तक 21.76 मिलियन हेक्टेयर भूमि को पुनर्स्थापित किया है, जबकि 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर भूमि सुधार का लक्ष्य रखा गया है। यह उपलब्धि वैश्विक स्तर कॉर्बनचैलेंजप्रतिबद्धता का हिस्सा है। इंदिरा पर्यावरण भवन में 'विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में भूमि क्षरण से निपटने के लिए कई योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। इनमें जल संरक्षण, वनीकरण, और वैज्ञानिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अब तक देशभर में 266 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि अरावली ग्रीन वॉल पहल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपने निर्धारित लक्ष्यों से बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही देश में वनीकरण, जलग्रहण विकास और कृषि भूमि सुधार कार्यक्रमों के माध्यम से बड़े पैमाने पर भूमि पुनर्स्थापन कार्य किए जा रहे हैं।

सूरत के 'भूतिया डिमोलिशन' पर आठवले की एंट्री, बोले- गरीबों का वोट मान्य है तो झोपड़ी अमान्य क्यों?

एजेंसी

सूरत। सूरत के वेड दरवाजा स्थित चंद्रशेखर आजाद ब्रिज के पास करीब 60 वर्ष पुरानी नासीरनगर बस्ती में हाल ही में किए गए डिमोलिशन का विवाद अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सूरत महानगर पालिका आयुक्त से तत्काल बातचीत करने का आश्वासन दिया और सवाल उठाया कि, यदि गरीबों का वोट मान्य है तो उनकी झोपड़ी अमान्य क्यों है?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता असलम साइकिलवाला ने इस पूरी कार्रवाई को बिल्डर और अधिकारियों की सुनियोजित साजिश तथा भूतिया डिमोलिशन बताते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को एक विस्तृत पत्र भेजा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सूरत एसओजी के डीसीपी राजदीपसिंह नकुम ने जनरल डायर जैसी भूमिका निभाई है और उन्हें तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (*SIT*) गठित करने की मांग की है। सूरत दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने डिमोलिशन कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि संविधान के अनुसार रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले श्रमिकों ने अपनी मेहनत से शहरों को बसाया है और ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।उन्होंने कहा कि यदि चुनावों के दौरान झुग्गी बस्तियों में रहने वाले गरीब नागरिकों का वोट वैध माना जाता है तो फिर कानून के नाम पर उनके घरों को अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए लोगों को बेघर करना मानवता के खिलाफ है। आठवले ने सूरत महानगरपालिका को मुंबई की स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (स्रा) योजना की तर्ज पर पुनर्वास नीति लागू करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में वर्ष 2011 से पहले की झुग्गियों को कानूनी मान्यता प्राप्त है और यदि उन्हें हटाना हो तो पहले वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराना अनिवार्य है। मुंबई में बिल्डर गरीब परिवारों को लगभग 300 वर्गफुट कार्पेट एरिया का पक्का मकान मुफ्त में देकर शेष भूमि पर परियोजना विकसित करते हैं।

सीबीआई ने चंडीगढ़ के 'क्रैस्ट' के पूर्व सीईओ और वरिष्ठ आईएफओएस अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चंडीगढ़ के 'क्रैस्ट' (चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी) के बैंक खाते से धन के गबन के मामले में भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) के वरिष्ठ अधिकारी और क्रैस्ट के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नवनीत श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार, आरोपित अधिकारी को चंडीगढ़ में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। सीबीआई के अनुसार, इस मामले की जारी जांच के दौरान आरोपित अधिकारी की भूमिका सामने आने के बाद यह गिरफ्तारी की गई है। जांच में खुलासा हुआ है कि नवनीत श्रीवास्तव के कार्यकाल के दौरान चंडीगढ़ स्थित आईडीएफसी बैंक में क्रैस्ट के तीन बैंक खातों में जमा सरकारी धन का अवैध रूप से गबन किया गया था। इस राशि को विभिन्न फर्जी कंपनियों (शेल कंपनियों) में ट्रांसफर किया गया और लाभार्थियों द्वारा इसका व्यक्तिगत उपयोग किया गया, जिससे चंडीगढ़ क्रैस्ट को लगभग 75 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। जांच में यह भी सामने आया है कि इस अपराध की कमाई का एक हिस्सा एक निजी कंपनी के खाते में डायवर्ट किया गया था, जिसमें आरोपित अधिकारी की पत्नी और एक करीबी रिश्तेदार निदेशक (डायरेक्टर) हैं।

इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का भूमिपूजन 20 जून को, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल होंगे शामिल

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के चन्द्रावतीगंज में आगामी 20 जून को इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का भूमिपूजन होगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर विशेष रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने कार्यक्रम स्थल सागर गार्डन, चन्द्रावतीगंज पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के दल के साथ कार्यक्रम स्थल का विस्तृत जायजा लिया तथा विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंच व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मंत्री सिलावट ने कहा कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां

निर्धारित समयसीमा में पूर्ण की जाएं तथा आगंतुकों एवं आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर समुचित सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन हो सके। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाकर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश भी दिए गए।

जेन ज़ी युवाओं पर संघ का पूरा भरोसाः सुनील आंबेकर

एजेंसी

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा, 'देश की नई यानी 'जेन ज़ी' पीढ़ी को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बेहद आशावादी है। आज के युवा अपनी परंपराओं और भारत के गौरव से गहराई से जुड़े हुए हैं और समाज में रचनात्मक बदलाव के लिए बड़ा योगदान दे रहे हैं।

पुणे श्रमिक पत्रकार संघ द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में आंबेकर ने संघ के शताब्दी सफर, संघ की रजिस्ट्रेशन स्थिति, 'जेन ज़ी' युवा, जनसंख्या असंतुलन और मुस्लिम समाज पर संघ के दृष्टिकोण जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात की। 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में सभी स्तरों पर लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव होते हैं। हमारी न्यायपालिका, प्रशासन और मीडिया स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। ऐसे मजबूत लोकतंत्र में यदि कोई अपनी बात उठाता है, तो व्यवस्था में उसे समझने और संबोधित करने की क्षमता होनी चाहिए। इसलिए ऐसे आंदोलनों से हैरान होने की जरूरत नहीं है। संघ के रजिस्ट्रेशन को लेकर चल रही चर्चाओं पर आंबेकर ने बताया कि संघ के पंजीकरण को

लेकर कोई कानूनी विवाद नहीं है, बल्कि राजनीतिक लाभ के लिए भ्रम फैलाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त सामाजिक संगठन है। विभिन्न सरकारों ने समय-समय पर संघ का सहयोग लिया है। संघ की शाखाओं को पुलिस की अनुमति मिलती है और स्थानीय शाखाओं के नाम पर बैंक खाते भी संचालित होते हैं। सभी आर्थिक लेन-देन बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से ही होते हैं। मुस्लिम समाज और संघ के संबंधों पर पूछे गए सवाल के जवाब में आंबेकर ने बताया कि संघ की स्थापना से पहले से ही देश में हिंदू-मुस्लिम संघर्ष मौजूद रहा है। दुर्भाग्य से, कुछ लोगों में यह धारणा बनाई गई कि धर्म बदलने से राष्ट्र और इतिहास भी बदल जाता है, और इसी मानसिकता ने देश के विभाजन में भूमिका निभाई। यह विवाद अब समाप्त होना चाहिए। सभी का डीएनए एक ही है। मुस्लिम समाज के भीतर भी सकारात्मक सामाजिक बदलाव की पहल हो रही है। भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तान के बजाय इंडोनेशिया जैसे सांस्कृतिक आदर्शों की ओर देखना चाहिए।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर पैसा लेने वालों को खोज रहे अधिकारी-ठेकेदार

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ताधारी व्यवस्था और प्रशासनिक-राजनीतिक गठजोड़ पर कटाक्ष करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'टिकट के इच्छुक लोगों के बाद अब अधिकारी और ठेकेदार मिलकर 'ढुंढाई पंचायत' कर रहे हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर असंतोष और घबराहट का माहौल बनता जा रहा है।' सपा प्रमुख ने तंज कसते हुए कहा कि पहले केवल भावी प्रत्याशी ही ऐसे लोगों को ढूंढ रहे थे, जिनसे कथित तौर पर टिकट दिलाने के नाम पर अग्रिम धनराशि ली गई थी। अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि 'अफवाह मंत्री' को लेकर जो चर्चाएं चल रही थीं, उन्हें अब तक केवल वही लोग तलाश रहे थे जो खुद प्रत्याशी बनने की दौड़ में थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि अब यह बात सामने आ चुकी है कि '30 सीट' मिलने की

चर्चा मात्र अफवाह साबित हो रही है और वास्तविकता में स्थिति वैसी नहीं है जैसी प्रचारित की जा रही थी। अखिलेश यादव के अनुसार, जैसे-जैसे इन कथित दावों की सच्चाई सामने आ रही है, वैसे-वैसे एई, जेई, एएमए जैसे विभागीय अधिकारी और ठेकेदार भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग भी उन व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं, जिन्होंने ट्रांसफर-पोस्टिंग और ठेके-कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के नाम पर उनसे कथित रूप से अग्रिम धनराशि ली थी।

उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि जिस 'काली कमाई' के सहारे बड़े-बड़े दावे और राजनीतिक बयान दिए जा रहे थे, वही पैसा अब संबंधित लोगों के खिलाफ ही माहौल बना रहा है। उनके मुताबिक, यह स्थिति एक तरह की 'पंचायत' जैसी बन गई है, जहां सभी पक्ष एक-दूसरे से जवाबदेही मांगते दिख रहे हैं।

इससे पहले भी अखिलेश यादव ने एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा था कि कुछ लोग लालच देकर और डराकर विधायक व एमएलसी को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जो डरेगा वो तो जाएगा, बहादुर लोग होने चाहिए। यूपी में तो भाजपा के ही विधायक पाला बदलने को तैयार बैठे हैं। कुछ लोग समय पर पत्ते खोलते हैं। सपा पूरी तरह मजबूत है और पार्टी कई बार उतार-चढ़ाव देख चुकी है।

छत्तीसगढ़ के कोरिया में कार जलाने की घटना में तीन की मौत, एक गंभीर

एजेंसी

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में बीती रात हुई दिल दहला देने वाली घटना में मरने वालों की संख्या तीन पहुंच गई है। घटना में 80 प्रतिशत तक जल चुके नागेंद्र सिंह ने बेहतर उपचार के लिए रायपुर ले जाते समय बिलासपुर से पहले दम तोड़ दिया। रेत उत्खनन को लेकर सत्ताधारी दल के नेताओं के बीच मंगलवार दोपहर हुए विवाद के बाद रात में दिल को दहला देनी वाली घटना में आरोपितों ने फॉर्च्यूनर में सवार होकर गांव पहुंचे मृतकों की गाड़ी को पहले टिपर से

मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसके बाद पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। आरोपितों ने मृतकों को गाड़ी से निकलने का मौका तक नहीं दिया। इस घटना में भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह की जहां मौके पर ही मौत हो गई थी, वहीं चार घायलों को उपचार के लिए अंबिकापुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं 80 प्रतिशत तक जल चुके नागेंद्र सिंह (53) अंबिकापुर से रेफर कर रायपुर ले जाते समय बिलासपुर के पहले मौत हो गई। इसके अलावा एक अन्य घायल मयंक सिंह की भी स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है।इस घटना के बाद आक्रोशित सर्व समाज द्वारा कोरिया पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया है। सर्व समाज ने घटना की सीबीआई जांच की मांग करते हुए आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन, 1,500 से अधिक लोगों ने लिया भाग

एजेंसी

गांधीनगर । गांधीनगर की गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) में गुजरात राज्य योग बोर्ड के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर गुरुवार को एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों सहित 1,500 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर 'जिंदगी वन्स मोर' टीम और अभिनेता मयूर वकानी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इन सभी ने योग और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों को नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया। गुजरात योग बोर्ड के चेयरमैन शिशुपाल ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं और इसी दिशा में गुजरात राज्य योग बोर्ड लगातार योग कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। 'कॉर्पोरेट के लिए योग' पहल के अंतर्गत व्यापारियों, उद्योगपतियों, कर्मचारियों और अधिकारियों को योग से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

जब कॉर्पोरेट क्षेत्र के लोग योग को अपनाते हैं, तो इसका प्रभाव न केवल उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति पर भी सकारात्मक असर दिखाई देता है। उनके अनुसार, इससे कार्यक्षमता बढ़ती है, उत्पादन क्षमता में सुधार होता है और देश के टर्नओवर तथा जीडीपी में वृद्धि होती है। उन्होंने योग को केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण चिकित्सा विज्ञान बताया, जो शरीर की शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाएं ताकि उनका शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास हो सके और भारत 'विश्वगुरु' बनने की दिशा में आगे बढ़ सके।

गिफ्ट सिटी के प्रबंध निदेशक (एमडी) संजय कुमार ने कहा कि गुजरात योग बोर्ड और गुजरात सरकार के सहयोग से यह योग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य यहां कार्यरत लोगों को योग से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में हजारों कर्मचारियों ने रुचि दिखाई और सक्रिय रूप से भाग लिया, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसी को देखते हुए गिफ्ट सिटी में नियमित योग कक्षाएं आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है, जो गुजरात योग बोर्ड के सहयोग से संचालित होंगी। अभिनेता मयूर वकानी ने भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि योग अभ्यास सत्र में भाग लेकर उन्हें अत्यंत सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस हुआ। उन्होंने योगाचार्यों द्वारा दिए गए प्रशिक्षण की सराहना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश में योग के महत्व को लेकर जो संदेश दिया गया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि योग वास्तव में जीवन का आधार है और स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग को अपनाना आवश्यक है।

सपा छोड़ने की अटकलों पर सांसद सनातन पांडे का दो-टूक जवाब, बोले- 'किसी में खरीदने की हैसियत नहीं'

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडे ने मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर के 'बागी बलिया' वाले दावे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे समाजवादी पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं और दुनिया की कोई भी ताकत मुझे समाजवाद और समाजवादी पार्टी से अलग नहीं कर सकती है। ओपी राजभर के बयान पर समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडे ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'सबसे पहले, मैं उन्हें विस्तृत जानकारी देने के लिए धन्यवाद देता हूं और इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि मैं पार्टी नहीं छोड़ूंगा। यह एक सीधा जवाब है। जीवन भर, चाहे मैं राजनीति में रहूं या न रहूं, चाहे मैं सांसद रहूं या न रहूं, मेरा पूरा अस्तित्व समाजवाद में निहित है। दुनिया की कोई भी ताकत मुझे समाजवाद और समाजवादी पार्टी से अलग नहीं कर सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'वे (राजभर) जिस ताकत के बल पर बोल रहे हैं, उसकी हैसियत यही है कि वह हमारे

जैसे लोगों को डरा सकती है या एनकाउंटर कर सकती है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि वे जिनके बलबूते बोल रहे हैं, चाहे कितनी भी ताकत लगा लें, सनातन पांडे को खरीदने की हैसियत उन लोगों में नहीं है। 'सनातन पांडे ने कहा, 'मैं समाजवादी पार्टी का सांसद हूं और मेरे पास कोई भी अवैध संपत्ति नहीं है। मेरे पास नाना की दी हुई जमीन है। सदन के खाते के अलावा मेरा कोई खाता नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैंने पहली बार देखा कि पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में ब्राह्मण कार्यकर्ता हमारे कार्यक्रम में आए हुए थे। सभी ने एक स्वर से कहा था कि 2014 में जिस तरह भाजपा का साथ दिया था, हमारी उम्मीदों के ठीक विपरीत सबसे ज्यादा प्रताड़ित इस सरकार में ब्राह्मण है। प्रदेश में सबसे अधिक ब्राह्मणों के एनकाउंटर हुए। सबसे अधिक हाफ-एनकाउंटर हुए तो वह ब्राह्मणों के हुए। ब्राह्मण मूलतः समाजवादी होता है। 'सपा सांसद ने आगे कहा, 'ब्राह्मण गांव में रहने वाला ऐसा समाज है, जिसके संबंध हर जाति के साथ होते हैं और वह सभी को अपना समझता है। ब्राह्मण जन्म से ही समाजवादी है। इसको प्रदेश के लोगों ने भी स्वीकार किया कि 5 अगस्त की बैठक में इतिहास रचा जाएगा। उस भीड़ को देखकर यह लोग हताश हैं। ' उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी से और लोग टूट सकते हैं, लेकिन मैं अपनी बात कर रहा हूं। मैं जीवन के अंतिम समय में कार्यालय की पहरेदारी भी करने का अवसर मिलेगा तो मैं सब कुछ समर्पित करते हुए पार्टी के लिए वह काम भी करूंगा।

दरअसल, ओमप्रकाश राजभर लगातार समाजवादी पार्टी में टूट का दावा कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को यह भी कहा कि सपा के कार्यक्रम में ब्राह्मणों को तिरस्कृत किया गया, उससे 'बागी बलिया' का लाल बहुत आहत है। घटना ने आग में घी डालने का काम कर दिया है। टूट होकर रहेगी। बता दें कि बलिया से सपा के सनातन पांडेय वर्तमान सांसद हैं।

कोटा में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की शुरुआत कर बोले राहुल गांधी- मौजूदा शिक्षा प्रणाली रोजगार की गारंटी नहीं देती, पूरा तंत्र बदलना जरूरी

एजेंसी

कोटा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कोटा में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा कि मौजूदा शिक्षा प्रणाली रोजगार की गारंटी नहीं देती, इसलिए पूरे तंत्र को बदलना जरूरी है। भारत का शिक्षा तंत्र अब 'चयन' नहीं बल्कि 'अस्वीकृति प्रणाली' बन गया है, जहां परीक्षाओं के नाम पर सरकार पांच मंत्रालयों के बजट जितना पैसा अभिभावकों से वसूल लेती है। उन्होंने 3,000 छात्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि इनमें से सिर्फ एक प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में जाएगा, 30 आईआईटी पहुंचेंगे और केवल 180 ही डॉक्टर बन पाएंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कोटा से राष्ट्रव्यापी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की शुरुआत की। यह कार्यक्रम देश भर में हाल ही में हुए नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले और परीक्षाओं में हुई धांधली के बाद प्रभावित छात्रों की आवाज उठाने के लिए आयोजित किया गया। कोटा के दशहरा मैदान स्थित श्री राम रंगमंच पर आयोजित इस विशेष संवाद में राहुल गांधी ने नीट और जेईई के अभ्यर्थियों तथा उनके अभिभावकों को भी सुना। उन्होंने मंच पर सामिया मीणा, सानिया गुप्ता और हिमांशु डांगी नामक तीन विद्यार्थियों को अपने पास बुलाकर उनसे संवाद किया।

राहुल गांधी ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मंच या भाषणबाजी का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि देश के युवाओं की आवाज का मंच है। आज का यह कार्यक्रम छात्रों के दर्द, उनकी समस्याओं, शिक्षा और रोजगार के असल मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र सालों तक परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन चयन महज कुछ लोगों का ही होता है। वर्तमान तकनीकी शिक्षा व्यवस्था की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि देश के 80 प्रतिशत अभियंता (इंजीनियर) बेरोजगार घूम रहे हैं। यह शिक्षा तंत्र नहीं, बल्कि सिर्फ पैसे वसूलने और लूट का माध्यम बनकर रह गया है। राहुल गांधी ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' का जिक्र करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान उन्हें लाखों ऐसे युवा मिले जो डॉक्टर, अभियंता, वकील, प्रशासनिक सेवा और सेना में जाना चाहते थे। तब उनके मन में यह सवाल आया कि देश की शिक्षा प्रणाली युवाओं को सिर्फ यही पांच विकल्प क्यों दे रही है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने कुछ लड़कियों से उनके दिल की बात पूछी, तो उन्होंने इन पांच पेशों से हटकर अलग-अलग सपने बताए। इससे साफ है कि देश का शिक्षा तंत्र बच्चों के सपने पूरे नहीं कर रहा।

फीफा विश्व कप : डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। लुई डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में कोलंबिया ने अपने पहले ही मैच में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। इस मुकाबले में कोलंबिया की जीत के नायक रहे अनुभवी खिलाड़ी लुई डियाज़। डियाज ने एक गोल करने के साथ ही एक अन्य गोल में सहायता की थी। यह जीत कोलंबिया के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उसने अपने पहले ही मैच में दमदार प्रदर्शन करते हुए आगामी मुकाबलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है।इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष हुआ। कोलंबियाई टीम की ओर से पहले हाफ के 40वें मिनट में डियाज़ के शानदार पास पर डेनियल मुनोज ने कर गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं इसके बाद दूसरे हाफ में

उज्बेकिस्तान ने वापसी के प्रयास किये और 60वें मिनट में फैजुल्लायेव अब्बोसबेक ने गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोलंबियाई टीम ने 65वें मिनट में डियाज़ के गोल से फिर बढ़त हासिल कर ली। इससे कोलंबिया 2-1 से आगे हो गयी। इसके बाद जैमिंटन कैम्पाज ने कोलंबिया की ओर से तीसरा गोल दागकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। स्कोर 3-1 होने से उज्बेकिस्तान की वापसी संभव नहीं हुई। यह मैच उज्बेकिस्तान के लिए ऐतिहासिक था, क्योंकि उन्होंने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में एस्टाडियो एज्टेका में अपना पहला फीफा विश्व कप मैच खेला। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज कोलंबिया को 50वें स्थान की टीम उज्बेकिस्तान पर जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, और टीम ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत के साथ, कोलंबियाई टीम ग्रुप में पुर्तगाल और कांगो से आगे निकलकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब कोलंबिया का मुकाबला मैक्सिको के ग्वाडालाजारा में कांगो से होगा, जबकि उज्बेकिस्तान की टीम ह्यूस्टन में दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम से खेलेगी।

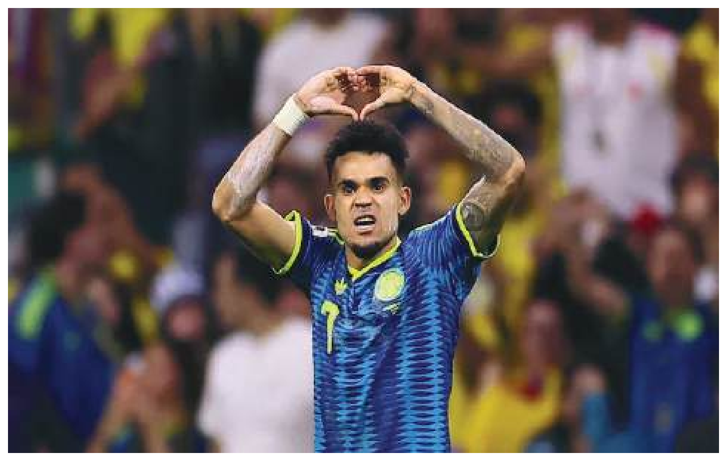

बॉक्सिंग वर्ल्ड कपः भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी ने पोलैंड की बॉक्सर को 5-0 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के गुइयांग में आयोजित बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज-2) में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारत की स्टार बॉक्सर मीनाक्षी ने दमदार जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 51 किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

48 किलोग्राम वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर-1 मीनाक्षी ने ओलंपिक 51 किलोग्राम वर्ग में खेलते हुए पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया।

हालांकि पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में भारत के अविनाश जमवाल को किर्गिस्तान के मिर्ज़ोखिद इमामनाज़ारोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया।

अब तक भारत के पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके हैं। इनमें निखिल (55 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), मीनाक्षी (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा) और सनेह (65 किग्रा) शामिल हैं। वहीं ज्योति (48 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए पदक पहले ही पक्का कर चुके हैं।

टूर्नामेंट के पांचवें दिन चार भारतीय मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में उतरेंगे। महिलाओं के वर्ग में मीनाक्षी का सामना कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा, सनेह का मुकाबला पोलैंड की किंगा क्रोव्का, जबकि प्राची का मुकाबला चीनी ताइपे की शिह यी वू से होगा। पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में निखिल का सामना अजरबैजान के अमीन मम्मदज़ादा से होगा।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन (एजेंसी)। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है।

केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच का अपना दूसरा गोल दागकर अपने देश के लिए एक नया इतिहास रच दिया। अब हैरी केन और गैरी लिनेकर दोनों के नाम 12 विश्व कप मैचों में 10-10 गोल दर्ज हैं।

हैरी ने पहली बार फीफा विश्व कप साल 2018 में खेला था, जहां उन्होंने अपने पहले ही टूर्नामेंट में 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीता था और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद 2022 के विश्व कप में 2 गोल किये थे।

फुटबॉल की दुनिया में केन का नाम इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में पहले से ही दर्ज है। उन्होंने 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, और 2020 व 2024 के यूरो कप फाइनल जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में इंग्लैंड की ओर से गोल किये थे।

इंग्लैंड के लिए फीफा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में केन और लिनेकर दोनों ही 10 गोल के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ज्योफ हर्स्ट 6 मैचों में 5 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि दिग्गज बॉबी चार्लटन ने 14 मैचों में 4 गोल किए हैं। माइकल ओवेन ने भी 12 मैचों में 4 गोल दागे हैं। डेविड बेकहम, स्टीवन गेरार्ड, मार्कस रैशफोर्ड, रोजर हंट, डेविड प्लैट, बुकायो साका और नेट लॉफ्टहाउस जैसे खिलाड़ियों ने 3-3 गोल किये है।

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया

कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

नयूजर्सी (एजेंसी)। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी।

रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये।

वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 291 रन बनाये

केनिंग्टन ओवल ।न्यूजीलैंड ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में शुरू हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 77 ओवरों में 7 विकेट पर 291 रन बना लिए थे। स्टंप के समय ग्लेन फिलिप्स 49और काइल जैमीसन 6 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने टॉस जीतकर मेहमान कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।उसके गेंदबाजों ने शुरुआती विकेट गिरा दिये पर कीवी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने हालात संभाल लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे केवल 9 रन बनाकर आउट हो गये।इसके बाद कप्तान टॉम लैथम और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभाला। लैथम ने 75 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हेनरी निकोल्स ने 24 रनों की पारी खेली। एक समय न्यूजीलैंड ने 79 रनों पर ही अपने 3 खिलाड़ी खो दिये थे। इसके बाद कठिन समय में रचिन रवींद्र और डैरिल मिचेल ने पारी संभाली। रचिन ने 51 गेंदों में 6 चौकों की सहायता से 33 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल ने डैरिल मिचेल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की शानदार साझेदारी की. मिचेल ने 74 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 44 रनों की अच्छी पारी खेली। वहीं ब्लंडेल ने अर्धशतक बनाया। ब्लंडेल ने 51 रनों की पारी खेलकर कीवी टीम को संभाला। ब्लंडेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने तेजी से रन बनाये। उन्होंने नाबाद 49 रनों की पारी खेली। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों की बात करें तो स्पिन ऑलराउंडर जैकब बेथेल ने 5 ओवरों में 8 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए।

अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं शुभमन

लखनऊ ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतक लागने के बाद भी खुश नहीं है। शुभमन के अनुसार उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना था पर वह पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम को बड़ी जीत मिली। शुभमन ने इस मैच में कठिन हालातों के बीच भी 154 रनों की पारी खेली। शुभमन ने मैच के बाद खुलासा किया कि उनका लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था, जो वह हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद अपनी टीम टीम की 170 रन की जीत को लेकर शुभमन ने बल्लेबाजी पर संतोष जताया पर कहा कि वह अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, मैं जहां गेंद को मारना चाह रहा था, गेंद वहीं जा रही थी। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ था। मेरा लक्ष्य मैच जल्दी समाप्त करना और 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था। मैं 200 रन बनाना चाहता था पर लगातार शॉट खेलने के दबाव में डीप कवर पर कैच आउट हो गया। मैं चाहता था कि टीम 430 रन तक पहुंचे। शुभमन ने माना है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें सूजन और जकड़न की समस्या का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, थोड़ी तकलीफ थी, शरीर में अलग-अलग जगहों पर ऐंठन हुई। बहुत गर्मी थी, लेकिन मैंने 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी की। अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और अच्छी स्थिति में हूं। उन्होंने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा। शुभमन ने कहा, टॉस से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। अगर हमें 310-320 रन का लक्ष्य मिला होता तो टीम पर अच्छा दबाव होता। सब कुछ अच्छी स्थिति में है। तेज गेंदबाज लगातार सही जगह पर गेंदबाजी कर रहे हैं, जो आसान नहीं है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहीदी अपनी टीम के प्रदर्शन, खासकर गेंदबाजों से निराश दिखे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

भारत के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले हॉकी स्टार मनप्रीत ने फिटनेस को दिया श्रेय, कोहली को मानते हैं आदर्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह ने इतने लंबे करियर का श्रेय फिटनेस को देते हुए कहा कि वह इस मामले में चैम्पियन क्रिकेटर विराट कोहली का अनुसरण करते हैं। मनप्रीत ने बुधवार को स्र्ढ्ढ प्रो लीग में जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की का 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा। अब 413 मैचों के साथ वह सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और शीर्ष पांच में अकेले सक्रिय खिलाड़ी हैं।

इस अनुभवी मिडफील्डर ने रोटरडम से मीडिया से आनलाइन बातचीत में कहा, 'सभी को पता है कि विराट फिटनेस को कितनी अहमियत देते हैं। मेरे लिए ही नहीं बल्कि हर खिलाड़ी के लिए वह आदर्श है। हर कोई उनसे सीखता है कि शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा खेलने के लिये कैसे फिट रहना है।' उन्होंने कहा, 'मैने भी उनसे काफी कुछ सीखा है। वह मैदान पर आक्रामक रहते हैं और अपना शत प्रतिशत देते हैं। वह भी मेरी तरह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रशंसक हैं। वह भी काफी ध्यान रखते हैं कि क्या खाना है और क्या नहीं।'

तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को 41 साल बाद कांस्य पदक दिलाने वाले पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के लिए लंबे समय तक खेलने की ललक ने उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए खेलते रहने की ललक ने मुझे फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। विश्व स्तरीय हॉकी में फिट रहना बहुत जरूरी है और उम्र के साथ मैने इस पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है।'

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी ख्वाहिश विश्व कप में पदक और ओलंपिक स्वर्ण जीतने की है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना ओलंपिक स्वर्ण और विश्व कप में पदक जीतना है। मुझे पता है कि युवाओं से प्रतिस्पर्धा के लिए फिट रहना जरूरी है। मेरा परिवार मुझे हमेशा इसके लिए प्रेरित करता है।' मनप्रीत ने अगले लक्ष्य के बारे में कहा, 'मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलना चाहता हूं लेकिन उसके लिए फिट रहना होगा। मैं इस पर मेहनत कर रहा हूं। एशियाई खेलों के बाद अपनी फिटनेस का आकलन करूंगा और लगता है कि पूरी तरह फिट नहीं हूं तो फैसला लूंगा।'

विश्व कप के पहले सप्ताह में कई गुमनाम खिलाड़ियों ने प्रभाव छोड़ा

टोरंटो ।वे लियोनेल मेस्सी जैसे नहीं हैं, वे काइलियान एमबाप्पे जैसे नहीं हैं। वे एर्लिंग हालैंड या हैरी केन जैसे भी नहीं हैं। विश्व कप में फुटबॉल के सबसे बड़े नाम ही सुर्खियां नहीं बटोर रहे हैं, कुछ ऐसे कुछ गुमनाम खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। इन खिलाड़ियों में केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा भी शामिल हैं। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इससे इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या एक करोड़ 30 लाख तक पहुंच गई है। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे छोटे देश की तरफ से पहला गोल किया। क्यूरासाओ के प्रशंसकों को शायद जर्मनी के हाथों अपनी टीम की 7-1 से मिली करारी हार याद न हो लेकिन उन्हें कोमेनेंसिया का गोल हमेशा याद रहेगा। कतर के बौलेम खौखी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। इस 35 वर्षीय सेंटर बैक को भले ही गोल का श्रेय नहीं मिलेगा, लेकिन उनकी बदौलत ही कतर ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच ड्रॉ कराया। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ मिलकर गेंद पर नियंत्रण बनाने के लिए छलांग लगाई। इस तरह से उन्होंने मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर किया। बोस्निया और हर्जेगोविना के जोवो लुकिच ने कनाडा के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले अपने देश के लिए कभी गोल नहीं किया था। कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण उन्हें इस मैच में खेलने का मौका मिला और वह गोल करने में सफल रहे। न्यूजीलैंड के एलिजा जस्ट ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया। ईरान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में उन्होंने दो गोल करके न्यूजीलैंड के लिए यह मैच यादगार बना दिया। मिस्र के इमाम अशूर ने भी विश्व कप मैच में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला गोल किया। उनके शानदार गोल से मिस्र ने यूरोपीय दिग्गज बेल्जियम को 1-1 से बराबरी पर रोका।

टी20 महिला विश्वकप : भारतीय टीम नीदरलैंड को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

लंदन ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में नीदरलैंड के खिलाफ 95 रनों की बड़ी जीत दर्ज कर ग्रुप-ए की अंकतालिका में चार अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। इससे पहले भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 64 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम17.3 ओवर में 114 रन पर ही सिमट गयी। भारतीय टीम ने की ओर से स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत की। दोनों खिलाड़ियों ने 70 गेंदों में ही 115 रन बना दिये। शेफाली 38 गेंदों में 10 चौकों के साथ 55 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। वहीं मंधाना ने जेमिमा के साथ दूसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 47 रन बनाये। मंधाना ने 47 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 74 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से ऋचा 20 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 12 रन बनाये। डच टीम की ओर से कैरोलिन डी लैंग ने 2 विकेट लिए। वहीं आइरिस ज्विलिंग, हीथर सीगर्स और मर्थे वैन डेन राड को 1-1 विकेट मिला। डच टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.3 ओवरों में 114 रनों पर ही आउट हो गयी। हीथर सीगर्स ने सबसे अधिक 21 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने 19 रन देकर 4 विकेट जबकि शेफाली वर्मा ने 20 रन देकर 3 विकेट निकाले। 2 विकेट नंदिनी शर्मा को मिले।

डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा की वापसी, श्रीलंका के उभरते हुए स्टार पथिरागे से होगा मुकाबला

दोहा (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि जब वह शुक्रवार को यहां दोहा डायमंड लीग में फॉर्म में चल रहे शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ वापसी करेंगे तो चोट के कारण प्रतियोगिताओं से अनुपस्थिति उनकी लय को प्रभावित नहीं करेगी। इसमें भाग लेने वाले शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों में श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश थरंगा पथिरागे भी शामिल होंगे जिन्होंने कुछ दिन पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है।

दूसरी ओर 28 वर्षीय चोपड़ा पीठ की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए थे और इस प्रतियोगिता में वह 84.03 मीटर के औसत थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कतर स्पोर्ट्स क्लब में वह शुरुआत से ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। दोहा उनके लिए भाग्यशाली रहा है। यहीं पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने पिछले साल मई में 90 मीटर का थ्रो किया था। वह 90.23 मीटर के थ्रो से जर्मनी के जूलियन वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

यह प्रतियोगिता 8 मई को सत्र की शुरुआत के तौर पर आयोजित होने वाली थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया था। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद 25 मई से स्विट्जरलैंड में ट्रेनिंग कर रहे चोपड़ा को नौ खिलाड़ियों वाले इस ग्रुप में देर से शामिल किया गया। चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैंने डेढ़ महीने पहले थ्रो करना शुरू किया और हमने जल्दबाजी नहीं की। फिर मैंने दोहा (आयोजकों) से पूछा कि क्या यह संभव है कि मैं उन्हें एक हफ्ता पहले दोहा डायमंड लीग में भाग लेने के बारे में बताऊं। वे सहमत हो गए और फिर अंतिम सत्र के बाद हमने तय किया कि चोट ठीक है और दोहा में हिस्सा लेते हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बार फिर 90 मीटर थ्रो का लक्ष्य बना रहे हैं तो चोपड़ा ने कहा, 'मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। मैं बहुत अच्छा और फिट महसूस कर रहा हूं, देखते हैं कल क्या होता है।' चोपड़ा को रविवार को आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत की 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया। इसके लिए उन्हें भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के 82.61 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल करना होगा जो उनके मानकों के हिसाब से कोई मुश्किल काम नहीं है।

चोपड़ा का मुकाबला पथिरागे से होगा जो इस सत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। चार जून को डायमंड लीग के रोम चरण में 92.62 मीटर के शानदार थ्रो से यह 24 साल का श्रीलंकाई खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में शीर्ष पर बना हुआ है। वह 90 मीटर का अहम आंकड़ा पार करने वाले चौथे एशियाई और कुल मिलाकर 28वें खिलाड़ी बन गए। इस सत्र में पथिरागे ने दो बार 89 मीटर से ज्यादा का थ्रो किया है। वह प्रतिष्ठित गोल्डन स्पाइक मीट में 86.57 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल करने के बाद दोहा डायमंड लीग में आए हैं। रोम में उनका प्रदर्शन पाकिस्तान के अरशद नदीम के पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले 92.97 मीटर के थ्रो से थोड़ा कम था, लेकिन उन्होंने चीनी ताइपे के चाओ-त्सुन चेंग (91.36 मीटर) और चोपड़ा (90.23 मीटर) को पीछे छोड़ दिया। उनका थ्रो दुनिया की सर्वकालिक सूची में आठवें नंबर पर है। यह नदीम के 2024 ओलंपिक फाइनल के प्रयास के बाद दुनिया का सबसे अच्छा थ्रो भी था। चोपड़ा और पथिरागे तीसरी दफा एक दूसरे के आमने सामने होंगे और यह डायमंड लीग के मंच पर उनकी पहली भिड़ंत होंगी।

दोनों का रिकॉर्ड अभी तक 1-1 से बराबर रहा है। चोपड़ा ने जुलाई 2025 में बेंगलुरु में आयोजित एन सी क्लासिक में स्वर्ण पदक जीता था जबकि पथिरागे 84.34 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि, पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे जबकि पथिरागे 84.38 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, 'यह सच में कमाल की उपलब्धि है। वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है, मेरा अच्छा दोस्त है। उसने श्रीलंका के लिए जो किया है, मैं उसके लिए खुश हूं।'

दोहा डायमंड लीग में शामिल अन्य खिलाड़ियों में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशोर्न वालकॉट, ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, अमेरिका के विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता कर्टिस थॉम्पसन, कीनिया के जूलियस येगो, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच, मिस्र के मोहम्मद हुसैन अहमद सामेह और आर्तुर फेल्फनर शामिल हैं। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने 12 जून को अपनी भागीदारी की घोषणा के बाद अपना नाम वापस ले लिया।

कीर्ति कुल्हारी ने मानवी गगरू के लिए लिखी खास बात

अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू स्टारर कॉमेडी ड्रामा 'हीर सारा और पुडुचेरी' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो चुकी है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म और मानवी गगरू को बधाई देते हुए एक दिलचस्प पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'इस खास दिन पर मानवी गगरू को दिल से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं। आप पहले से भी ज्यादा चमकें और फिल्म को खूब प्यार मिले, यही कामना है। ढेर सारा प्यार, बड़ी-सी झप्पी और हीर सारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं। दोस्तों, जाइए और इस खूबसूरत फिल्म को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखकर अपना प्यार दीजिए।' निर्देशक कार्तिक चौधरी द्वारा बनाई गई यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक यात्रा पर आधारित है, जो व्यक्तिगत संकटों और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में मुक्ति और नया उद्देश्य तलाशती हैं। सारा (पत्रलेखा) एक महत्वाकांक्षी बाइकर हैं और हीर (मानवी गागरू) एक अन्य महिला हैं जो जीवन के अलग-अलग दौर से गुजर रही हैं। सारा अपनी मां को खोजने के लिए इंदौर से पांडिचेरी (पुडुचेरी) की यात्रा पर निकलती हैं, जबकि हीर अपने बॉयफ्रेंड की शादी को रोकने का प्रयास करती है। यह फिल्म पहचान, महिला दोस्ती और सामाजिक अपेक्षाओं के बंधनों से मुक्त होकर खुद को फिर से खोजने के साहस का जश्न मनाती है।

फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स (दिनेश सोनी), नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस (नीरज रुहिल और सुभव शर्मा) और ऑप्टिकस इंक ने मिलकर किया है। फिल्म को सोनी म्यूजिक इंडिया का सहयोग मिला है। फिल्म में आरिफ जकारिया, निशंक वर्मा और श्वेता साल्वे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। उनका मानना है कि फिल्म का मूल विचार बहुत अच्छा था, लेकिन पटकथा थोड़ी सुस्त है और इसमें रोमांच या हास्य की कमी है। कई विषयों को छूने के बावजूद, फिल्म उनमें गहराई तक नहीं उतर पाती।

क्या बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी कटरीना कैफ?

कटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से उनकी बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में खबर है कि अभिनेत्री एक सीक्वल के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म में तब्बू भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि इसकी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, मगर इस प्रोजेक्ट ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है।

बड़े पर्दे पर वापसी कर सकती हैं कटरीना?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कटरीना कैफ एक सीक्वल से जुड़ सकती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मूल फिल्म की अभिनेत्री तब्बू भी नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई हैं। कटरीना के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की संभावना ने फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्मफेयर के मुताबिक कटरीना कैफ पर 2001 की फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल 'चांदनी बार 2' के लिए विचार किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं और फिलहाल इसकी कास्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

क्या है 'चांदनी बार' की कहानी

'चांदनी बार' (2001) का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस क्राइम ड्रामा में मुंबई के अंडरवर्ल्ड की काली सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मुमताज की कहानी है, जिसका किरदार तब्बू ने निभाया है। मुमताज एक युवा महिला है जिसे बार डांसर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कटरीना कैफ का वर्कफ्रंट

कटरीना कैफ की हालिया फिल्मों में 'सूर्यवंशी', 'फोन भूत', 'टाइगर 3' और 'मेरी क्रिसमस' शामिल हैं। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है।

वीर दास होंगे 'बारह नंबर' के निर्देशक

एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' का एलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।

कवि शास्त्री के साथ दोबारा जुड़े वीर दास

'बारा नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं।

वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।'

कब अच्छी लगती है हॉरर फिल्म?

उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' 'पेद्दी' के एक्शन डायरेक्टर ने आमिर खान से की राम चरण की तुलना, शूटिंग के दौरान इस वजह से याद आई फिल्म 'दंगल'

वीर दास ने किया इन फिल्मों में काम

'देली बेली', 'गो गोवा गॉन' जैसी फिल्मों और 'कॉल मी बे' जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर 'जजू प्रोडक्शंस' के जरिए 'बारा नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में शूट की 12 शॉर्ट फिल्में

अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में भी इंडस्ट्री में न केवल सक्रिय हैं, बल्कि पूरी ऊर्जा और क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। इसे लेकर वे अपने प्रशंसकों के साथ अपडेट भी साझा करते रहते हैं। बिग बी नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं। हालिया ब्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग एक ही दिन में पूरी कर ली। हालांकि, ये शॉर्ट फिल्में थीं, लेकिन यह भी कोई मजाक नहीं है।

अमिताभ बच्चन ने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग का काम एक ही दिन में निपटा देने के साथ ही दो स्टिल शूट भी उसी दिन पूरे किए। बिग बी ने अपने ब्लॉग में एक नोट के साथ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने ब्लॉग में लिखा है, 'काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं और दो स्टिल शूट किए और अब आप पर काम कर रहा हूं'। आगे लिखा है, 'बिना किसी देरी के, जोड़ने की यह प्रक्रिया ही आज का मुख्य काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। ये रुकना नहीं चाहिए। ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए। बता दें कि अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

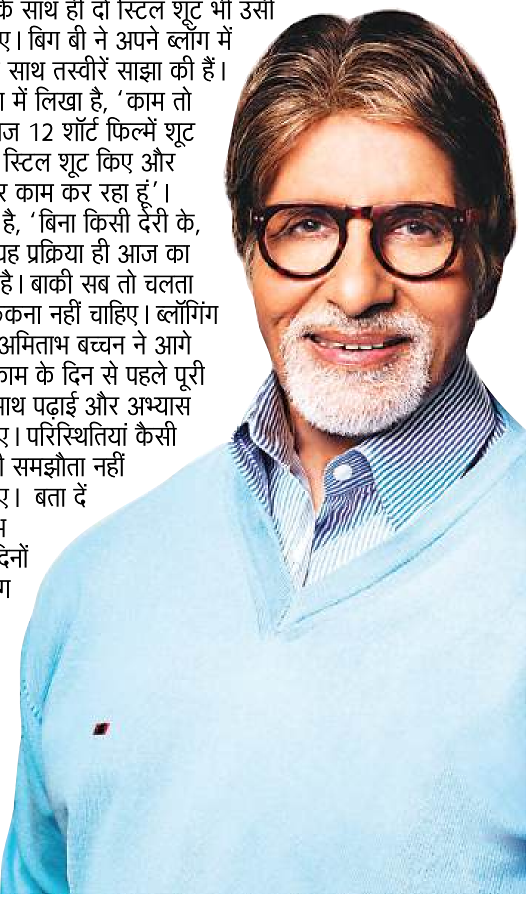

भविष्य में नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी।

सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है। सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है।

उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं।

थिएटर में नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी

अहाना कुमरा ने अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को तराशने पर बातें की हैं। उन्होंने शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम पर बातें कीं। उन्होंने कहा- थिएटर में उन्हें नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी।

अहाना ने थिएटर पर की बात

थिएटर की सख्ती, अपने फैसलों की कीमत और इंडस्ट्री की सियासत, इन सबके बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली अहाना कुमरा की सोच उतनी ही साफ है, जितनी वह बेबाक हैं। नसीरुद्दीन शाह से मिली सीख ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया तो लखनऊ की तहज़ीब और जिद आज भी उनके काम में झलकती है। अहाना कुमरा ने इस खास बातचीत में अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को लगातार तराशने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की।

लखनऊ ने मुझे तहजीब और जिद दोनों दी हैं। अगर कहें तो मुंबई में जाकर आप तहजीब भूल जाते हैं (ठहाके लगाते हुए)। हालांकि, इस शहर ने एक जिद जरूर दी है क्योंकि जब आप ऐसे शहरों से आते हैं, जहां आपको अपने शहर का नाम रोशन करना है तो अंदर एक जिम्मेदारी सी रहती है। मैं यहां अब रहती नहीं हूं लेकिन साल में एक-दो बार आना-जाना जरूर हो जाता है। कभी खाने के बहाने तो कभी किसी इवेंट में शिरकत करने। लखनऊ आते ही ऐसा लगता है कि मुझे इसका नाम रोशन करना है। मुझे इसके लिए पांच या दस साल लग जाएं लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैं हमेशा जुटी रहूं और डटी रहूं। इस शहर ने जो सीख और वैल्यूज दी हैं, उन्हें साथ लेकर ही मैं मुंबई में काम कर रही हूं।

नसीरुद्दीन शाह ने कहा, यह तुम्हारी जिम्मेदारी है

थिएटर में सबसे पहली चीज आप अनुशासन और शिद्दत सीखते हैं। आपको जो बोला गया है, वो आपको करना होगा और इसके पैसे नहीं मिलते हैं। फिल्मों की तरह 10 लोग आपके आजू-बाजू नहीं रहते हैं। याद है जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। देखो कहां क्या रखा है। यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम जब वापस स्टेज से आओगे और दूसरे सीन के लिए तैयार होने जाओगे तो तुम्हें पता हो कि कहां पर क्या रखा है। हम यहां तक ड्रेस रिहर्सल करते थे कि अगर 30 सेकेंड हैं तो कैसे अपनी ड्रेस को अनजिप करें और कैसे नई ड्रेस जिप करके स्टेज पर फटाफट पहुंचें। अगर आप ये चीजें नहीं सीखते तो काम नहीं चलेगा। थिएटर में आपके पास समय नहीं है और वहां आपका काम कोई दूसरा नहीं करेगा। वहां आपको आत्मनिर्भर बनना पड़ता है। आजकल के ऐक्टर्स में मैंने देखा है कि वे काम बाद में शुरू करते हैं, पहले उनके इर्द-गिर्द 10 चेले-चपाटे आ जाते हैं। वो चीजें आपको थिएटर में नहीं मिलती हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि कोई भी यंग ऐक्टर जो ऐक्टिंग शुरू करना चाहता है, उसे थिएटर जरूर करना चाहिए।

अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है

हमेशा से कहती आई हूं कि जो मैं अपने डिसिजन लेती हूं, उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मुझे यह जिम्मेदारी भी पूरी करनी है कि ऐसे रोल करूं, जिन्हें लोग बरसों याद रखें। उसके बारे में बाद में मुझे सोचकर यह ना लगे कि वो रोल क्यों किया। इन रोल्स को करने के लिए हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमारे जैसे प्रोफेशन में रिस्क नहीं लेंगे तो फिर यहां आने का कोई मतलब नहीं। आप नाइन टू फाइव जॉब कर लीजिए। बड़े-बड़े ऐक्टर्स रिस्क लेते हैं। रिस्क जिन्होंने नहीं लिया, उनके करियर बहुत जल्दी नीचे आ गए। मैंने अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है। बहुत लोगों की गालियां सुनी हैं। बहुत लोगों से यह भी सुना है कि तुम्हारे साथ आज के बाद काम नहीं करेंगे। मैंने उनसे यही कहा कि आप अकेले नहीं हैं। अगर आप मेरे साथ काम नहीं करेंगे तो भी मुझे काम मिलेगा। मैं खुद को इतना ग्रो कर चुकी हूं कि मुझे किसी की धमकी की जरूरत नहीं है। मैं तो अब प्रोड्यूस भी कर रही हूं।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है.

कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुन: विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अत: इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुन: विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।